THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

**वर्ष-30 अंक :** 266 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **पौष शु.2 2082 सोमवार, 22 दिसंबर-2025**

**प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ✻ **पृष्ठ :** 16 **मूल्य :** 8 रुपये

NEW
RENAULT KIGER

discovery days
10-22 december

RE-021-LT

discover more

0% rate of interest*

पहले से बेहतर X-ट्रॉनिक CVT
मल्टी-सेंस ड्राइव मोड्स
वेंटिलेटेड लेदरेट सीट्स

*0% rate of interest is offered only for a 24-months tenure on select variants and specific loan amounts. **the effective interest rate for the scheme is 0.01% p.a., which is rounded to zero for promotional display purposes.** loan approval, amount, tenure & eligibility are subject to the sole discretion of Nissan Renault Financial Services India Private Limited (NRFSI). visit: https://www.nrfsi.com/ for processing fees & other applicable charges. customers are advised to verify the total cost of the loan & the APR in the Key Fact Statement issued by NRFSI before availing the offer. the offer is valid only for applications submitted between 10 Dec-22 Dec 2025 subject to retails on or before 31st Dec 2025 & may be modified or withdrawn without prior notice. Renault vehicles now come with a standard warranty of 3 years or 100 000 kms, whichever is earlier. the price/features mentioned in this advertisement may vary depending on the model/variant and features in the car. features depicted in the advertisement may vary based on the model and variant of choice. corporate / PSU / defence personnel / government employee / professional benefits applicable on each model are based on customer eligibility and submission of required proof. price valid on the date of purchase. for detailed terms and conditions, please visit renault.co.in

Renault recommends Castrol

renault.co.in

**SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD:** RENAULT **GACHIBOWLI** Ph: 9289220863, RENAULT **HITECH CITY** Ph: 9311733970, RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

## गुजरात में भी ऑपरेशन लंगड़ा, रेप और अन्य गुनाहों में शामिल आरोपियों के पैर में मारी जा रही गोली

गांधीनगर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गांधीनगर से पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सेक्टर-24 के इंदिरा नगर छपरा इलाके में पांच दिन पुराने बलात्कार के मामले में आरोपी ने हिरासत से भागने की कोशिश की। इसके बाद महिला पुलिस ने उस पर गोली चला दी। मासूम बच्ची के साथ हुए दुराचार के आरोपी का पुलिस ने हाफ एनकाउंटर किया। आरोपी के पैर में गोली लगते ही वह गिर गया।

उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरोपी के पैर में गोली मारे जाने के बाद गांधीनगर में लोगों ने पुलिस जिंदाबाद के नारे भी लगाए। पुलिस प्रसाशन की लोग तारीफ कर रहे हैं। गुजरात में रेप और अन्य गुनाहों में शामिल आरोपियों को गोली मारे जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में चल रहे ऑपरेशन लंगड़ा की तर्ज पर भूपेंद्र पटेल सरकार की पुलिस भी आरोपियों का हाफ एनकाउंटर करने में देरी नहीं कर रही है।

# 'बीजेपी के लिए सेक्युलरिज्म उतना ही कड़वा शब्द

## जितना नीम का फल', स्टालिन का केंद्र सरकार पर हमला

चैन्नई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में आयोजित क्रिसमस कार्यक्रम के दौरान केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा स्वीकार नहीं है और वह संविधान से सेक्युलरिज़्म को खत्म करने की सोच रखती है। स्टालिन ने कहा कि भाजपा के लिए सेक्युलरिज़्म उतना ही कड़वा है, जितना नीम का फल।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में साफ शब्दों में कहा कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता और आपसी भाईचारे में है, लेकिन कुछ ताकतें इसे कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। एमके स्टालिन ने कहा कि क्रिसमस सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि करुणा, प्रेम और शांति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे बहुधार्मिक देश में हिंदू, मुस्लिम और ईसाई समुदायों का आपसी सम्मान और साथ रहना बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी समझ और सौहार्द को मजबूत करते हैं।

### महिला शिक्षा में सारा टकर का ऐतिहासिक योगदान

अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने 19वीं सदी की प्रसिद्ध ईसाई समाजसेविका सारा टकर का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने दक्षिण तमिलनाडु में महिलाओं की शिक्षा की नींव रखी। तिरुनेलवेली क्षेत्र में शुरू की गई उनकी पहल आज भी हजारों महिलाओं को शिक्षा के अवसर प्रदान कर रही है। स्टालिन ने कहा कि सारा टकर कॉलेज जैसी संस्थाएं सामाजिक बदलाव की मिसाल हैं।

### अल्पसंख्यकों के लिए डीएमके की प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ही वह राजनीतिक ताकत है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि डीएमके के शासनकाल में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए, जिससे उनका सामाजिक और शैक्षणिक विकास हुआ।

### केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप

मुख्यमंत्री ने केंद्र की भाजपा सरकार को अल्पसंख्यकों के लिए खतरा बताया। उन्होंने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून जैसे फैसलों का डीएमके ने हमेशा विरोध किया है, जबकि कुछ अन्य दलों ने इसका समर्थन किया। स्टालिन ने दोहराया कि उनकी पार्टी हर उस नीति के खिलाफ खड़ी होगी, जो देश की एकता और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाए।

### तमिलनाडु सरकार की योजनाओं का जिक्र

स्टालिन ने बताया कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यक समुदायों के लिए तीर्थयात्रा सहायता बढ़ाई है, चर्चों के नवीनीकरण और संरक्षण पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं और कई जिलों में कब्रिस्तानों के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध कराई गई है। इसके साथ ही अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिससे शिक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है।उन्होंने यह भी कहा कि अब शिक्षण संस्थानों को अपने शिक्षक चुनने का अधिकार दिया गया है, जिससे उनकी स्वायत्तता बनी रहे।

### एक राष्ट्र, एक पहचान की सोच पर सवाल

एमके स्टालिन ने आरोप लगाया कि भाजपा देश पर एक ही धर्म, एक ही भाषा, एक ही संस्कृति और एक ही नेतृत्व थोपना चाहती है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु और डीएमके में इतनी ताकत है कि वे इस सोच को कभी सफल नहीं होने देंगे।

### मतदान अधिकारों को लेकर चेतावनी

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभी अधूरी है। उन्होंने आशंका जताई कि केंद्र सरकार मतदाताओं को उनके अधिकारों से वंचित करने की कोशिश कर सकती है, लेकिन डीएमके हर स्तर पर इसका विरोध करेगी और लोकतंत्र की रक्षा करेगी।

### 15 वर्षों से जारी क्रिसमस परंपरा

स्टालिन ने बताया कि डीएमके विधायक एस। इनिगो इरुदयाराज पिछले 15 वर्षों से समानता और भाईचारे के प्रतीक के रूप में क्रिसमस समारोह आयोजित कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 'मणिथनेय मगत्वा क्रिसमस पेरुविज़ा 2025' के तहत संपन्न हुआ।

## महसूस हुए भूकंप के झटके: रिक्टर स्केल पर तीव्रता 3.3 मापी, केंद्र झज्जर रहा

झज्जर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। आज दोपहर 12 बजकर 13 मिनट पर हरियाणा के झज्जर क्षेत्र में भूकंप का झटका महसूस किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र झज्जर में ही था और इसकी गहराई धरती के अंदर लगभग 10 किलोमीटर बताई जा रही है। फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। यह झटका हल्का होने के कारण बड़े नुकसान की आशंका नहीं है। हरियाणा का झज्जर-रोहतक क्षेत्र भूकंपीय दृष्टि से सक्रिय जोन में आता है। यहां समय-समय पर छोटे-मोटे झटके आते रहते हैं, जो हिमालयी प्लेटों की टकराव गतिविधि से जुड़े हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसे झटकों से सतर्क रहना चाहिए, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं।

# 'मनगढ़ंत झूठ, करेंगे कानूनी कार्रवाई'

## विदेशी फंडिंग के आरोपों पर भड़कीं पवन खेड़ा की पत्नी नीलिमा कोटा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की पत्नी और जानी-मानी लेखिका कोटा नीलिमा ने सोशल मीडिया पर लगाए जा रहे विदेशी फंडिंग और मीडिया प्रभाव नेटवर्क से जुड़े आरोपों पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कोटा नीलिमा ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें मानहानिकारक, झूठा और दुर्भावनापूर्ण प्रचार बताया है। उन्होंने कहा है कि आरोप लगाने वालों, इन्हें प्रकाशित करने वालों और जानबूझकर फैलाने वालों के खिलाफ सिविल और क्रिमिनल कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, सोशल मीडिया पर कांग्रेस पार्टी, विदेशी फंडिंग और मीडिया नेटवर्क के कथित गठजोड़ को लेकर कई दावे किए जा रहे हैं। इन दावों ने राजनीतिक हलकों में विवाद खड़ा कर दिया है। वायरल हो रहे एक थ्रेड में

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा को कथित तौर पर इस पूरे इकोसिस्टम का सेंट्रल फेस बताया गया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया है कि कोटा नीलिमा, दिल्ली स्थित एक संगठन पी रोटो से जुड़ी हुई हैं। पोस्ट के मुताबिक, यह संगठन अमेरिकी लिंक वाले जर्नलिज्म प्रोग्राम्स के जरिए यह तय करने में भूमिका निभाता है कि किन भारतीय पत्रकारों को विदेशी फंडिंग दी जाए। इसी पोस्ट में कोटा नीलिमा को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की सदस्य और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पूर्व उपाध्यक्ष भी बताया गया है।

थ्रेड में यह भी आरोप लगाया गया है कि पी रोटो की स्थापना वर्ष 2018 में अमेरिका स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर जर्नलिस्ट्स (आईसीएफजे) से जुड़े फेलोज द्वारा की गई थी। दावा किया गया है कि बाद में पी रोटो दक्षिण एशिया में आईसीएफजे के कार्यक्रमों का प्रमुख साझेदार बन गया।

पोस्ट के अनुसार, आईसीएफजे को पश्चिमी सरकारों, फाउंडेशनों और मीडिया संस्थानों से विदेशी फंडिंग मिलती है, जिसे भारत में पत्रकारिता परियोजनाओं के जरिए चैनल किया जाता है। आरोप लगाया गया कि इन पहलों के माध्यम से केंद्र की बीजेपी सरकार के खिलाफ कथित तौर पर नैरेटिव गढ़े जाते हैं।

सोशल मीडिया थ्रेड में आगे दावा किया गया कि कोटा नीलिमा वर्ष 2017 के बाद कई मीडिया और सिविल सोसाइटी प्लेटफॉर्म्स से जुड़ी रहीं या उन्होंने उन्हें शुरू किया। इनमें इंस्टीट्यूट ऑफ परसेप्शन स्टडीज, रेट द डिबेट, हक्कू इनिशिएटिव और स्टूडियोअड्डा जैसे नाम शामिल हैं। पोस्ट में आरोप लगाया गया कि इन मंचों पर बीजेपी सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकारों को प्रमुखता से जगह दी गई और संभवतः विदेशी फंडिंग वाले जर्नलिज्म प्रोजेक्ट्स के लिए चयन को प्रभावित किया गया। हालांकि, इन दावों के समर्थन में कोई दस्तावेजी सबूत सार्वजनिक रूप से पेश नहीं किए गए हैं।

थ्रेड में पी रोटो के संस्थापकों और जमात-ए-इस्लामी से जुड़े कथित संगठनों के बीच वैचारिक और संगठनात्मक संबंधों का भी दावा किया गया है। पोस्ट में आरोप लगाया गया कि विदेशी फंडिंग, राजनीतिक विपक्ष के नैरेटिव और इस्लामी संगठनों की गतिविधियों के बीच भूमिकाओं को बांटा गया है। यह भी कहा गया कि वर्ष 2020 से 2024 के बीच आईसीएफजे से जुड़े कार्यक्रमों के तहत भारत में जिन स्टोरीज़ को कमीशन किया गया, उनका फोकस अल्पसंख्यक अधिकार, हेट स्पीच, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और बुलडोजर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर रहा,

## उधमपुर में घर से खाना लेकर फरार हुए दो आतंकी, सर्च ऑपरेशन शुरू

जम्मू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के उधमपुर जिले में एक घर से आतंकवादी भोजन लेकर जंगल की ओर भाग गए। सुरक्षा बलों ने आतंकियों का सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बल, मजालता क्षेत्र के चोरे मोटू गांव और उससे सटे वन क्षेत्रों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। यह इलाका उस स्थान से करीब पांच किलोमीटर पश्चिम में है, जहां पहले हुई एक मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। अधिकारियों के अनुसार, खुफिया सूचना मिली थी कि दो अज्ञात आतंकवादी चोरे मोटू गांव में शाम करीब साढ़े छह बजे मंगतू राम के घर पहुंचे और भोजन लेकर चले गए। सूचना मिलते ही पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को मौके पर भेजा गया, लेकिन आतंकवादी तब तक फरार हो चुके थे।

इसके बाद गांव के पास के जंगलों की घेराबंदी कर रविवार तड़के विभिन्न दिशाओं से तलाशी और सघन अभियान शुरू किया गया। बता दें कि 15 दिसंबर को मजालता क्षेत्र के सौन गांव में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी की जान चली गई थी। इसके बाद से ये इलाका काफी संवेदनशील माना जा रहा था। वहीं, अब एक घर में आतंकियों के घुसने को लेकर स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

# अरुणाचल में जासूसी नेटवर्क का खुलासा

## पाकिस्तान कनेक्शन भी मिला:बॉर्डर एरिया में चल रही गतिविधियों को लेकर एजेंसियां अलर्ट; चीन की हलचल पर भी नजर

ईटानगर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश में जासूसी नेटवर्क के खुलासे और सीमा से जुड़ी गतिविधियों ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क के 4 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इस बीच, स्थानीय लोगों ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) के पास चीनी सेना की मौजूदगी और संभावित घुसपैठ की जानकारी दी है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी सेना की गतिविधियों और अन्य संवेदनशील सूचनाएं पाकिस्तानी हैंडलर्स तक भेज

रहे थे। शुरुआती जांच में इस नेटवर्क के चीन से जुड़े होने के संकेत भी मिले हैं। सुरक्षा विशेषज्ञ इसे 'हाइब्रिड वॉर' की रणनीति से जोड़कर देख रहे हैं, जिसमें जासूसी, घुसपैठ और सैन्य दबाव को एक साथ इस्तेमाल किया जाता है। राज्य के गृह मंत्री मामा नातुंग ने कहा है कि जासूसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। स्थानीय लोगों का दावा है कि सितंबर 2024 से चीनी सेना ने अंजाव जिले के कपापु क्षेत्र में करीब 60 किमी अंदर तक कैंप बनाए हैं।

उनका कहना है कि हालात 2022 जैसे हैं। हालांकि, सरकार की ओर से इसे 'ओवरलैपिंग पेट्रोलिंग' बताया जा रहा है। इसी दौरान तिब्बत के ल्हुंजे एयरबेस पर चीन की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। यहां मैकमोहन लाइन से करीब 40 किमी दूर 36 हार्डेंड एयरक्राफ्ट शेल्टर्स बनाए जाने और स्टेल्थ जेट्स की तैनाती की जानकारी सामने आई है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक पकड़े गए संदिग्ध स्थानीय मुस्लिम समुदायों में घुल-मिलकर स्लीपर सेल विकसित करने की कोशिश कर रहे थे। कुछ बांग्लादेशी युवकों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। वेस्ट सियांग के एसपी का कहना है कि यह मामला असम और अरुणाचल से जुड़े एक बड़े जासूसी मॉड्यूल का हिस्सा हो सकता है। एजेंसियां इसे ऐसी रणनीति से जोड़कर देख रही हैं, जिसमें पाकिस्तान प्रॉक्सी की भूमिका निभा सकता है।

### बच्चों में बेवक्त खाने की आदत बनी आफत, हार्ट अटैक का बढ़ रहा खतरा

देहरादून, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बच्चों में बेवक्त खाने की आदत स्वास्थ्य के लिए घातक हो रही है। इसकी वजह से हो रही ओबेसिटी (मोटापा) से हृदयघात का खतरा बढ़ रहा है। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय के बाल रोग विभाग की ओपीडी में हर रोज चार मरीज ओबेसिटी से ग्रसित पहुंच रहे हैं। फूड डिलीवरी माध्यमों की आसान उपलब्धता और देर रात तक जागने की आदत बच्चों में बेवक्त खाने की प्रवृत्ति को जन्म दे रही है। बच्चों का रात और दिन में किसी भी समय खाना खाने की इच्छा हो रही है। लंबे समय तक यह आदत अपनाने वाले बच्चों में स्वास्थ्य चुनौतियां देखने को मिल रही हैं। इसके परिणाम अब सामने आने लगे हैं। बड़ी संख्या में बच्चे अनिद्रा और उच्च रक्तचाप समेत कई शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं। इसकी वजह से उनमें से मोटापा पनप रहा है।

# पाकिस्तान को सौंप दिया जाता असम...

## पीएम मोदी के दावे का कांग्रेस ने ऐसे दिया जवाब

गुवाहाटी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के गुवाहाटी में गोपीनाथ बरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नए टर्मिनल के उद्घाटन के अवसर पर कांग्रेस पर हमला बोला था। पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि बंटवारे के समय, कांग्रेस असम को पाकिस्तान को सौंपना चाहती थी। रविवार को कांग्रेस के सांसद मणिकम टैगोर ने पीएम मोदी के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि यह दावा ऐतिहासिक रूप से गलत है। मणिकम टैगोर ने सोशल साइट एक्स पर लिखा कि पीएम मोदी ने कहा कि बंटवारे के समय, कांग्रेस असम को पाकिस्तान को सौंपना चाहती थी।

यह दावा ऐतिहासिक रूप से गलत है। तथ्य मायने रखते हैं। झूठ बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि असम को पाकिस्तान को सौंपने का कोई प्रस्ताव नहीं था। असम एक हिंदू-बहुल प्रांत था और बंटवारे की योजना के तहत इसे कभी भी पाकिस्तान के लिए तय नहीं किया गया था।

मणिकम टैगोर ने कहा कि सवाल सिर्फ असम के सिलहट जिले पर था, जो मुस्लिम-बहुल इलाका है। जुलाई 1947 में, ब्रिटिश सरकार के तहत, एक रेफरेंडम हुआ था। उन्होंने कहा कि उस रेफरेंडम में, सिलहट ने पूर्वी बंगाल (पूर्वी पाकिस्तान) में शामिल होने के लिए वोट दिया था। यह कांग्रेस का फैसला नहीं था, बल्कि आजादी से पहले हुआ वोट था। मणिकम टैगोर ने कहा कि असम के कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोपीनाथ बोरदोलोई की कोशिशों की वजह से करीमगंज सबडिवीजन को भारत में रखा गया था। यह इतिहास में दर्ज है।

उन्होंने कहा कि इस बात का कोई ऐतिहासिक सबूत नहीं है कि कांग्रेस ने एक पार्टी के तौर पर असम को पाकिस्तान को देने की साजिश की थी। बंटवारा इसलिए हुआ, क्योंकि ब्रिटिश सरकार ने जल्दबाजी की और मुस्लिम लीग इसकी मांग कर रहा था। यदि बंटवारा नहीं होता तो देश में गृह युद्ध का डर था। मणिकम टैगोर ने कहा कि एक मुश्किल, दुखद इतिहास को कैंपेन के नारे में बदलना फैक्ट्स, फ्रीडम फाइटर्स और खुद असम की बेइज्जती है। झूठ बंद होना चाहिए लेकिन संघी कैसे यह करेंगे, क्योंकि उन्हें फैलाने वाला ही झूठ पर जीता है?

# सेना का भगोड़ा जवान निकला

## नार्को-आतंकी माड्यूल का अहम मोहरा पंजाब पुलिस ने मोतिहारी से किया गिरफ्तार

अमृतसर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल (एसएसओसी) ने नार्को-आतंक के खतरनाक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में सेना से फरार एक जवान और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से हैंड ग्रेनेड, पिस्टल और 907 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान के आतंकी-तस्कर नेटवर्क से सीधे तौर पर जुड़ा हुए था। इस पूरे मामले की अधिक जानकारी देते हुए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि एसएसओसी मोहाली की टीम ने सेना के भगोड़े जवान राजबीर सिंह उर्फ फौजी को बिहार के मोतिहारी जिले के रक्सौल कस्बे से गिरफ्तार किया। आरोपी नेपाल के रास्ते देश से फरार होने की फिराक में था। उसकी तलाशी के दौरान 500 ग्राम हेरोइन और एक हैंड ग्रेनेड बरामद किया गया।

इससे पहले पुलिस ने उसके सहयोगी चिराग को गिरफ्तार किया था, जो फाजिल्का के काशी राम कालोनी का रहने वाला है। चिराग के पास से 407 ग्राम हेरोइन और एक 9 एमएम पिस्टल बरामद हुई। जांच में यह सामने आया कि चिराग राजबीर के लिए कूरियर का काम करता था। डीजीपी के अनुसार, राजबीर सिंह ने साल 2011 में भारतीय सेना ज्वाइन की थी। साल 2025 में अमृतसर ग्रामीण के घरिंडा थाने में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज जासूसी के मामले में नाम आने के बाद वह फरवरी 2025 में सेना से फरार हो गया था।

जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों आरोपितों का हरियाणा के सिरसा में महिला पुलिस थाने पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश में भी हाथ था। डीजीपी ने बताया कि राजबीर और चिराग ने अमृतसर ग्रामीण निवासी गुरजंत सिंह को हैंड ग्रेनेड मुहैया कराए थे। गुरजंत को हरियाणा पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। हमले के लिए आर्थिक मदद भी चिराग के जरिए पहुंचाई गई थी, जिसे आगे हमलावरों तक पहुंचाया गया। एसएसओसी की एआईजी डी सुदरविझी ने बताया कि वर्ष 2022 में राजबीर इंटरनेट मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में आया था।

### नवनीत राणा ने बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री से की मुलाकात

# कहा- बंगाल में बाबरी मस्जिद बनी तो मैं 1 लाख राम नाम की ईंट लेकर जाऊंगी

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी नेता और पूर्व सांसद नवनीत राणा ने बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र शास्त्री से मुलाकात की। इसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने एक्स पर तस्वीरें शेयर कर लिखा है, "बंगाल की भूमि पर सनातन का उदय! मुर्शिदाबाद में धर्म विरोधियों के हर अवशेष को मिटाने और सत्य की स्थापना के लिए आज पूज्य बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी से भेंट की। बाबरी की नींव उखाड़ने के रणनीति पर चर्चा हुई। अधर्म का नाश हो, धर्म की जय हो!"

### 'हम सेक्युलर नहीं, हिंदू हैं'

बाबा बागेश्वर से मुलाकात के बाद पूर्व सांसद ने कहा, अगर मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनी तो मैं 1 लाख राम नाम की ईंट लेकर जाऊंगी। जो बांग्लादेश में हिन्दू को जिंदा जलाने की घटना हुई, वो देखकर भी हिन्दू सेक्युलर का चोला नहीं उतारे तो जल्द ही बंगाल में भी हिंदुओं को पेड़ पर लटकाकर जला दिया जाएगा क्योंकि ममता बनर्जी यह ताकत रखती है। हम सेक्युलर नहीं हैं, हम हिंदू हैं।

### नवनीत राणा ने क्या चेतावनी दी?

नवनीत राणा ने चेतावनी देते हुए कहा, बंगाल में अगर बांग्लादेश हिन्दू जैसे घटना नहीं होने देनी है तो ममता को सत्ता से हटाना होगा। अगर बांग्लादेश या दूसरे मुस्लिम देश में हिन्दू अल्पसंख्यक के साथ ऐसी घटना हुई तो जो भारत में अल्पसंख्यक हैं, वो भी समझ ले कि बकरे की अम्मा कब तक खैर मनाएगी। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए नवनीत ने कहा, उद्धव ठाकरो को हिंदुत्व से अब कुछ नही लेना-देना, वो जनाब उद्धव हो गए हैं। बालासाहेब भी अगर आसमान से देखते होंगे तो उन्हें भी दुख होता होगा कि क्या बोया और क्या पाया।

### 'राहुल का मन भारत से ज्यादा विदेश में लगता है'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर नवनीत राणा ने कहा कि वह गंभीर नेता नहीं हैं। राहुल गांधी संसद में सिर्फ घूमने आते थे। अगर वह गंभीर नेता होते तो मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बनते। आगे उन्होंने कहा, "राहुल गांधी का काम है बयान देना और विदेश घूमना। उनका मन भारत से ज्यादा विदेश में लगता है।

## ईडी की बड़ी कार्रवाई, लेबर वेलफेयर फंड घोटाले में प्रिंटिंग कारोबारी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुवाहाटी में ईडी ने लेबर वेलफेयर फंड से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 18 दिसंबर 2025 को प्रियांशु बोइरागी के ठिकानों पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया। प्रियांशु बोइरागी, गुवाहाटी की मेसर्स पूर्वाश्री प्रिंटिंग हाउस का मालिक है। प्रियांशु को पीएमएलए की स्पेशल कोर्ट, गुवाहाटी में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने ईडी को 5 दिन की कस्टडी दी है।

ईडी ने ये जांच असम के मुख्यमंत्री की स्पेशल विजिलेंस सेल की तरफ से दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। जांच में आरोप है कि प्रियांशु बोइरागी ने तत्कालीन आईएस अधिकारी चौहान डोले, जो उस समय असम भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी थे और उस समय के चेयरमैन गौतम बरुआ समेत अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर साजिश रची।

ईडी के मुताबिक ये पूरा घोटाला लेबर वेलफेयर से जुड़ा है। ये सेस आमतौर पर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट की लागत का करीब 1% होता है और इसे खास तौर पर निर्माण मजदूरों के लिए रखा जाता है। इस पैसे से मजदूरों को दुर्घटना या मौत पर मदद, इलाज, मातृत्व लाभ, पेंशन, बच्चों की पढ़ाई, अंतिम संस्कार जैसी सुविधाएं दी जाती है। आरोप है कि इसी गरीब और कमजोर वर्ग के लिए बने फंड को गलत तरीके से निकाला गया और निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया गया।

जांच में सामने आया है कि साल 2013-14, 2014-15 और 2015-16 के दौरान प्रियांशु बोइरागी को फर्जी और दिखावटी टेंडर प्रक्रिया के जरिए करीब 121.05 करोड़ रुपये के प्रिंटिंग कॉन्ट्रैक्ट दिए गए इनमें से करीब 118.55 करोड़ रुपये एबीओपीडब्ल्यूडब्ल्यूबी से उनकी फर्म को मिले। ईडी का कहना है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा तुरंत निजी फिक्स्ड डिपॉजिट में बदल दिया गया या फिर दिल्ली की कई शेल कंपनियों के जरिए घुमाया गया, ताकि पैसों का असली सोर्स छुपाया जा सके।

छापेमारी के दौरान ईडी ने कई अहम कागजात और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त किए है।इसके अलावा एक ऑडी कार भी जब्त की गई है। इस मामले में पहले ही ईडी ने 34.03 करोड़ रुपये की एफडी और बैंक बैलेंस को अटैच किया था। ईडी का कहना है कि जांच अभी जारी है और इस पूरे घोटाले में शामिल अन्य लोगों और पैसों की पूरी चेन को खंगाला जा रहा है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 266 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष शु.2 2082 सोमवार, 22 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये


## जम्मू में अपराध बढ़ गया है : महबूबा मुफ्ती

जम्मू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने अपने जम्मू दौरे के दौरान केंद्र सरकार और वर्तमान प्रशासन पर एक बार फिर निशाना साधा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि साल 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से जम्मू-कश्मीर और विशेष रूप से जम्मू के हालात बदतर हुए हैं।

जम्मू में कार्यकर्ताओं और आम जनता को संबोधित करते हुए महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि 2019 के बाद बहुत सी दिक्कतें आई हैं। जम्मू में बाहर से लोग आ रहे हैं और अपराध बढ़ गया है। जम्मू के लोग दिन-प्रतिदिन बदहाली का शिकार होते जा रहे हैं, इसलिए हम लोगों की बात सुनना चाहते थे।

# महंगा होगा रेल का सफर

## 26 दिसंबर से बढ़ेगा किराया, हर किमी पर 1-2 पैसे ज्यादा लगेंगे

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने लंबी दूरी की यात्रा के लिए किराए में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह नया किराया 26 दिसंबर 2025 से लागू होगा। 215 किलोमीटर से ज्यादा का सफर करने वाले यात्रियों को अब हर किलोमीटर के लिए 1 से 2 पैसे अतिरिक्त चुकाने होंगे। रेलवे का अनुमान है कि इस बदलाव से उसे सालाना 600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई होगी। हालांकि, 215 किलोमीटर से कम दूरी की यात्रा करने वालों और मंथली सीजन टिकट होल्डर्स के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

**छोटे रूट और सीजन टिकट वालों को राहत :**

रेलवे ने छोटे रूट पर यात्रा करने वाले करोड़ों यात्रियों को राहत दी है। 215 किलोमीटर से कम के सफर पर किराए में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। इसका मतलब है कि कम दूरी की यात्राएं पहले की तरह ही सस्ती बनी रहेंगी। इसके अलावा, रोजाना सफर करने वाले यात्रियों के लिए भी राहत की खबर है। रेलवे ने सब-अर्बन (उपनगरीय) ट्रेनों और मंथली सीजन टिकट (एमएसटी) की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा।

रेलवे मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, यह किराया बढ़ोतरी ऑपरेशनल कॉस्ट (परिचालन लागत) में हो रही वृद्धि और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को फंड करने के लिए जरूरी है। रेलवे लगातार अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, नई ट्रेनें चलाने और स्टेशनों के आधुनिकीकरण पर काम कर रहा है। इस किराया बढ़ोतरी से मिली 600 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय का इस्तेमाल इन्हीं कामों में किया जाएगा। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता है और इसके नेटवर्क को मेंटेन करने में भारी खर्च आता है।

**साल में दूसरी बार बढ़ाया किराया :**

इससे पहले इसी साल 1 जुलाई को सरकार ने रेल किराए में बढ़ोतरी की थी। तब नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में 1 पैसा प्रति किलोमीटर और एसी क्लास के किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की थी। वहीं इससे पहले 2020 में यात्री किराया बढ़ाया था।

## रेलवे ने बढ़ाया किराया

| श्रेणी | यात्रा की दूरी | किराया बढ़ोतरी |
|---|---|---|
| साधारण | 0 – 215 किमी | कोई बढ़ोतरी नहीं |
| साधारण | 215 किमी से अधिक | 1 पैसा प्रति किमी |
| मेल/एक्सप्रेस (नॉन एसी) | कोई भी दूरी | 2 पैसे प्रति किमी |
| एसी | कोई भी दूरी | 2 पैसे प्रति किमी |

**हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे शहरों में लोकल ट्रेनों से सफर करने वाले लाखों यात्रियों पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा।**

# बांग्लादेशी घुसपैठिए कांग्रेस ने ही बसाए : मोदी

## डिब्रूगढ़ में यूरिया प्लांट का उद्घाटन किया

डिब्रूगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। असम दौरे के दूसरे दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने डिब्रूगढ़ में अमोनिया-यूरिया प्लांट का उद्घाटन किया, जिसकी सालाना उत्पादन क्षमता 12.7 लाख टन होगी। यह यूनिट 2030 तक चालू हो जाएगी। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले किसानों को खाद के लिए लाठियां खानी पड़ती थीं। जो काम कांग्रेस को उस समय करना था, उसने नहीं किया। इसलिए मुझे एक्स्ट्रा मेहनत करनी पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को कांग्रेस ने ही बसाया है और कांग्रेस ही उन्हें बचा रही है। एसआईआर का विरोध कर रही है। तुष्टिकरण और वोट बैंक के इस कहर से हमें असम को बचाकर रखना है। मैं आपको गारंटी देता हूं कि असम की पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए भाजपा फौलाद बनकर खड़ी है। इससे पहले पीएम ने गुवाहाटी में ब्रह्मपुत्र नदी में क्रूज पर 25 बच्चों के साथ करीब 45 मिनट परीक्षा पे चर्चा भी की। मोदी ने नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के मौजूदा परिसर में नए फर्टिलाइजर यूनिट की आधारशिला रखी।

**असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी :**

पीएम मोदी परीक्षा पे चर्चा के बाद शहीद स्मारक पहुंचे। जहां 1985 में अवैध प्रवासियों के खिलाफ असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने आंदोलन के पहले शहीद खड़गेश्वर तालुकदार की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। छह साल तक चले आंदोलन के 860 शहीदों की याद में यहां एक दीया हमेशा जलता रहता है। 170 करोड़ रुपये की लागत से बने इस स्मारक में पानी के कुंड, ऑडिटोरियम, प्रेयर रूम, साइकिल ट्रैक और साउंड एंड लाइट शो जैसी सुविधाएं हैं, जो असम आंदोलन और राज्य के इतिहास के विभिन्न पहलुओं को उजागर करेगा।

# महाराष्ट्र निकाय चुनाव एनडीए को 213 सीटें

## भाजपा सबसे ज्यादा 118, शिंदे को 58 सीटें, उद्धव की पार्टी 9 सीटों पर सिमटी

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र निकाय चुनाव में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को बंपर जीत हासिल हुई है। रविवार का जारी हुए 288 सीटों (246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों) के रिजल्ट में महायुति को 213 सीटों पर जीत मिली।

गठबंधन में भाजपा 118 सीटों पर जीत के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 58 सीटें, एनसीपी अजित को 37 सीटें मिलीं।

वहीं, विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के हिस्से केवल 50 सीटें ही आईं। इसमें कांग्रेस 31, शिवसेना उद्धव को 9, शरद पवार की एनसीपी को केवल 10 सीटें ही मिलीं। 25 सीटें अन्य को मिली हैं, जिन्होंने स्थानिक अघाड़ी (लोकल अलायंस) बनाया था।

दरअसल, महाराष्ट्र 288 नगर परिषदों और नगर पंचायत के लिए दो चरणों में चुनाव हुआ था। पहले चरण में 2 दिसंबर को 263 निकायों में मतदान हुआ था। बाकी 23 नगर परिषदों और कुछ खाली पदों पर 20 दिसंबर को वोटिंग हुई थी। धुले की डोंडाइचा नगर परिषद और सोलापुर की उंगर नगर पंचायत में अध्यक्ष और सदस्यों का चुनाव निर्विरोध हुआ था। जलगांव जिले की जामनेर नगर परिषद में भी अध्यक्ष पद के लिए मुकाबला नहीं हुआ था। तीनों पदों पर भाजपा ने निर्विरोध जीत हासिल की।

## विकसित भारत-जी राम जी विधेयक बना कानून

### राष्ट्रपति ने दी मंजूरी, अब 125 दिन के काम की गारंटी

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम दी विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी है। इस स्वीकृति के साथ यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस कानून के तहत ग्रामीण परिवारों को मिलने वाली वैधानिक मजदूरी रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर अब एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 125 दिन कर दिया गया है। सरकार इसे ग्रामीण जीवन को मजबूत आधार देने वाला ऐतिहासिक कदम बता रही है।

सरकार का कहना है कि वीबी-जी राम जी कानून लागू होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की कानूनी गारंटी पहले से ज्यादा मजबूत हो जाएगी। बता दें, इस बिल पर देर रात तक संसद में चर्चा चली थी। इसके बाद इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया था। हालांकि संसद में विपक्ष ने इस बिल का पुरजोर विरोध किया था। इतना ही नहीं, इसके बाद विपक्ष ने संविधान सदन के बाहर पूरी रात धरना भी दिया था।

# बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक इसलिए हालात मुश्किल : भागवत

## हमें सीमाओं में रहकर मदद करनी चाहिए क्योंकि भारत ही हिंदुओं का एकमात्र देश

कोलकाता, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमले पर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि वहां हिंदू अल्पसंख्यक हैं, इसलिए हालात मुश्किल हैं। हिंदुओं को अगर बांग्लादेश में सुरक्षित रहना है तो एकजुट रहना होगा। दुनियाभर के हिंदुओं को उनकी मदद करनी चाहिए।

मोहन भागवत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर कोलकाता में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम में रविवार को बोल रहे थे। भागवत ने कहा- भारत को अपनी सीमाओं में रहकर जितनी हो सके उतनी मदद करनी चाहिए। हमें वह सब कुछ करना होगा जो हम कर सकते हैं, क्योंकि हिंदुओं के लिए एकमात्र देश भारत ही है। भारत सरकार को इस पर ध्यान देना होगा। उन्हें कुछ करना होगा। हो सकता है वे (सरकार) पहले से ही कुछ कर रहे हों। कुछ बातें बताई जाती हैं, कुछ नहीं बताई जा सकतीं। कभी नतीजे मिलते हैं, कभी नहीं मिलते। लेकिन कुछ तो करना ही होगा।

**भागवत की स्पीच की बड़ी बातें...**

> हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। इसे साबित करने की जरूरत नहीं, जैसे सूरज पूरब से उगता है। हमें नहीं पता कि यह कब से हो रहा है। तो, क्या इसके लिए भी हमें संवैधानिक मंजूरी चाहिए? जो भी भारत को अपनी मातृभूमि मानता है और भारतीय संस्कृति की सराहना करता है वह भारत को एक हिंदू राष्ट्र मानता है। यह संघ की भी विचारधारा है।

> अगर संसद कभी संविधान में संशोधन करके शब्द (हिंदू राष्ट्र) जोड़ने का फैसला करती है। फिर चाहे वे ऐसा करें या न करें, कोई बात नहीं। हमें उस शब्द से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि हम हिंदू हैं और हमारा राष्ट्र एक हिंदू राष्ट्र है। यही सच है।

**3 दिन पहले हिंदू युवक की पीटकर हत्या, पेड़ पर लटकाकर जलाया :**

बांग्लादेश में 3 दिन पहले ढाका के नजदीक भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। रिपोर्ट के मुताबिक, युवक के शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लोग 'अल्लाह-हू-अकबर' के नारे लगाते दिख रहे हैं।

**बांग्लादेशी हिन्दू युवक पर ईशनिंदा का आरोप झूठा निकला :**

हिंदु युवक की मौत के बाद सामने आया कि उसने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली कोई टिप्पणी नहीं की थी। बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन के कंपनी कमांडर मोहम्मद शम्सुज्जमान ने बताया कि ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह कहा जा सके कि दास ने फेसबुक पर कुछ ऐसा लिखा था जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हो सकती थीं।

# लेफ्टिनेंट कर्नल रिश्वत लेते गिरफ्तार

## सीबीआई ने 2.36 करोड़ जब्त किए, प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप, पत्नी भी शामिल

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को रक्षा मंत्रालय में पोस्टेड आर्मी अफसर को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्पादन विभाग में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार शर्मा पर बेंगलुरू की एक कंपनी से 3 लाख की रिश्वत लेने का आरोप है।

सीबीआई ने शर्मा के घर से 2.36 करोड़ रुपये भी जब्त किए हैं। सीबीआई ने शर्मा की पत्नी कर्नल काजल बाली के खिलाफ भी मामला दर्ज किया।

तलाशी के दौरान काजल के घर से 10 लाख बरामद किए हैं। काजल, डिवीजन ऑर्डिनेंस यूनिट (डीओयू) श्रीगंगानगर (राजस्थान) में कमांडिंग ऑफिसर हैं। इस मामले में बिचौलिया विनोद कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों 23 दिसंबर तक सीबीआई की हिरासत में रहेंगे। यह मामला 19 दिसंबर को मिली सूचना के आधार पर दर्ज किया गया। सीबीआई के मुताबिक लेफ्टिनेंट कर्नल पर रक्षा उत्पादों के निर्माण और निर्यात से जुड़ी प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने का आरोप है।

**रक्षा मंत्रालय बोला- सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति :**

न्यूज एजेंसी ने रक्षा मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों के हवाले से कहा कि यह कार्रवाई भारत सरकार की 'भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत की गई है।

सेना के अधिकारी की गिरफ्तारी से यह पता चलता है कि सरकार भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए हर संभव प्रयास करती है।

**घर से कैश और आपत्तिजनक सामग्री मिली :**

खबर मिलने पर जांच एजेंसी ने श्रीगंगानगर, बेंगलुरू, जम्मू सहित कई स्थानों पर तलाशी ली। दिल्ली में लेफ्टिनेंट कर्नल शर्मा के घर पर तलाशी के दौरान 3 लाख रुपये, 2.23 करोड़ रुपये नकद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। अधिकारियों ने श्रीगंगानगर में उनकी पत्नी के घर से भी 10 लाख रुपये नकद जब्त किए हैं। उनके कार्यालय में भी तलाशी जारी है। दोनों आरोपियों को 20 दिसंबर को अदालत में पेश किया गया। फिलहाल इन्हें 23 दिसंबर हिरासत में भेज दिया गया है।

### सीबीआई ने ऐसे कसा लेफ्टिनेंट कर्नल पर शिकंजा :

सीबीआई को बेंगलुरू की एक कंपनी से संभावित रिश्वत भुगतान के बारे में जानकारी मिली थी। राजीव यादव और रवजीत सिंह नाम के शख्स उस कंपनी के मामलों को देख रहे थे। दोनों शर्मा के साथ लगातार संपर्क में थे। दोनों ने कंपनी के लिए कई सरकारी विभागों और मंत्रालयों से अवैध फायदा हासिल करने की कोशिश में थे। पकड़े गए दूसरे आरोपी विनोद कुमार ने बेंगलुरू की इस कंपनी के कहने पर 18 दिसंबर को दीपक कुमार शर्मा को 3 लाख रुपये की रिश्वत दी। जांच एजेंसी का दावा है कि यह कंपनी दुबई की है और राजीव यादव और रवजीत सिंह भारत में इसका ऑपरेशन देखते थे।

## थाने आई पीड़ित महिला से नंबर लेकर अश्लील चैट और गंदी बातें करने लगा दारोगा

जालौन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में पुलिस की छवि को धूमिल करने वाला एक गंभीर मामला सामने आया है। ऐट थाना में तैनात दरोगा नरेंद्र कुमार को पीड़ित महिला से आपत्तिजनक व्हाट्सएप चैटिंग और अनुचित व्यवहार के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, पीड़ित महिला अपने पारिवारिक विवाद को लेकर दरोगा नरेंद्र कुमार से संपर्क में थी।

महिला का आरोप है कि न्याय दिलाने के बजाय दरोगा उस पर अनैतिक दबाव डालने लगा। इतना ही नहीं, उसने महिला को आपत्तिजनक व्हाट्सएप संदेश भेजने शुरू कर दिए। महिला ने इस मामले में हिम्मत दिखाई और जनसुनवाई के दौरान आईजी आकाश कुलहरि के सामने अपनी शिकायत रखी। साथ ही उसने चैट के स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य भी जमा किए। प्राथमिक जांच और उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए आईजी ने दरोगा नरेंद्र कुमार को तुरंत निलंबित करने के आदेश जारी किए।

# अरावली बचेगी तो दिल्ली बचेगी! अखिलेश यादव बोले

## 'विदेशी तो छोड़िए, देश के पर्यटक भी नहीं आएंगे'

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में शामिल अरावली की पहाड़ियों की ऊंचाई-आधारित नयी परिभाषा को लेकर सियासी और सामाजिक विवाद तेज हो गया है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं के विरोध के बीच अब विपक्ष ने भी सरकार पर निशाना साधा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे दिल्ली और एनसीआर के भविष्य से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए व्यापक चेतावनी दी है। बता दें कि अरावली विवाद सीधे पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण और जनजीवन से जुड़ा माना जाता है।

**बची रहे जो 'अरावली'तो दिल्ली रहेगी हरीभरी!- अखिलेश यादव**

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अरावली को लेकर एक लंबी पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा कि अरावली को बचाना कोई विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्य संकल्प है। उनके अनुसार अरावली बची रहेगी तभी दिल्ली और एनसीआर सुरक्षित रह पाएंगे। उन्होंने अरावली को प्राकृतिक सुरक्षा कवच बताते हुए कहा कि यही पर्वतमाला वायु प्रदूषण कम करने, बारिश के जल प्रबंधन और तापमान संतुलन में अहम भूमिका निभाती है। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि अरावली एनसीआर की जैव विविधता की रीढ़ है, जो वेटलैंड्स, परिंदों और पारिस्थितिक संतुलन को बचाए रखती है।

**बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों पर खतरा- अखिलेश यादव**

अखिलेश यादव ने भावनात्मक पहलू पर जोर देते हुए कहा कि अरावली दिल्ली की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अरावली का विनाश नहीं रोका गया तो दिल्ली के नागरिकों को हर सांस के लिए संघर्ष करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का सबसे खतरनाक असर बुजुर्गों, बीमारों और बच्चों पर पड़ रहा है। उनके अनुसार प्रदूषण के कारण दिल्ली का मेडिकल और हॉस्पिटल सेक्टर भी प्रभावित हो रहा है और इलाज के लिए आने वाले लोग अब आने से कतराने लगे हैं।

**न विदेशी पर्यटक आएंगे और न ही देश के- अखिलेश यादव**

अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में आगे कहा कि अगर यही हाल रहा तो दिल्ली उत्तर भारत के सबसे बड़े आर्थिक केंद्र के रूप में भी अपनी अहमियत खो देगी। उन्होंने आशंका जताई कि न विदेशी पर्यटक आएंगे और न ही देश के भीतर से लोग दिल्ली का रुख करेंगे। उन्होंने कहा कि बड़े राजनीतिक, शैक्षिक, अकादमिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन भी बंद हो सकते हैं। ओलंपिक, कॉमनवेल्थ या एशियाड जैसी अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की संभावना भी खत्म हो जाएगी।

**अरावली की नई परिभाषा से विवाद**

वहीं, अरावली की नई परिभाषा के खिलाफ जमीनी स्तर पर भी विरोध तेज हो गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह फैसला देश की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखला के पारिस्थितिक संतुलन के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। प्रदर्शन के दौरान लोग बैनर और तख्तियां लेकर 'अरावली बचाओ, भविष्य बचाओ' और 'अरावली नहीं तो जीवन नहीं' जैसे नारे लगाते दिखे। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के उस आदेश पर चिंता जताई जिसमें अरावली की नयी परिभाषा से जुड़ी सिफारिशों को स्वीकार किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत गठित समिति की सिफारिशों को मंजूरी दी थी। पीटीआई के अनुसार, इस कथित नयी परिभाषा के अनुसार केवल वही भू-आकृति अरावली पहाड़ियों में शामिल होगी जिसकी ऊंचाई कम से कम 100 मीटर होगी। इसी फैसले के विरोध में राजस्थान के उदयपुर में शनिवार को बड़ी संख्या में वकीलों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यायालय परिसर से जिला कलेक्ट्रेट तक मार्च कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और इस परिभाषा को पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया।

## प्रेमी-प्रेमिका ने बनाया ऐसा वीडियो, वायरल होते ही परिजनों ने करवा दिया निकाह

मुरादाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक प्रेमी जोड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसने पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया। बताया जा रहा है कि यह वीडियो करीब एक सप्ताह पुराना है, जिसमें युवती खुद अपने प्रेमी के साथ अपनी मर्जी से घर छोड़कर जाने की बात कहती नजर आई। वहीं, प्रेमी भी साफ तौर पर कहता दिखा कि वह युवती की इच्छा के अनुसार उसके साथ रहना चाहता है। दोनों युवक-युवती बालिग हैं और एक ही समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। वीडियो सामने आने के बाद मामले की जानकारी परिजनों तक पहुंची, जिसके बाद दोनों के परिवारों ने आपसी सहमति से विवाह कराने का फैसला लिया। परिवार के बड़ों की उपस्थिति में दोनों का निकाह संपन्न कराया गया। निकाह के बाद युवती अपने पति के साथ उसके घर चली गई। इस पूरे घटनाक्रम के बाद जहां पहले परिजन हैरान थे, वहीं अब दोनों की शादी की खबर इलाके में खुशी और राहत का विषय बनी हुई है।

## निलंबित सीआरपीएफ जवान की गड्ढे में डूबकर मौत

कानपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में जलभराव ने एक निलंबित सीआरपीएफ जवान की जान ले ली। मुकेश अपने घर के पास भरे पानी के गड्ढे में गिरे मिले। परिजन आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अभी मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। कुछ लोग फिसलकर गिरने और डूबने से मौत की आशंका जता रहे तो कुछ लोग हार्टअटैक की बात कह रहे।

घटना घाटमपुर कस्बे के कूष्मांडा नगर की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कानपुर रोड इलाके में मड पंप लगे होने के बावजूद वर्षों से जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। इससे बारिश या पानी भरते ही पूरा क्षेत्र तालाब बन जाता है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

## नीतीश की 'हरकत' पर साध्वी प्राची ने कहा

# विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं, मामले को बेवजह बना रहा इंटरनेशनल

कन्नौज, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कन्नौज में साध्वी प्राची ने बड़ा बयान दिया है। बिहार में सीएम नितीश कुमार और हिजाब विवाद पर कहा कि अगर वह सलमा की जगह सलमान होता या कहीं बम होता तो क्या होता। जब कुरान में औरतों को सरकारी नौकरी की इजाजत नहीं, मस्जिद जाने की इजाजत नहीं तो ये क्यों कर रही हैं सरकारी नौकरी। झारखण्ड सरकार के डॉ। नुसरत को मनचाही नौकरी देने के ऐलान पर कहा की ठंड में कोई मुद्दा नहीं विपक्ष के पास। इसलिए इस मुद्दे को बना रहे इंटरनेशनल मुद्दा। हिन्दुओं की जनसंख्या को लेकर भी दिया बड़ा बयान।

छिबरामऊ एक कार्यक्रम में आयी साध्वी बोली वह 74 बच्चे पैदा कर रहे हैं और तुम 4 भी नहीं कर रहे हो। जहां हिन्दू कम होता है वहां उन पर खड़ी होती है समस्या। साध्वी ने हिन्दुओं से अपनी संख्या बढ़ाने की अपील की। बंगाल में बाबरी मस्जिद के निर्माण पर कहा बाबर आक्रमणकारी, आतताई उसके नाम पर कहीं मस्जिद नही बननी चाहिए।

## बेचा गया नवजात 13 दिन बाद बरामद

आरा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भोजपुर के अगिआंव पीएचसी के बाहर जन्म के बाद ही बेचे गए नवजात को सकुशल बरामद कर लिया। सात आरोपियों की गिरफ्तारी और पुलिस की लगातार दबिश के चलते खरीदार महिला खुद नवजात को गोद में लेकर गड़हनी थाने पहुंची। ग्रामीण डॉक्टर से साढ़े चार लाख में डील हुई थी।

पूछताछ में महिला ने बताया कि ग्रामीण डॉक्टर से साढ़े चार लाख में डील हुई थी। 13 दिन बाद बच्चे के मिलने की खबर मिलते ही मां खुशबू कुमारी भागते हुए थाने पहुंची। बेटे को सीने से लगाकर रो पड़ी। आंखों से आंसू और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी। खुशबू कुमारी ने गड़हनी थानाध्यक्ष समेत पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए कहा कि पुलिस की तत्परता और मेहनत से उसका बेटा सुरक्षित वापस मिल सका। यह उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है।

## डीएम जसजीत कौर का सरकारी आवास कुर्क होगा

मुरादाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बिजनौर की डीएम जसजीत कौर का आवास कुर्क होगा। यह आदेश मुरादाबाद की लारा कोर्ट ने दिया। डीएम को अदालत ने 9 जनवरी को तलब किया है। मामला भूमि अधिग्रहण से जुड़ा है।

याचिकाकर्ता का आरोप है कि कोर्ट से आदेश के बावजूद डीएम ने जमीन के मालिक को मुआवजा नहीं दिया है। डीएम ने 5 साल से मामले को लटकाकर रखा है। लारा का मतलब- भूमि अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्था-पन प्राधिकरण से है। इसे अंग्रेजी में कहते हैं। कोर्ट ने रजिस्ट्री की शर्तों को तय करने के लिए 9 जनवरी को डीएम बिजनौर को हाजिर होने का आदेश दिया है।

**पीड़ित के वकील बोले- डीएम बिजनौर ने नहीं दी रिपोर्ट**

अदालत में वादी उमेश के अधिवक्ता ने बताया- जमीन के मुआवजे के मामले में डीएम बिजनौर की ओर से कोई आख्या भी पेश नहीं की गई। याचिकाकर्ता ने कहा- 13 मार्च, 2020 को मुआवजा देने का फैसला हुआ था, लेकिन कई बार रिमाइंडर देने के बावजूद जिला प्रशासन ने मुआवजे की राशि नहीं दी। भूलवश उसने ट्रेजरी कार्यालय में कुछ शब्द अंकित कर दिए थे। इस मामले में डीएम का आवास कुर्क कर वादी को धनराशि दिलाना आवश्यक है। इसलिए वादी ने अनुरोध किया है कि डीएम बिजनौर के आवास को कुर्क कर मुआवजे का भुगतान कराया जाए।

## आदतन यातायात नियम तोड़ने वालों के जब्त हों लाइसेंस, वाहन सीज करें; इन जिलों पर फोकस

लखनऊ, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक प्रदेशव्यापी सड़क सुरक्षा माह आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल चालान करना सड़क दुर्घटनाओं को रोकने का स्थायी समाधान नहीं है। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग आदतन यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। ऐसे मामलों में ड्राइविंग लाइसेंस जब्त करने और वाहन सीज करने की स्पष्ट नियमावली तैयार कर उसका सख्ती से पालन कराया जाए। सीएम ने कहा कि नए वर्ष की शुरुआत औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा जैसे अत्यंत संवेदनशील विषय पर ठोस संकल्प के साथ होनी चाहिए।

## दरोगा प्रिया सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद सस्पेंड

गाजियाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद में महिला दरोगा प्रिया सिंह और हेड कांस्टेबल शाहिद को 50 हजार की रिश्वत के साथ अरेस्ट किया। जिसके बाद पुलिस कमिश्नर जे। रविंदर गौड ने सस्पेंड कर दिया है। दोनों के खिलाफ विभागीय जांच भी होगी। एंटी करप्शन ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। आज दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। मुरादनगर थाने की महिला दरोगा और मुंशी के पकड़े जाने के बाद थाने में हड़कंप मचा है। शिकायत करने वाले पीड़ित को भी पुलिस डराने धमकाने का प्रयास कर रही है। हापुड़ जिले के खड़खड़ी गांव में रजनीश त्यागी रहता है, उसके खिलाफ 12 अक्टूबर को मुरादनगर थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले की जांच पिंक बूथ प्रभारी महिला दरोगा प्रिया सिंह कर रही थी। दरोगा प्रिया सिंह, रजनीश त्यागी से उसकी मां कुसुम त्यागी और पिता संजीव त्यागी का नाम चार्जशीट से हटाने के लिए दो लाख रुपए की मांग कर रही थी।

## एक लाख के इनामी बदमाश का एनकाउंटर

सहारनपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी वांछित बदमाश सिराज मारा गया। मुठभेड़ गंगोह क्षेत्र के गांव सलारपुरा के पास रविवार सुबह लगभग छह बजे हुई। यूपी एसटीएफ को बदमाश के इलाके में छिपे होने की पुख्ता सूचना मिली थी। जानकारी के अनुसार, सुल्तानपुर जनपद में हुए चर्चित हत्याकांड में फरार चल रहे सिराज की तलाश में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स लंबे समय से लगी हुई थी। गुप्त सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने गंगोह क्षेत्र में संदिग्ध की मौजूदगी की पुष्टि की और उसे चारों ओर से घेर लिया। बदमाश बाइक पर था। खुद को घिरता देख बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी कई राउंड फायर किए, जिसमें बदमाश सिराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मारे गए बदमाश सिराज पर हत्या, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत 30 से अधिक आपराधिक मुकदमे विभिन्न जनपदों में दर्ज थे। वह लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक पिस्टल, भारी मात्रा में कारतूस, एक बाइक, चार मोबाइल फोन और एक वाई-फाई डोंगल बरामद किया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाश आधुनिक संचार साधनों के जरिए लगातार अपने नेटवर्क से संपर्क में रहता था। घटना की सूचना मिलते ही सहारनपुर एसएसपी आशीष तिवारी, एसपी देहात सागर जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताते चलें कि 8 अगस्त 2023 की शाम सुल्तानपुर दीवानी न्यायालय के अधिवक्ता आज़ाद अहमद की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच में हत्या का मुख्य आरोपी सिराज अहमद सामने आया था। इसके बाद से वह फरार चल रहा था।

## हवाई अड्डे पर एयर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट की उड़ानें की गईं रद्द

अयोध्या, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या जाने वाली उड़ानों को रद्द किया गया है। अयोध्या हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएएई) के अधिकारियों के अनुसार, रविवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो निर्धारित कॉमर्सियल फ्लाइट रद्द कर दी गईं। रद्द की गई सेवाओं में दिल्ली-अयोध्या-दिल्ली मार्ग पर चलने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान आई एक्स 1284/आईएक्स1274 और मुंबई-अयोध्या-अहमदाबाद मार्ग पर निर्धारित स्पाइसजेट की उड़ान एसजी615/एसजी614 शामिल हैं।

**घने कोहरे के कारण कम हुई विजिबिलिटी**

इन दोनों फ्लाइट्स को रद्द किए जाने की वजह भी सामने आ गई है। अयोध्या और उसके पास के क्षेत्र में लगातार घने कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम हो गई है। हवाई अड्डे पर कम विजिबिलिटी के चलते जिसके चलते उड़ानें रद्द की गई हैं। उत्तरी भारत में कोहरे के प्रभाव को देखते हुए पिछले कुछ दिनों में इसी तरह की सलाह जारी की गई है।

इस बीच, भारतीय विमानन प्राधिकरण (एएएई) ने रविवार को एक सलाह जारी करते हुए चेतावनी दी कि उत्तरी भारत के कुछ हिस्सों में कोहरे की स्थिति दृश्यता को प्रभावित कर रही है और चुनिंदा हवाई अड्डों पर उड़ान संचालन में देरी या बदलाव हो सकता है।

यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक चैनलों के माध्यम से अपनी संबंधित एयरलाइनों से उड़ान संबंधी अपडेट की जांच करें। हवाई अड्डों तक यात्रा करने और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त समय दें।

# सुबह सुबह एनकाउंटर, मारा गया 50 हजार का इनामी

बुलंदशहर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर में आज सुबह-सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच हुए एनकाउंटर में पुलिस ने 50 हजार का इनामी लुटेरा आजाद को मार गिराया है। बुलंदशहर कोतवाली देहात क्षेत्र में हुई लूट के मामले में पुलिस को लुटेरा आज़ाद की तलाश थी। वह मेरठ का रहनेवाला था। एनकाउंटर के दौरान लुटेरा आजाद साथी फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

**चेकिंग के दौरान बदमाशों ने की फायरिंग**

पुलिस के मुताबिक मध्य रात्रि थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम स्याना रोड जसनावली के पास वाहनों की चैकिंग कर रही थी तभी एक बाइक पर सवार 02 संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये जिनको रूकने का इशारा किया गया। पुलिस के इशारे के बावजूद बदमाश नही रुके और पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए बाइक को तेजी से मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम द्वारा जनपद के अन्य थानों को आरटीसैट द्वारा सूचित किया गया, बदमाशों का पीछा करते हुए सेल्टन बम्बा रोड पर पहुंचने पर सामने से थाना गुलावठी पुलिस फोर्स भी आ गई।

**जवाबी फायरिंग में घायल बदमाश की मौत**

दोनों तरफ से बदमाश की घेराबन्दी की गई तो अपने आपको पुलिस से घिरता देख बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायरिंग की गयी, पुलिस टीम द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग में 01 बदमाश गोली लगने से घायल हो गया और दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाते हुए भागने में सफल रहा जिसकी कॉम्बिग कर गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

# बीजेपी में लोधी समाज को उचित भागीदारी देने की फिर उठी मांग, पूर्व सांसद राजवीर सिंह का बड़ा बयान

एटा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। एटा के पूर्व सांसद और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह ने एटा में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनके लोधी समाज को अभी उचित भागीदारी से कम मिल रही है। राजवीर सिंह ने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को लेकर वह पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से बात करेंगे और जो भी उन्हें उचित भागीदारी मिलनी चाहिए, वह मिलनी चाहिए। बीजेपी नेता राजवीर सिंह ने कहा कि फिलहाल उन्हें उचित भागीदारी से कुछ कम जरूर मिला है, लेकिन उन्हें पूरा भरोसा है कि यह कमी पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा, "मैं समझता हूं कि जो भी कमी है, वो दूर हो जाएगी, इसमें कोई दिक्कत नहीं है।"

हाल ही में पार्टी द्वारा उन्हें राष्ट्रीय परिषद का सदस्य नामित किए जाने पर राजवीर सिंह ने खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व को बधाई देना चाहते हैं कि उन्होंने मेरे जैसे छोटे कार्यकर्ता को राष्ट्रीय परिषद का सदस्य चुना। उनके मुताबिक यह पार्टी की कार्यशैली को दर्शाता है, जहां कार्यकर्ता को सम्मान दिया जाता है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा 7 बार के सांसद को बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष और 5 बार के विधायक को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर किए गए कटाक्ष पर राजवीर सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव कुछ भी कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी की सोच यह है कि छोटा से छोटा कार्यकर्ता भी प्रधान, प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। हमारे यहां कोई भी कुछ बन सकता है, इसमें कोई बड़ी बात नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या सीनियर नेताओं की अनदेखी कर तीसरे लेयर के नेता को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है, तो उन्होंने इसे गलत बताया। राजवीर सिंह ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने बहुत सोच-समझकर फैसला लिया है। उन्होंने नए अध्यक्ष को बधाई दी और कहा कि इस पर अखिलेश यादव या कोई और क्या कहता है, इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते।

प्रदेश में हजारों करोड़ के कोडीन सिरप घोटाले में बड़े लोगों की गिरफ्तारी न होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार में छोटा हो या बड़ा, सभी पर कार्रवाई होती है। उन्होंने कहा कि थोड़ा इंतजार करना चाहिए, पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि कौन दोषी है और कौन नहीं। अपने पूर्व संसदीय क्षेत्र एटा के विकास पर बोलते हुए राजवीर सिंह ने कहा कि किसी पद पर रहना या न रहना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना जिले का विकास। उन्होंने कहा कि वह और उनके सभी विधायक एटा के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं और आगे भी विकास के लिए और ज्यादा प्रयास करेंगे।

# पुलिस सिस्टम में दोहरे कानून? सांसद बर्क बोले- हिंदू चिन्ह पर इनाम, मुस्लिम पहचान पर लाइन हाजिर

संभल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक ही समय में दो पुलिस अधिकारियों के साथ हुई अलग-अलग प्रशासनिक कार्रवाई को 'दोहरे कानून' का उदाहरण बताया है। सांसद का कहना है कि एक अधिकारी को पदोन्नति दी गई, जबकि दूसरे को लाइन हाजिर कर दिया गया और इसके पीछे समानता नहीं बल्कि धार्मिक भेदभाव नजर आता है।

सांसद बर्क ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा कि "एक ही देश में दो कानून कैसे हो सकते हैं?" उन्होंने सवाल उठाया कि जब एक अधिकारी को विवादों के बावजूद इनाम मिलता है, तो दूसरे अधिकारी को केवल एक शैक्षणिक कार्यक्रम में कही गई बातों के आधार पर सजा क्यों दी जाती है। सांसद बर्क ने फिरोजाबाद ग्रामीण के एएसपी अनुज चौधरी का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें हनुमान जयंती के जुलूस के दौरान पुलिस की वर्दी में हिंदू धार्मिक चिन्हों के साथ हनुमान चालीसा पढ़ते देखा गया था।

इसके अलावा संभल में मुसलमानों पर कथित तौर पर गोली चलाने जैसे गंभीर आरोप भी सामने आए थे। इसके बावजूद उन्हें पदोन्नति दी गई, जिसे सांसद ने 'इनाम' करार दिया।

दूसरी ओर, कन्नौज यातायात के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद आफाक को एक स्कूल में आयोजित यातायात जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कही गई बातों के बाद लाइन हाजिर कर दिया गया। आफाक ने कार्यक्रम में पैगंबर मोहम्मद (स।) द्वारा बेटियों के अधिकारों और अरब समाज में बेटियों को जिंदा दफन किए जाने की कुप्रथा को खत्म करने के प्रयासों का उल्लेख किया था।

सांसद बर्क ने इस कार्रवाई को 'मुसलमान होने की गलती' की सजा बताया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद आफाक ने कोई आपत्तिजनक भाषण नहीं दिया था, बल्कि एक सामाजिक और नैतिक शिक्षा का उदाहरण पेश किया था। इसके बावजूद उन्हें तुरंत लाइन हाजिर कर देना प्रशासन की नीयत पर सवाल खड़े करता है।

सु वि चा र
अकेले हो तो विचारो पर काबू रखो और सबके साथ हो तो जुबान पर काबू रखो!

# तेलंगाना में मतदाता सूची शुद्धिकरण बनेगा राष्ट्रीय मानक : ज्ञानेश कुमार

## मुख्य चुनाव आयुक्त ने बीएलओ को संबोधित किया




हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि तेलंगाना शीघ्र ही पूरे देश के लिए यह उदाहरण प्रस्तुत करेगा कि मतदाता सूची का विशेष सघन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) किस प्रकार किया जाना चाहिए। उन्होंने हाल ही में बिहार में संपन्न इस अभ्यास को राष्ट्रीय मानक बताते हुए उसकी सराहना की।

यहां बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को संबोधित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बीएलओ भारत की चुनावी व्यवस्था की रीढ़ हैं और मतदाता सूची के शुद्धिकरण की सफलता उनकी निष्ठा और कर्तव्यपरायणता पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय भारत के चुनावों पर गहरी नजर रखता है, ताकि यह समझा जा सके कि दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कैसे कार्य करता है।

बिहार का उल्लेख करते हुए कुमार ने कहा कि वहां विशाल स्तर पर विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हुआ, जिससे लगभग 7.5 करोड़ मतदाता हालिया विधानसभा चुनावों में मतदान कर सके। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में शून्य शिकायतें, शून्य पुनर्मतदान और शून्य पुनर्गणना दर्ज की गई। इसके लिए उन्होंने बिहार के बीएलओ को राष्ट्रीय स्तर पर उच्च मानक स्थापित करने के लिए बधाई दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भौगोलिक दृष्टि से कनाडा से भी बड़े क्षेत्र वाले तेलंगाना में जब मतदाता सूची शुद्धिकरण का कार्य पूर्ण हो जाएगा, तब राज्य चुनावी प्रशासन के एक नए युग में प्रवेश करेगा। बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहने का प्रमुख कारण शहरी मतदाताओं की उदासीनता है, जबकि ग्रामीण मतदाताओं ने हमेशा लंबी कतारों में खड़े होकर उत्साहपूर्वक मतदान कर उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कुमार ने दोहराया कि भारत में चुनाव देश के कानून के अनुसार सख्ती से कराए जाते हैं और सभी हितधारकों के लिए चुनावी कानूनों का पालन अनिवार्य है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत ने हाल ही में इंटरनेशनल आइडिया की अध्यक्षता संभाली है। वर्ष 1995 में इसके सदस्य बनने के लगभग तीन दशक बाद यह जिम्मेदारी मिलना, उनके अनुसार, वैश्विक स्तर पर भारत निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता और नवाचार क्षमता की मान्यता को दर्शाता है। भारत के लोकतांत्रिक तंत्र के विशाल आकार को रेखांकित करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि देश में 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 90 करोड़ से अधिक मतदाता हैं।

इससे पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने अपने प्रारंभिक संबोधन में तेलंगाना राज्य से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े प्रस्तुत किए, जिनमें कुल मतदाता संख्या, जिलों की संख्या, विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों का विवरण शामिल था। बैठक में अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वासम वेंकटेश्वर रेड्डी, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, वरिष्ठ उप मुख्य चुनाव आयुक्त पवन कुमार शर्मा तथा रंगारेड्डी जिले के कलेक्टर नारायण रेड्डी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

## कपास मिल में शॉर्ट सर्किट से आग, 30 टन कपास जली

संगारेड्डी, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार तड़के कांगती मंडल के तुरकावाड़ागांव में स्थित एक कपास मिल में शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर मशीनरी समेत करीब 30 टन कपास जलकर राख हो गई। जानकारी के अनुसार, समर्था कॉटन मिल्स में तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तड़के मिल परिसर से धुआं उठता देखा। इसके बाद उन्होंने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

## मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मेडारम महाजातरा-2026 का पोस्टर किया जारी



हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को जुबली हिल्स स्थित अपने आवास पर मेडारम महाजतरा-2026 का पोस्टर जारी किया। इस अवसर पर मंत्री कोंडा सुरेखा, सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार उपस्थित थे। सम्मक्का-सरलम्मा महाजतरा के नाम से प्रसिद्ध यह जनजातीय महोत्सव 28 से 31 जनवरी 2026 तक मुलुगु जिले में आयोजित होगा। इसे दक्षिण का कुंभ मेला भी कहा जाता है और यह विश्व के सबसे बड़े जनसमूहों में से एक है। राज्य सरकार ने इस आयोजन के लिए 150 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। सम्मक्का-सरलम्मा गद्दे की क्षमता 3,000 से बढ़ाकर 10,000 श्रद्धालुओं की जा रही है। मंदिर का पुनर्निर्माण पत्थरों से किया जा रहा है ताकि प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया जा सके, साथ ही आदिवासी परंपराओं का भी सम्मान बना रहे। मुख्यमंत्री ने प्रमुख कार्यों के लिए 100 दिन की समय-सीमा तय की है।

## सम्मक्का-सरलम्मा महाजातरा के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रण

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2026 में आयोजित होने वाली मेडारम सम्मक्का-सरलम्मा महाजातरा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया है। यह महाजातरा 28 से 31 जनवरी 2026 तक मुलुगु जिले के मेडारम में आयोजित होगी। मंत्री सीतक्का, कोंडा सुरेखा और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने रविवार को बोलारम स्थित राष्ट्रपति निलयम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें औपचारिक निमंत्रण पत्र सौंपा। मेडाराम महाजातरा की परंपरा के अनुसार, देवी सम्मक्का की साड़ी, कंगन और शॉल राष्ट्रपति को भेंट किए गए। इसके बाद मंत्री सीतक्का ने राष्ट्रपति को इस महाजातरा के महत्व, आदिवासी संस्कृति में इसके विशेष स्थान, देवी सम्मक्का और सरलम्मा के संघर्ष व बलिदान, लोगों की आस्था तथा मेडाराम में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाजतरा के बारे में रुचि के साथ जानकारी सुनी और कहा कि वह इस भव्य उत्सव में शामिल होने का प्रयास अवश्य करेंगी। उन्होंने आमंत्रण के लिए राज्य सरकार और मंत्रियों का धन्यवाद किया। राष्ट्रपति ने मंत्रियों को स्नेहपूर्वक नए वस्त्र भेंट किए और आदिवासी संस्कृति व परंपराओं के संरक्षण के लिए तेलंगाना सरकार के प्रयासों की सराहना की।

## तेलंगाना सरकार के किसी भी 'हेट स्पीच' विधेयक का भाजपा करेगी विरोध : रामचंदर राव

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा कर्नाटक की तर्ज पर 'हेट स्पीच' (घृणा भाषण) विधेयक लाने के संकेतों का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार का ऐसा कोई भी प्रयास भाजपा स्वीकार नहीं करेगी। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता स्वयं घृणा फैलाने की राजनीति में लिप्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा हिंदू देवी-देवताओं पर की गई टिप्पणियां और जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान दिया गया यह बयान कि कांग्रेस ही मुसलमान है और मुसलमान ही कांग्रेस हैं, घृणा भाषण की श्रेणी में नहीं आता? भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि तेलंगाना सरकार कर्नाटक सरकार की तर्ज पर विधेयक लाकर केवल भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान करने और पार्टी को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा इस तरह के किसी भी कदम का पुरजोर विरोध करेगी और इसकी कड़ी निंदा करती है। बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर टिप्पणी करते हुए रामचंदर राव ने कहा कि लंबे समय बाद केसीआर का राजनीति में सक्रिय होना कोई खास प्रभाव नहीं डालेगा। उन्होंने इसे 'ओटीपी' की तरह बताते हुए तंज कसा कि इसका असर क्षणिक होगा। उन्होंने कहा कि बीआरएस की जनता के बीच अब कोई विश्वसनीयता नहीं बची है, क्योंकि लोगों ने उसके शासनकाल में नेताओं द्वारा किए गए कथित गहरे भ्रष्टाचार को देखा और समझा है।

# बालापुर पुलिस की चेतावनी मध्यरात्रि में घर से बाहर न निकलें

## सुरक्षा को लेकर बालापुर ने विशेष अभियान चलाया



हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रात्रि के अंधेरे में सुरक्षा को देखते हुए बालापुर पुलिस ने नागरिकों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। पिछले कुछ दिनों में हुई हत्याओं के मामलों के मद्देनजर, बालापुर इंस्पेक्टर सुधाकर के नेतृत्व में 40 पुलिसकर्मियों के साथ विशेष ड्राइव चलाया गया। यह कार्रवाई राचकोंडा कमिश्नर सुधीर बाबू के निर्देश और डीसीपी महेश्वरम नारायण रेड्डी तथा एसीपी महेश्वरम जानकी रेड्डी की पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस ने कहा कि स्टेशनों के अंतर्गत आने वाले संवेदनशील क्षेत्रों में पैट्रोलिंग बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इंस्पेक्टर सुधाकर ने नागरिकों से अपील की कि अत्यावश्यक न होने पर मध्यरात्रि में घर से बाहर न निकलें और संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखें। उन्होंने विशेष रूप से माता-पिता से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें, उन्हें बुरी आदतों से दूर रखें और आवश्यक होने पर स्थानीय पुलिस स्टेशन में काउंसलिंग सहायता प्राप्त करें। पुलिस ने व्यापारिक संस्थानों से भी अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समय पर दुकानें बंद करें और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस का सहयोग करें। बालापुर पुलिस ने कहा कि सुरक्षा बढ़ाने के लिए निगरानी कड़ी कर दी गई है और नागरिकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

## एसएमपी इंटरनेशनल स्कूल में रोबोटिक्स एक्सपो 2025 का आयोजन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदरशाकोटे स्थित एसएमपी इंटरनेशनल स्कूल ने रविवार को अपने परिसर में रोबोटिक्स एक्सपो 2025 का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी ने छात्रों को अपनी रचनात्मकता, नवाचार और तकनीकी योग्यता प्रदर्शित करने का अवसर दिया। उद्घाटन के अवसर पर अध्यक्ष प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि इस रोबोटिक्स प्रदर्शनी का उद्देश्य एसटीईएम शिक्षा को बढ़ावा देना और छात्रों में व्यावहारिक ज्ञान व आत्मविश्वास पैदा करना है। कार्यक्रम में कक्षा 5 के छात्रों जयसूर्या और नमन शर्मा ने 'रोबो लाइट 2.0' मॉडल प्रदर्शित किया, जबकि कक्षा 8 के अमातुल हसीब और अफशीन ने 'गेस्ट काउंटर' प्रस्तुत किया, जो सार्वजनिक स्थानों पर आने वाले लोगों की संख्या गिनने के लिए डिज़ाइन की गई स्मार्ट प्रणाली है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य जेसुदास और निदेशक श्वेता, दिव्या, भाव्या और वामसी प्रिया भी उपस्थित रहे।

# मनरेगा को कमजोर करना चाहती है मोदी सरकार : दीपेंद्र हुड्डा

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने आरोप लगाया है कि केंद्र की मोदी सरकार नाम और प्रतीक बदलकर राजनीति कर रही है तथा महात्मा गांधी के नाम से जुड़ी योजनाओं को खत्म करने की साजिश रच रही है। गांधी भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से गांधी का नाम हटाने की कोशिश कर रही है, जो देश के गरीबों के हितों पर सीधा हमला है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि देशभर में करीब 13 करोड़ गरीब मनरेगा पर निर्भर हैं और मोदी सरकार उनकी आजीविका छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि कोविड काल के दौरान 'काम के बदले भोजन' योजना संजीवनी की तरह साबित हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को गरीबों की किसी भी गारंटी की परवाह नहीं है।

उन्होंने बताया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में रोजगार योजना को पूरी तरह केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित किया गया था, लेकिन वर्तमान भाजपा सरकार 'जी-राम जी' के नाम पर राज्यों पर वित्तीय बोझ डालने का प्रयास कर रही है। पहले जहां राज्य काम के दिनों का निर्धारण करते थे, अब यह अधिकार भी केंद्र अपने हाथ में ले रहा है। हुड्डा ने कहा कि ग्राम पंचायतों के अधिकार छीने जा रहे हैं। अधिकार केंद्र अपने पास रखे जा रहे हैं, लेकिन इसके अनुरूप धन नहीं दिया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार धीरे-धीरे मनरेगा योजना को समाप्त करने की दिशा में काम कर रही है, जिसे कांग्रेस किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि देश महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलता है, लेकिन भाजपा सरकार इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें अपने नाम से चलाना चाहती है। गांधी परिवार के नाम से जुड़ी योजनाओं के नाम बदले जा रहे हैं। यहां तक कि 'वंदे मातरम' गीत को बदलकर आरएसएस का गीत लाने की मंशा भी भाजपा की है।

नेशनल हेराल्ड मामले पर बोलते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को केवल राजनीतिक द्वेष के चलते परेशान किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में अदालत ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की थी, लेकिन 2015 में डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी की निजी शिकायत के आधार पर ईडी और सीबीआई के जरिए केस दर्ज कराए गए। उन्होंने आरोप लगाया कि मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर बार-बार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर कांग्रेस नेताओं को परेशान किया गया। हालांकि राहुल गांधी ने मजबूती से लड़ाई लड़ी और अंततः अदालत ने मामले की फाइल खारिज कर दी। हुड्डा ने कहा कि अंत में सत्य की ही जीत हुई।

# सिंगरेनी स्थापना दिवस समारोह पर बजट में भारी कटौती

## मेस्सी कार्यक्रम पर करोड़ों खर्च का विरोध

कोत्तागुडेम, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के कर्मचारियों ने हैदराबाद में आयोजित लियोनेल मेस्सी के कार्यक्रम पर 10 करोड़ रुपये खर्च किए जाने और राज्य भर में अपने कर्मचारियों के लिए सिंगरेनी स्थापना दिवस समारोह के लिए मात्र 8 लाख रुपये आवंटित किए जाने पर नाराजगी जताई है।

23 दिसंबर को होने वाले स्थापना दिवस समारोह के लिए कंपनी ने पहले 47.06 लाख रुपये का बजट प्रस्तावित किया था, जिसमें से 15.35 लाख रुपये कोत्तागुडेम के प्रकाशम स्टेडियम में मुख्य समारोह के लिए तय किए गए थे।

लेकिन 18 दिसंबर को जारी परिपत्र में बजट को अचानक घटाकर 8 लाख रुपये कर दिया गया और मुख्य समारोह का स्थान भी स्टेडियम से कॉर्पोरेट कार्यालय के लॉन में स्थानांतरित कर दिया गया। अन्य क्षेत्रों को अब केवल 25,000 से 60,000 रुपये ही मिले हैं।

टीबीजीकेएस के राज्य मुख्य महासचिव कापू कृष्णा ने कहा कि यह श्रमिकों के आत्मसम्मान का अपमान है।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन जानबूझकर स्थापना दिवस समारोह की उपेक्षा कर रहा है और श्रमिकों के सम्मान और पुरस्कार वितरण की परंपरा को भी बदल दिया गया है। एससीसीएल के महाप्रबंधक (कार्मिक) जीवी किरण कुमार ने बताया कि समारोहों को सीमित करने का कारण कंपनी के उत्पादन लक्ष्यों को पूरा न कर पाना और धन की बचत करना था। हालांकि, सीआईटीयू के राज्य महासचिव मंदा नरसिम्हा राव ने सवाल उठाया कि अगर पैसा बचाना ही प्राथमिकता थी तो हैदराबाद में मेस्सी के कार्यक्रम पर 10 करोड़ रुपये खर्च क्यों किए गए। कर्मचारी संघों ने कहा कि ऐसे निर्णय कर्मचारियों की भावनाओं को ठेस पहुंचा रहे हैं और बजट में कटौती के फैसले अस्वीकार्य हैं।

## तेलंगाना में शीतलहर के चलते स्कूल समय में संशोधन का आग्रह

### टीएसडब्ल्यूआरटीयू ने आवासीय बच्चों की सुरक्षा के लिए भेजा ज्ञापन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेजिडेंशियल टीचर्स यूनियन (टीएसडब्ल्यूआरटीयू) ने टीजीएसडब्लूआरईआईएस से राज्य के सभी सामाजिक कल्याण आवासीय संस्थानों में स्कूल का समय सुबह 8 बजे से बदलकर 9.40 बजे करने का आग्रह किया है। यह कदम राज्य में व्याप्त भीषण शीत लहर और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को देखते हुए उठाया गया है।

संघ ने अपने ज्ञापन में बताया कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 24 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री सेल्सियस तक गिरने की चेतावनी जारी की है। राज्य के कई जिलों में, विशेषकर हैदराबाद के कुछ हिस्सों में, तापमान एकल अंक में पहुंच गया है, जिससे छात्रों को सुबह-सुबह बाहर निकलने में असुविधा हो रही है। आदिलाबाद कलेक्टर ने पहले ही सुरक्षा को देखते हुए स्कूल का समय सुबह 9.40 बजे से शाम 4.15 बजे तक संशोधित कर दिया है। टीएसडब्ल्यूआरटीयू ने अनुरोध किया है कि शीतलहर कम होने तक यह समय सभी आवासीय संस्थानों में लागू किया जाए।

## 24 दिसंबर तक शीत लहर का अलर्ट

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह और शनिवार रात को राज्य के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान एकल अंक में दर्ज किया गया। हैदराबाद में सेरिलिंगमपल्ली और हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में न्यूनतम तापमान 8.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। राजेंद्रनगर में 9, मौला अली में 9.1, अलवाल में 10.3, गच्चीबवली में 10.4, कुतुबुल्लापुर और गजुलारामाराम में 10.8 तथा त्रिमुलघेरी और वेस्ट मार्रेडपल्ली में 11.3 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। जिलों में भी कड़ाके की ठंड देखी गई। संगारेड्डी में न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सबसे कम रहा। इसके बाद विकाराबाद में 7, आसिफाबाद में 7.2, अडिलाबाद में 7.6, मेदक और कामारेड्डी में 7.9, रंगारेड्डी में 8.1 और निजामाबाद में 8.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

## हैदराबाद के सरकारी स्कूलों में वर्षा जल संचयन गड्ढे बनाने की योजना

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जल संकट से निपटने के लिए हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएसएसबी) ने सरकारी स्कूल परिसरों में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) गड्ढे बनाने का अभियान शुरू किया है। योजना के तहत हैदराबाद, मेडचल-मल्काजगिरि, रंगा रेड्डी और संगारेड्डी जिलों के लगभग 1,200 स्कूलों में यह कार्य किया जाएगा। 100 दिवसीय कार्य योजना के अंतर्गत बोर्ड अधिकारियों द्वारा स्थानीय शिक्षा अधिकारियों के साथ समन्वय करके गड्ढों का निर्माण किया जाएगा।

बोर्ड का लक्ष्य इस अवधि में कुल 15,000 आरडब्ल्यूएच गड्ढे तैयार करना है। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का कुशल उपयोग करना और जल संकट से निपटने में मदद करना है। यह पहल सरकारी स्कूलों और छात्रों को टिकाऊ जल प्रबंधन प्रथाओं के प्रति जागरूक करने का भी एक प्रयास है। अधिकारी बताते हैं कि यह मॉडल अन्य संस्थानों और समुदायों के लिए उदाहरण पेश करेगा, जिससे वे भी जल संरक्षण को अपनाएं। इन गड्ढों के माध्यम से स्कूलों में जल का प्रभावी उपयोग किया जाएगा। वर्षा जल का इस्तेमाल शौचालय फ्लश करने, खाने के लिए पानी तैयार करने, हाथ-पैर धोने और पीने के पानी के रूप में किया जाएगा। आवश्यक भूमि और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराए जाने के बाद, एचएमडब्ल्यूएसएसबी विद्यालय परिसर में आरडब्ल्यूएच गड्ढे बनाने का काम शुरू करेगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे स्कूलों में जल संरक्षण और सतत जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

## शादनगर में ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर मौत

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार दोपहर शहर के शादनगर क्षेत्र में एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक श्रीशैलम शादनगर के निवासी थे और बाइक से शादनगर-महबूबनगर मार्ग से जा रहे थे। अचानक ओल्ड वेंकटेश्वर थिएटर रोड पर एक ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, टक्कर लगने के बाद श्रीशैलम सड़क पर गिर गए और ट्रक के पिछले पहियों के नीचे आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक चालक फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में है और मामले की जांच जारी है। शादनगर पुलिस ने कहा कि दुर्घटना की पूरी जांच की जा रही है और सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की चेतावनी दी गई है। पुलिस ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे भीड़-भाड़ वाले इलाकों में सावधानी बरतें और यातायात नियमों का पालन करें।

# स्वतंत्र वार्ता

**सोमवार, 22 दिसंबर - 2025**


## खाड़ी देशों से मजबूत होते रिश्ते

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों का दौरा पूरा करके लौटे हैं। इस दौरान उन्हें सभी देशों में भरपूर मान-सम्मान और प्यार मिला, जिसे दुनिया ने देखा। देश का सीना तब गर्व से फूल गया जब उन्हें ओमान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें ओमान की दो दिवसीय यात्रा के दौरान मिला। ये घटना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाने के लिए काफी है। ये पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री मोदी को इस तरह का सम्मान मिला है। अब तक पीएम मोदी 6 में से पांच खाड़ी देशों से इसी तरह का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। यह भारत और खाड़ी देशों के बीच बदलते रिश्तों की तरफ बडा इशारा करती है। ऑर्डर ऑफ ओमान फर्स्ट क्लास पीएम मोदी को मिला 29वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। बता दें कि नरेंद्र मोदी ने मई 2014 में पहली बार भारत के प्रधानमंत्री का पद संभाला था। इसके बाद से अब तक वे 6 खाड़ी देशों में से 5 देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। यह इस बात का संकेत है कि ईंधन तेल से समृद्ध इन देशों के साथ भारत के संबंधों में कितनी प्रगाढ़ता आई है। यही वजह है कि खाडी देशों के शासनाध्यक्ष भी जब-तब भारत के दौरे पर आने लगे हैं। मोदी के प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद बीते 11 सालों में भारत और खाड़ी देशों के रिश्ते सिर्फ ऊर्जा व्यापार और वहां रहने वाले भारतीयों तक सीमित नहीं रहे हैं। अब आतंकवाद से मुकाबला, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी मजबूत साझेदारी होने लगी है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने जिस तरह से खाड़ी देशों के लिए खाने-पीने की चीजों की व्यापक सप्लाई किया उसे सारी दुनिया ने सराहा। वहीं, खाड़ी देशों ने भी लिक्विड ऑक्सीजन भेजकर भारत की मदद करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के साथ हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट ने व्यापारिक साझेदारी को और मजबूत किया है। दोनों पक्ष अब नई अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खाड़ी देशों की ओर से पीएम मोदी को दिए गए खास नागरिक सम्मान के तो कहने ही क्या हैं। खाड़ी देशों के सऊदी अरब से 'ऑर्डर ऑफ किंग अब्दुलअजीज' सम्मान मिला तो यूएई से 'ऑर्डर ऑफ जायद' मिला। इसी तरह बहरीन से 'किंग हमद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां' तो कुवैत से 'ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर' का सम्मान दिया गया तो हाल के दौरे में ओमान से 'ऑर्डर ऑफ ओमान' का प्रतिष्ठित सम्मान मिला। इससे पहले ये सम्मान महारानी एलिजाबेथ द्वितीय और नेल्सन मंडेला जैसे दिग्गजों को भी मिल चुके हैं। यह सम्मान यह दिखाता है कि भारत की विदेश नीति में खाड़ी देशों का महत्व कितना बढ़ गया है। और खाडी देशों में भारत का भी महत्व बढ़ा है।

## खामोशी टूटी, खौफ लौटा? कानून व्यवस्था की अग्निपरीक्षा



सुरेश गांधी

2017 के बाद प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर जो सबसे बड़ा बदलाव दिखा, वह था, डर का पलड़ा पलटना। पहले जहां आम नागरिक अपराधियों से डरता था, वहीं योगी सरकार के शुरुआती वर्षों में अपराधी पुलिस और कानून से डरने लगे। बड़े माफिया जेल भेजे गए, हजारों करोड़ की अवैध संपत्तियां जब्त हुईं, गैंगस्टर एक्ट, एनएसए और बुलडोजर की कार्रवाई ने अपराध के ढांचे को हिला दिया. पूर्वांचल, जो कभी माफिया संस्कृति का सबसे बड़ा गढ़ माना जाता था, वहां आम चर्चा होने लगी, "अब माफिया युग खत्म हो गया।" लेकिन 2025 के अंत में, वही पूर्वांचल फिर सवालों के घेरे में है। आज का अपराधी गोली चलाकर नहीं, बल्कि कैमरे के सामने बैठकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। हत्या, वसूली, गैंगवार, सब कुछ खुलेआम स्वीकार किया जा रहा है, जैसे यह कोई अपराध नहीं, बल्कि उपलब्धि हो। सबसे खतरनाक बात यह है कि इन इंटरव्यू को लेने वाले खुद को पत्रकार या यूट्यूबर कहते हैं। न पीड़ितों के सवाल, न कानून की जवाबदेही, न नैतिक सीमा, बल्कि अपराधियों को नायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह न सिर्फ कानून व्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों पर भी सीधा हमला है। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव हमेशा से बाहुबलियों के लिए सबसे मुफीद मैदान रहे हैं। कारण साफ हैं, कम सुरक्षा, स्थानीय दबाव, जातीय समीकरण, सीमित प्रशासनिक निगरानी, जैसे ही चुनाव नजदीक आते हैं, वैसे ही पुराने अपराधी अपने नेटवर्क को फिर से सक्रिय करने लगते हैं। आज जो बयान सामने आ रहे हैं, "हम तय करेंगे प्रधान कौन बनेगा", जिला पंचायत की कुर्सी पर वो बैठेगा, जिसे हम चाहेंगे, "हमारी जाति का उम्मीदवार हारेगा नहीं", "जो टकराएगा, गांव में टिक नहीं पाएगा", ये सिर्फ बयान नहीं, लोकतंत्र को दी जा रही खुली धमकियां हैं। बलिया, जो हमेशा से बागी तेवरों के लिए जाना जाता रहा है, वहां हाल के महीनों में ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिनमें पुराने आपराधिक चेहरे खुलेआम कहते नजर आते हैं, "बलिया में पत्ता भी हमारी मर्जी के बिना नहीं हिलता था। पंचायत चुनाव को लेकर प्रधान तय करने की डींग लोकतंत्र पर सीधा प्रहार है। गाजीपुर में कुछ पूर्व हिस्ट्रीशीटर जेल से छूटते ही सीधे कैमरे के सामने आ गए। पुराने अपराधों की स्वीकारोक्ति और "नेटवर्क आज भी जिंदा है" जैसे बयान इस सवाल को जन्म देते हैं, क्या जेल से बाहर आने के बाद निगरानी पर्याप्त है?



आजमगढ़ का नाम बदला, छवि बदलने की कोशिश हुई, लेकिन अपराध की मानसिकता अब भी जीवित दिख रही है। जाति के नाम पर लामबंदी और चुनावी धमकियां प्रशासन और चुनाव आयोग दोनों के लिए चेतावनी हैं। मऊ में सतह पर शांति है, लेकिन भीतरखाने गतिविधियां तेज हैं। यही वह जिला है जिसने सबसे खौफनाक गैंगवार देखे हैं। सूत्र बताते हैं कि पंचायत चुनाव को लेकर पुराने गैंग फिर से सक्रिय हो रहे हैं। जौनपुर में कुछ आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग खुद को "सत्ताधारी दल के करीब" बताने से नहीं चूक रहे। दावा चाहे झूठा हो, लेकिन इससे कानून का डर कमजोर पड़ता है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से सटे इलाकों में यदि बाहुबली सक्रियता का दावा करें, तो यह मामूली बात नहीं। यह सीधे संदेश है, हम किसी से नहीं डरते। इन तमाम बयानों में सबसे चिंताजनक वह है, जिसमें अपराधी खुद को "सरकार का खास" बताते हैं। कुछ माफिया व बाहुबलि अमित शाह के साथ बैठे अपनी फोटो साझा करे है तो कुछ मोहन भागवत तो कुछ योगी आदित्यनाथ के साथ, यह दावा सच हो या झूठ, दोनों ही स्थितियों में खतरनाक है। झूठ है, तो यह जनता में भ्रम पैदा करता है, सच है, तो कानून व्यवस्था पर सीधा हमला है. कानून से ऊपर कोई नहीं, यह संदेश कमजोर पड़ता दिखता है। पूर्वांचल की राजनीति लंबे समय से जाति और बाहुबल के गठजोड़ से प्रभावित रही है। योगी सरकार ने इस गठजोड़ को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन आज फिर वही भाषा लौटती दिख रही है। जाति के नाम पर डर फैलाना लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ है। कानून व्यवस्था कोई स्थायी उपलब्धि नहीं होती, यह रोज़ की परीक्षा है। सोशल मीडिया पर अपराध के महिमामंडन को अभिव्यक्ति की आज़ादी कहकर नजरअंदाज करना भारी भूल होगी। यह अपराध की स्वीकारोक्ति है, डर फैलाने का प्रयास है। पूर्वांचल की जनता ने देखा है कि जब वह कानून के साथ खड़ी होती है, तो बदलाव संभव है। आज भी जरूरत है, डर के बजाय सवाल, चुप्पी के बजाय प्रतिरोध, लोकतंत्र सिर्फ वोट डालने का नाम नहीं, डर के बिना जीने का अधिकार भी है। यह वक्त की सबसे बड़ी कसौटी है. उत्तर प्रदेश, खासकर पूर्वांचल, आज निर्णायक मोड़ पर है। एक तरफ सख्त कानून व्यवस्था से उपजा भरोसा है, दूसरी तरफ अपराधियों का बढ़ता दुस्साहस। यदि आज कैमरे के सामने दी जा रही धमकियों को नजरअंदाज किया गया, तो कल यही धमकियां सड़कों पर खून बनकर बह सकती हैं। लोकतंत्र बंदूक, जाति और कैमरे से नहीं चलता, वह कानून के डर से चलता है। और यही डर अब फिर से साबित करना होगा, बयान से नहीं, कार्रवाई से। यूपी विशेषकर पूर्वांचल, ने बीते कुछ वर्षों में वह दौर भी देखा है जब माफिया, बाहुबली और अपराधियों के नाम से ही रोंगटे खड़े हो जाते थे। वही अपराधी, जो कभी खुलेआम हत्या, वसूली और रंगदारी को अपनी शान समझते थे, योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में पहली बार कानून के सामने झुके। एनकाउंटर, संपत्ति जब्ती और सख्त प्रशासनिक कार्रवाई ने उन्हें या तो जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया या फिर प्रदेश छोड़ने को मजबूर किया। लेकिन इतिहास गवाह है, अपराधी जब शांत दिखे, तो समझिए वह मौका तलाश रहा है। आज वही माफिया, वही बाहुबली, जो कभी "जान बख्श दो" की गुहार लगाते थे, अब कैमरे के सामने सीना तानकर पुराने अपराधों की डींगें हांक रहे हैं।

यह कोई छिपी हुई बात नहीं रही कि बीते कुछ महीनों में पूर्वांचल के कई जिलों, बलिया, गाजीपुर, मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, वाराणसी देहात और मिर्जापुर से ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें पूर्व माफिया, हिस्ट्रीशीटर और उनके गुर्गे खुलेआम यह बताते नजर आते हैं कि उन्होंने किसकी हत्या करवाई, कैसे वसूली की और किस इलाके में उनका खौफ था। विडंबना यह है कि यह सब किसी अंडरग्राउंड मीटिंग में नहीं, बल्कि कैमरे के सामने हो रहा है। यह अपराध की स्वीकारोक्ति मात्र नहीं, बल्कि जनता और शासन दोनों को खुली चुनौती है। कुछ यूट्यूबर और स्वयंभू पत्रकार, टीआरपी, व्यूज और 'एक्सक्लूसिव' के नाम पर माफिया को मंच दे रहे हैं। उनसे यह नहीं पूछा जा रहा कि हत्या के पीड़ित परिवार आज कहां हैं? वसूली से उजड़े व्यापारियों की भरपाई किसने की? कानून से डर क्यों नहीं लगता? इसके बजाय सवाल ऐसे होते हैं, "आपका खौफ कितना था?" "आपसे कौन-कौन डरता था?" यह पूछना अपराध नहीं, अपराध का प्रचार है। पूर्वांचल ने वह दौर देखा है जब, पंचायत चुनाव में बूथ लूटे जाते थे, दिनदहाड़े प्रत्याशियों की हत्या होती थी, गांवों में गैंगवार आम बात थी, आज फिर वही भाषा, वही लहजा और वही धमकियां सुनाई देने लगी हैं। यह संयोग नहीं, बल्कि सिस्टम को परखने की कोशिश है।

## अमानक दवाएं जीवन से खिलवाड़



डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

भले ही यह दावा किया जाता है कि दवाओं की जांच के लिए जो सेंपल लिए जाते हैं उनमें से केवल 3 प्रतिशत दवाएं निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरती पर हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दवा के एक भी नमूने में निर्धारित मात्रा व संयोजन में कंपोनेंट नहीं है तो यह स्वीकार नहीं होनी चाहिए। पिछले कुछ माहों के समाचारों का ही विष्लेषण किये जाये तो मध्यप्रदेश राजसथान सहित देश के कई हिस्सों में खांसी की दवा के चलते बच्चों की जान ना केवल सांसत में आई बल्कि कुछ बच्चों को तो जिंदगी से हाथ धोना पड़ा। हांलाकि लीपापोती के नाम पर यह सफाई दी गई कि दवा डाक्टर ने नहीं लिखी थी या चिकित्सालय से दवा नहीं दी गई थी।

सवाल यह है कि अमानक दवाएं तैयार कर जीवन से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई नहीं होना उनके हौसले को ही बढ़ाती है। माना जाता है कि नकली पेस्टीसाइड बनाने व बेचने वालों के लिए सख्त सजा का प्रावधान है तो फिर दवाओं के सेंपल फेल हो जाने पर उस बेच की दवाओं को बाजार से हटाने की बात तो कर दी जाती है पर किसी दवा निर्माता को दवाओं के सेंपल विफल होने पर सजा मिलने के समाचार लगभग दिखाई ही नहीं देते। गत पांच सालों में 14 हजार से अधिक दवाओं के सेंपल विफल हुए हैं। मजे की बात यह है कि इनमें से अधिकांश बुखार, खांसी के साथ ही ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी गंभीर बीमारी के भी है। अब कल्पना की जा सकती है कि बीपी या शुगर के बीमार पर अमानक दवाओं का क्या असर होता होगा या हो सकता है। सामान्य से गंभीर बीमारी की दवाओं के सेंपल विफल होना इस बात का साफ संकेत है कि दवा निर्माताओं में ना तो मरीजों के प्रति गंभीरता है और ना ही किसी कानूनी कार्रवाई का डर। यह तो वह आंकड़ें है जो सामने आ जाते हैं नहीं तो बाजार में आने वाली दवाओं के सभी के सभी बैच के सेंपल जांच के लिए लेना या जांच करना संभव भी नहीं तो व्यावहारिक भी नहीं लगता। ऐसे में अमानक पाये जाने पर कठोर कार्रवाई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों में भय व सबक सीखा सकती है। दवाओं के निर्धारित मानकों पर खरी नहीं उतरने के साथ ही जीवनदायिनी दवाओं के तेजी से बेअसर होना भी एक समस्या होती जा रही है। इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौरतरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबुझकर लावपरवाही बरतने के साथ ही खान पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं।

देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धडल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है।दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देष-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडकिल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं।

यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है।

## जलवायु परिवर्तन बढ़ा रहा वन्यजीवों से खतरा



जयसिंह रावत

हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड का समृद्ध वन्यजीव संसार राज्यवासियों के लिये संकट का कारण बनता जा रहा है। उत्तराखंड के पहाड़ अभी मानसून की विनाशकारी आपदाओं की मार से पूरी तरह उबरे भी नहीं थे कि जंगलों से सटे इलाकों में जंगली जानवरों का आतंक नई मुसीबत बनकर सामने आ गया। पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पिथौरागढ़ और चमोली जैसे जिलों में गुलदार, भालू और हाथियों के हमले इतने बढ़ गए हैं कि शाम ढलते ही गांवों में अघोषित कर्फ्यू जैसे हालात बन जाते हैं। कई स्कूल बंद कर दिये गये हैं। बच्चे स्कूल नहीं जा पाते, अभिभावक खुद ड्यूटी देते हैं। यहां तक कि शादी-ब्याह जैसे सामाजिक आयोजन भी स्थगित हो रहे हैं लेकिन खतरा सिर्फ इन बड़े शिकारियों तक सीमित नहीं है। बंदर, लंगूर और जंगली सूअर भी पहाड़ों में खेती को असंभव बना रहे हैं। अब तो बंदर भी हमलावर हो गये हैं। बंदरों द्वारा कई ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। अब रही सही खेती छोड़ने की नौबत आ गई है क्योंकि कई पहाड़ी गांवों में दिन में भी खेतों की रखवाली करना अब जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि गढ़वाल के संसद अनिल बलूनी और महेंद्र भट्ट ने यह मुद्दा संसद में भी उठाया है । गढ़वाल के संसद अनिल बलूनी और महेंद्र भट्ट ने केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से मुलाकात कर बताया कि भालुओं के हमले पहली बार इतनी बड़ी संख्या में सामने आए हैं जो बेहद चिंताजनक संकेत है। उत्तराखंड वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य के लगभग 490 गाँवों को मानव-वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील घोषित किया गया है। ये गाँव मुख्य रूप से वनों से घिरे पर्वतीय जिलों जैसे पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, टिहरी, चमोली और नैनीताल आदि में स्थित हैं, जहाँ गुलदार, भालू, हाथी तथा बंदर और जंगली सूअर जैसे छोटे जानवरों से भी बार-बार टकराव की घटनाएँ होती रहती हैं। इस बढ़ते संघर्ष का सबसे बड़ा और गहरा कारण जलवायु परिवर्तन माना जा रहा है जो प्रकृति और मानव दोनों के लिए दोधारी तलवार बन चुका है। जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का पैटर्न पूरी तरह बदल गया है। तापमान बढ़ने, बारिश के समय और मात्रा में अनियमितता तथा सूखे और बाढ़ की बढ़ती घटनाओं ने जंगलों में भोजन चक्र को बुरी तरह प्रभावित किया है। जहां पहले कुछ महीनों में विशेष फल-फूल और शिकार उपलब्ध होते थे, अब उनकी कमी या अनुपलब्धता के कारण गुलदार, भालू और हाथी भोजन की तलाश में गांवों की ओर खिंचे चले आ रहे हैं। प्रजनन काल भी बदल गया है जिससे ये जानवर पहले की तुलना में अधिक आक्रामक और लंबे समय तक सक्रिय रहते हैं। जलवायु परिवर्तन ने प्रवास के रास्ते और समय को भी अस्त-व्यस्त कर दिया है, जिससे जानवरों को नए क्षेत्रों में भटकना पड़ रहा है और मानव बस्तियां उनके रास्ते में आ रही हैं। वैज्ञानिक अध्ययन बता रहे हैं कि आने वाले दशकों में जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष और भी भयावह रूप ले सकता है क्योंकि जंगल सिकुड़ रहे हैं, भोजन कम हो रहा है और जानवरों का व्यवहार तेजी से आक्रामक होता जा रहा है।

इतना ही नहीं, मानव अतिक्रमण, सड़कों का जाल, हेलीकॉप्टरों की लगातार आवाजाही और कचरे के ढेर भी जानवरों को बस्तियों की ओर धकेल रहे हैं लेकिन इन सबमें जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ा उत्प्रेरक है जो न सिर्फ आपदाओं की तीव्रता बढ़ा रहा है बल्कि सीधे तौर पर वन्यजीवों के व्यवहार को बदलकर मानव जीवन को खतरे में डाल रहा है। पलायन आयोग की रिपोर्टें पहले ही बता चुकी हैं कि पहाड़ों से पलायन के प्रमुख कारणों में वन्यजीवों का डर अब सबसे ऊपर है। जब खेती नहीं हो पा रही, मवेशी सुरक्षित नहीं और शाम को घर से निकलना भी जोखिम बन जाए तो गांव खाली होना स्वाभाविक है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 25 सालों में मानव वन्यजीव संघर्ष में 1264 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है, 6519 से अधिक घायल हुए हैं और 7079 से ज्यादा हमले दर्ज हुए हैं। अकेले 2025 में ही 64 से अधिक परिवारों के चिराग बुझ चुके हैं। गुलदार सबसे खतरनाक साबित हो रहा है जिसने 546 जानें ली हैं। भालू और हाथी भी पीछे नहीं हैं। पौड़ी गढ़वाल में तो स्थिति यह है कि 55 से अधिक स्कूल बंद या समय बदल चुके हैं और भालू ने इस साल 53 पशुओं को मार डाला या घायल किया है।

इस भयावह स्थिति से निपटने के लिये प्रशासन की क्विक रिएक्शन टीमें हाई अलर्ट पर हैं, ड्रोन से निगरानी हो रही है, रेडियो कॉलरिंग की जा रही है, सौर बाड़ और खाइयां बनाई जा रही हैं, पटाखे और शोर करने वाले उपकरण बांटे जा रहे हैं। हिंसक जानवरों को ट्रैंक्विलाइज कर रेस्क्यू किया जा रहा है लेकिन ग्रामीणों का कहना साफ है कि ये अस्थायी उपाय हैं। जब तक जलवायु परिवर्तन के असर को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा, जंगलों को बचाने और पुनर्जनन की बड़ी योजना नहीं बनेगी और स्थानीय समुदायों को वन्यजीव प्रबंधन में आर्थिक हिस्सेदार नहीं बनाया जाएगा, तब तक यह संघर्ष कम होने वाला नहीं। नामीबिया जैसे देशों के कम्युनल कंजर्वेंसी मॉडल से सीख लेकर अगर उत्तराखंड भी स्थानीय लोगों को वन्यजीवों से होने वाले लाभ का हिस्सा दे, तो शायद लोग जंगलों और जानवरों के दुश्मन की बजाय रक्षक बनें। उत्तराखंड जैव विविधता का खजाना है। यहाँ 102 स्तनधारी, 600 पक्षी, 19 उभयचर, 70 सरीसृप और 124 मछलियों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से कई वैश्विक स्तर पर संकटग्रस्त हैं- जैसे बाघ, एशियाई हाथी, भूरा भालू, कस्तूरी मृग और हिम तेंदुआ। इन प्रजातियों का संरक्षण हिमालयी पर्यावरण के भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। किंतु मानव जीवन भी समान रूप से महत्वपूर्ण है।

## गणित को अनुभूति बनाने वाला अमर साधक श्रीनिवास रामानुजन



योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय गणित की गौरवशाली परंपरा और विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यह केवल एक स्मृति-दिवस नहीं बल्कि गणित जैसे बौद्धिक अनुशासन के प्रति समाज में सम्मान, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टि को सुदृढ़ करने का राष्ट्रीय प्रयास है। राष्ट्रीय गणित दिवस की औपचारिक घोषणा वर्ष 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर की गई थी। चेन्नई में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे विलक्षण प्रतिभावान और गूढ़ ज्ञान से युक्त व्यक्तित्वों का जन्म समाज में बहुत कम होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रामानुजन की प्रतिभा न केवल गणित के क्षेत्र में बल्कि मानव बौद्धिक क्षमता की सीमाओं को समझने में भी एक प्रेरक उदाहरण है। उसी अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि रामानुजन के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाएगा ताकि देश की युवा पीढ़ी गणित से भय के बजाय आकर्षण और नवाचार का संबंध विकसित कर सके। इस दिवस का उद्देश्य गणितीय सोच को बढ़ावा देना, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है। मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था।

तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान् कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था। गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें 'लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था 'रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी।

## देश का भविष्य बुलडोजर



डॉ टी महादेव राव

" इस बीच जहां कहीं भी देखो, बुलडोजर के फोटो ही दिखाई पड़ रहे हैं। उसी के बारे में सभी लोग बातें भी कर रहे हैं। टीवी में, पत्र-पत्रिकाओं में, फोन में हर जगह वही सब कुछ दिखाई पड़ रहा है। कई जगह बुलडोजरों की रैली निकाली जा रही है। युवा तो बुलडोजर के टैटू , गुदना गुदवा रहे हैं। तो बात यहां तक जब पहुंच गई है तो बुलडोजर से कुछ न कुछ किया जाना चाहिए। उस बुलडोज़र के पागलपन को कैश करना जरूरी है।""बुलडोजरों से क्या काम और करोगे क्या तुम?""बुलडोजर के नाम पर फिल्म बनाऊंगा। उसमें हीरो बुलडोजर के हाथों खलनायकों के कारों और घरों को तहस-नहस कर डालूंगा - ऐसा फिल्म बनाऊंगा। नया सिनेमा, नई राजनीतिक पार्टी, नए वेबसाइट के लिए बुलडोजर नाम को अग्रिम रूप से रजिस्टर्ड करवा लूंगा। बुलडोजर चिह्न को सबसे पहले पंजीकृत करा लूंगा। कारों के पीछे स्टीकर डिजाइनों के लिए भी पेटेंट बनवा लूंगा।"" रुक! रुक! इतना ज्यादा उत्तेजित होकर काहे खुद को थका रहा है? लेकिन यह सब क्यों तेरे लिए?""पता नहीं कल के रोज अगर बुलडोजर की प्रसिद्धि और बढ़ गई तो उसका हम लोग फायदा उठा सकते हैं और पैसे कमा सकते हैं।"

"कितने विपरीत और भयानक विचार तुम्हारे दिमाग में लेकिन आए कैसे?""उत्तर प्रदेश में बहुत सारे लोगों के सपनों में भी बुलडोजर ही दिखाई पड़ रहा है। बुलडोजर के नाम से चोर, गैंगस्टर, गुंडे, नेता सारे डर के मारे कहीं कहीं छुप गए हैं। इसे देखकर मध्य प्रदेश और असम में भी बुलडोजरों को काम में लाया जा रहा है। मुझे लगता है कोरोना की तरह बुलडोजर सारे देश में फैलने वाला है। उसकी मांग बढ़ने वाली है। बुलडोजर निर्माताओं की तो बस चांदी होगी।""जो अपराधी अपराध करके भाग जाए, उसे पकड़ने के बजाय, उनके घर के सामने बुलडोजर खड़ा करके डराना यह कौन सा तरीका है? यह कौन सा नया रिवाज है? जब अपराध होते हैं तो तहकीकात छोड़कर बुलडोजर पर बैठे रहने की अगर बात है तो यह खाकी वर्दीधारी पुलिस किस लिए? किस काम के लिए हैं?""कुछ भी हो बुलडोजर के नाम पर अब तक कभी भी इतना हो हल्ला और शोर नहीं मचा और प्रसिद्धि भी आ गई। यही देख कर सभी नेता उसके पीछे पूरे उत्साह के साथ भाग रहे हैं।""उत्साह राजनेताओं में ही क्यों, चोरों में भी आ गई है। बुलडोजर से कितना भी बड़ा काम हो, हाथ में मैल लगे बिना किया जा सकता है। इस बात को सभी लोगों ने भली-भांति जान लिया है।""वह कैसे?""महाराष्ट्र में इसी बीच एक पेट्रोल पंप पर खड़े किए गए बुलडोजर को कुछ चोर उठा कर ले गए और उसकी मदद से सीधे एटीएम मशीन को ही उखाड़ फेंका। यह सारा सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ।""तो तुम्हारा कहने का मतलब यह है कि बुलडोजर के फायदे चोरों के भी समझ में आ गए हैं।""मतलब कुछ भी हो। बुलडोजर का मतलब किसी भी चीज को जड़ समेत उखाड़ कर, उठाकर दूर फेंकने वाले यंत्र का नाम है। सिर्फ तोड़फोड़ करना, निर्माणों को गिराना और विध्वंस के लिए ही उसे उपयोगी मत मानो। वैसे विध्वंसक कार्यों के लिए ही उसका उपयोग करते हैं ऐसी सोच को तो मन से निकाल ही दो। देश में पहाड़ जैसी बढ़ चुकी समस्याओं का अंबार देखो। वैसे समस्याओं को जड़ से उखाड़ने की बात करना आशावादी दृष्टिकोण है। बुलडोजर से देश में किए जाने वाले कई काम अभी भी हैं। वह सब किए बिना बेकार से बातों पर अनावश्यक चीरफाड करना बेवकूफी है।""किया जाना चाहिए.... करना है, क्या मतलब है इसका?""कदम दर कदम भ्रष्टाचार हाथ फैलाए रिश्वत की आशा कर रहा है, खाना, दाना, पानी से लेकर वाहन तक महंगाई की वजह से सामान्य जन से काफी दूर हो गए हैं।

# श्री कृष्ण ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह से क्यों नहीं बचाया?

## जानिए इसके गहरे पौराणिक कारण

**कुरुक्षेत्र** के युद्ध का 13वां दिन आज भी अभिमन्यु की अद्वितीय वीरता और करुण बलिदान के लिए याद किया जाता है। जब मात्र 16 वर्ष का अभिमन्यु चक्रव्यूह में फंसकर सात महारथियों से अकेले युद्ध कर रहा था, तब भगवान श्रीकृष्ण वहां उपस्थित होते हुए भी मौन रहे। यह प्रश्न सदियों से लोगों के मन में है कि जो श्रीकृष्ण एक क्षण में सब कुछ बदल सकते थे, उन्होंने अपने प्रिय भांजे को क्यों नहीं बचाया। इसके पीछे पौराणिक और आध्यात्मिक दृष्टि से कई गहरे कारण बताए जाते हैं।

### अभिमन्यु का पूर्वजन्म और नियति का विधान

**पौराणिक** ग्रंथों, विशेषकर मार्कण्डेय पुराण के अनुसार, अभिमन्यु चंद्रदेव के पुत्र 'वर्चस' के अवतार थे। देवताओं द्वारा पृथ्वी पर अवतार लेने की योजना के समय चंद्रदेव ने यह शर्त रखी थी कि उनका पुत्र केवल 16 वर्षों तक ही पृथ्वी पर रहेगा और युद्ध में पराक्रम दिखाकर वापस लौट आएगा। श्रीकृष्ण इस दिव्य वचन से परिचित थे। ऐसे में उन्होंने उस पूर्व निर्धारित नियति में हस्तक्षेप करना उचित नहीं समझा।

### अर्जुन के मोह और युद्ध के निर्णायक मोड़ का कारण

**महाभारत** के द्रोण पर्व में वर्णित है कि अभिमन्यु के वध ने अर्जुन और पांडवों के भीतर तीव्र प्रतिशोध की भावना को जन्म दिया। इस घटना ने युद्ध को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया। श्रीकृष्ण जानते थे कि यह शोक और क्रोध ही आगे चलकर अधर्म के विनाश का कारण बनेगा। अभिमन्यु का बलिदान पांडवों को अंतिम युद्ध के लिए मानसिक रूप से तैयार करने का माध्यम बना।

### चक्रव्यूह का अधूरा ज्ञान और विधि का विधान

**अभिमन्यु** को चक्रव्यूह में प्रवेश करने का ज्ञान था, लेकिन उससे बाहर निकलने की विधि पूर्ण रूप से ज्ञात नहीं थी। अर्जुन यदि उस समय वहां होते तो परिस्थिति अलग हो सकती थी, लेकिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को संशप्तकों से युद्ध में उलझाए रखा। इसे भी विधि का विधान माना जाता है, जिससे यह संदेश मिले कि युद्ध में ज्ञान के साथ-साथ समय और परिस्थिति भी निर्णायक होती है।

### धर्म और बलिदान की अमर सीख

**श्रीकृष्ण** ने अभिमन्यु को न बचाकर उसे धर्म के लिए बलिदान देने वाला अमर योद्धा बना दिया। अभिमन्यु की कथा आज भी साहस, कर्तव्य और त्याग की मिसाल है। श्रीकृष्ण ने यह सिखाया कि शरीर नश्वर है, लेकिन धर्म के लिए दिया गया बलिदान युगों तक जीवित रहता है। अभिमन्यु को न बचाने का निर्णय क्रूर नहीं, बल्कि धर्म, नियति और आने वाले युगों के लिए एक गहरी सीख से जुड़ा था। यही कारण है



## 400 साल पुराना अनोखा मंदिर लाखों प्रतिमाओं में समाए पवनपुत्र

**नवाबों** के शहर लखनऊ में गोमती नदी के तट पर स्थित हनुमंत धाम आज आस्था और भव्यता का अद्भुत संगम बन चुका है। वैसे तो लखनऊ बड़े मंगल और हनुमान भक्ति के लिए देशभर में प्रसिद्ध है। लेकिन हनुमंत धाम अपनी अनोखी बनावट और दिव्यता के कारण सबसे अलग पहचान रखता है। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि इसकी पूरी संरचना में हनुमान जी की लाखों छोटी-छोटी प्रतिमाएं उकेरी गई हैं। मंदिर की दीवारों, स्तंभों और मेहराबों को ध्यान से देखने पर श्रद्धालु चकित रह जाते हैं। हर तरफ बजरंगबली के सूक्ष्म स्वरूप नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरा मंदिर ही हनुमान जी की भक्ति में ढला हुआ हो। जहां भी दृष्टि जाती है, वहां रामभक्त हनुमान के दर्शन होते हैं, जो इस धाम को बेहद विशेष बनाते हैं। माना जाता है कि यह स्थान करीब 400 साल पुराना है, जहां पहले साधु-संत तपस्या किया करते थे।

# झारखंड का कामाख्या मंदिर।।।

## तंत्र साधना का है प्रमुख केंद्र यहां मात्र सिर झुकाने से झोली भर देती हैं मां

**झारखंड** की राजधानी रांची से मात्र 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मां छिन्नमस्तिका देवी का मंदिर है। ये तंत्र साधना के लिए काफी शक्तिशाली पीठ है। इसके अलावा रांची में कुछ दुर्गा मंदिर ऐसे हैं। जहां पर मात्र सर झुकाने से ही आपकी मुराद पूरी हो जाती है। देवी मां के मंदिर की बात होती है, तो सबसे पहले मां छिन्नमस्तिका देवी मंदिर की बात होती है।

दरअसल, यह मंदिर रांची से करीब 50 किलोमीटर की दूरी पर रजरप्पा तरफ स्थित है। यहां पर कहा जाता है कि देवी मां प्रकट हुई थी और उनके सखी को खून पीने की लालसा हुई तो देवी ने अपना सिर काट कर ही अपना खून अपने साथियों को पिला दी थी। साथ ही ये यह तंत्र विद्या का बहुत ही शक्तिशाली पीठ है।

यहां पर खासतौर पर तंत्र विद्या और साधना सिद्ध करने के लिए भक्त आते हैं। यहां पर जो भी आप मांग लें, कहा जाता है कि आपकी मुराद जरूर पूरी होगी। यहां पर आपको सालों भक्तों का जबरदस्त ताता देखने को मिलेगा। लोग इसको झारखंड का कामाख्या भी कहते हैं। इसके बाद आप आ सकते हो रांची के पहाड़ी मंदिर स्थित देवी मां के मंदिर में। यहां पर एक चुनरी स्थल है, यहां पर आपको हजारों चुनरी बंधे हुए नजर आएंगे। यह हजारों चुनरी हजारों पूरी मन्नत को दिखाता है। जब मन्नत पूरी हो जाती है। तब यहां पर लोग चुनरी बांध के चले जाते हैं। यह देखना भी अपने आप में अद्भुत होता है। इतनी चुनरी एक साथ देखकर आप दंग रह जाएंगे।

# कोलकाता का प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर

## जहां के रक्षक हैं नकुलेश्वर भैरव, मां दुर्गा के उग्र स्वरूप की होती है पूजा, जानें शिव-सती से जुड़ा रहस्य

**पश्चिम बंगाल** के कोलकाता में प्रसिद्ध कालीघाट काली मंदिर है, जो मां दुर्गा के उग्र स्वरूप को दर्शाता पवित्र शक्तिपीठ है। जहां मां काली का आशीर्वाद लेने के लिए भक्त दूर-दूर से आते हैं। जहां सृष्टि की उत्पत्ति और संचालन की बात आती है, तीनों त्रिदेवों का नाम सबसे पहले लिया जाता है। लेकिन, सृष्टि का संचालन मां दुर्गा के बिना अधूरा है। वे प्रकृति का सरल रूप हैं, जो सृजन और विनाश दोनों की ताकत रखती हैं।

**मां** दुर्गा के उग्र रूप को समर्पित कालीघाट काली मंदिर 51 शक्ति पीठों में शामिल है। यहां मां अकेले विराजमान नहीं हैं, बल्कि भगवान शिव भी मौजूद हैं। मंदिर के गर्भगृह में मौजूद मां काली की प्रतिमा बेहद अद्भुत है, जिसे काले पत्थर पर बारीकी से उकेरा गया है। मां के चार हाथ हैं, बड़ी आंखें और लंबी जीभ भी है, जो उनके उग्र रूप को पूरा करती है। मंदिर की पौराणिक कथा भगवान शिव की पीड़ा और मां सती के दाह से जुड़ी है। माना जाता है कि इसी स्थान पर शिव के तांडव के दौरान सती के शरीर का एक अंग गिरा था। यहां शक्ति स्वरूप मां सती के दाहिने पैर की अंगुलियां गिरी थीं।

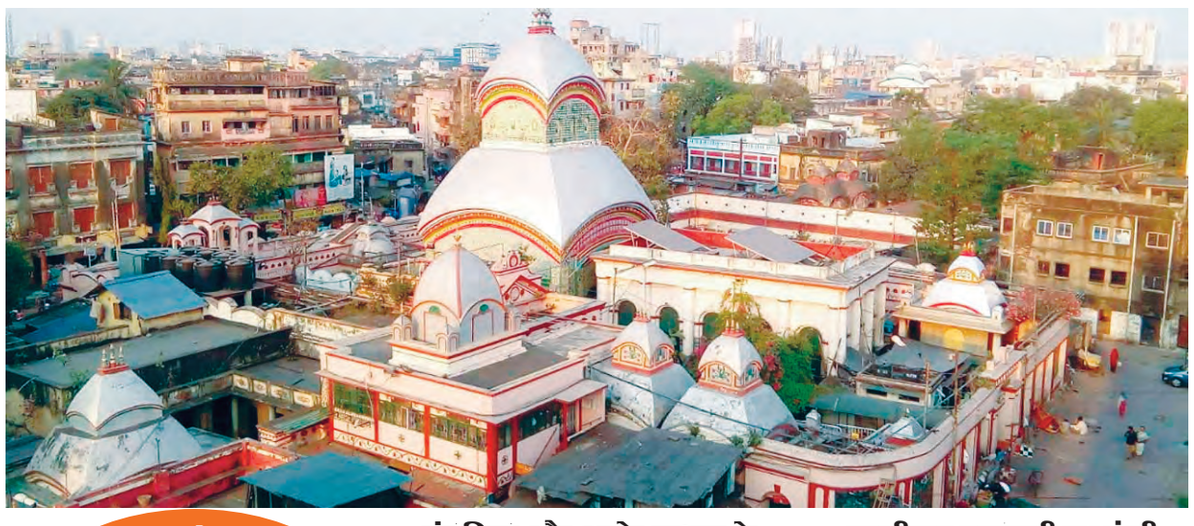



### नकुलेश्वर भैरव करते हैं रक्षा

मां सती के रक्षक के तौर पर नकुलेश्वर भैरव भी प्रकट हुए। यहां नकुलेश्वर भैरव का एक 'स्वयंभू लिंगम' है, जो मां की रक्षा के लिए तैनात है।

### तंत्र विद्या और अघोर साधना के लिए प्रसिद्ध मंदिर

**मां** काली का मंदिर तंत्र विद्या और अघोर साधना के लिए प्रसिद्ध है। अघोरी मां के मंदिर में तंत्र विद्या को सिद्ध करने के लिए अनुष्ठान करते हैं। मंगलवार और शुक्रवार को मंदिर में भक्तों की ज्यादा भीड़ लगती है। मनोकामना पूरी होने पर भक्त मां के सामने बलि भी देते हैं।

### मंदिर की दूसरी कथा

**एक** अन्य पौराणिक कथा की मानें तो भक्त भागीरथ को नदी से निकलती एक रोशनी दिखी थी, जब उन्होंने वहां जाकर देखा तो मानव रूपी अंगूठा नजर आया और साथ में शिवलिंग भी। भागीरथ ने दोनों की पूजा की और मंदिर के रूप में स्थापित किया, जिन्हें बाद में नकुलेश्वर भैरव के नाम से जाना गया।

### कालीघाट चमत्कारी कुआं की संतान सुख से जुड़ी मान्यता

**पहले** मंदिर छोटी सी झोपड़ी के आकार का था, लेकिन बाद में 16वीं शताब्दी में राजा मानसिंह ने मंदिर का निर्माण करवाया। उसके बाद बड़े और अद्भुत मंदिर का निर्माण बानिशा के सबर्ण रॉय चौधरी ने करवाया। मंदिर के प्रांगण में एक चमत्कारी कुआं भी मौजूद है, जिसे मां गंगा जितना पवित्र बताया गया है। कहा जाता है कि जिन दंपत्तियों को संतान प्राप्ति में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, वे अगर कुंड में स्नान करते हैं, तो उन्हें दिव्य संतान की प्राप्ति होती है।

## अगर बीवी के साथ आप भी करते हैं ऐसा व्यवहार, तो गरुण पुराण की ये सीख बदल देगी आपका जीवन

**हिंदू** धर्म में पत्नी को 'अर्धांगिनी' का दर्जा दिया गया है, जिसका अर्थ है पति के शरीर का आधा हिस्सा। लेकिन, समाज में अक्सर ऐसे उदाहरण मिलते हैं जहां पुरुष अपनी शक्ति के अहंकार में अपनी पत्नी का शोषण करते हैं या उसके साथ क्रूरता करते हैं। गरुड़ पुराण के अनुसार, ऐसे पुरुषों को न केवल इस जन्म में सामाजिक तिरस्कार झेलना पड़ता है, बल्कि मृत्यु के पश्चात यमलोक में भीषण यातनाएं भी उनका इंतजार कर रही होती हैं। गरुड़ पुराण में उल्लेख है कि जो पति अपनी पत्नी को बिना किसी कारण के मानसिक या शारीरिक पीड़ा पहुंचाते हैं, उन्हें यमलोक में 'कुम्भीपाकम' नामक नरक में डाला जाता है। यहां पापी को खौलते हुए तेल के कड़ाहों में डाला जाता है। यह दंड उन लोगों के लिए है, जो अपनी पत्नी के मान-सम्मान की रक्षा करने के बजाय समाज में उनका तिरस्कार करते हैं।

यही नहीं, यदि कोई पुरुष अपनी पत्नी को धोखा देता है और पराई स्त्री के मोह में पड़कर अपनी पत्नी का त्याग करता है या उसे प्रताड़ित करता है, तो उसे अगले जन्म में भयानक बीमारियों और दरिद्रता का सामना करना पड़ता है। गरुड़ पुराण में पत्नी के साथ किया गया विश्वासघात सबसे बड़ा 'ब्रह्मपाप' माना गया है। जो पुरुष अपनी पत्नी को अपशब्द बोलता है या उसे भूखा रखता है, उसके द्वारा किए गए दान-पुण्य, पूजा-पाठ और तीर्थ यात्राओं का कोई फल उसे नहीं मिलता। भगवान ऐसे व्यक्ति की प्रार्थना कभी स्वीकार नहीं करते। गृहस्थ जीवन में पत्नी को 'लक्ष्मी' का रूप माना गया है और जहां लक्ष्मी का अपमान होता है, वहां दरिद्रता और अशांति का वास हो जाता है। यह केवल पौराणिक दंड की बात नहीं है, बल्कि यह हमारे नैतिक मूल्यों का आधार है।

# पवनपुत्र हनुमान और सुग्रीव से जुड़ा है हम्पी का मंदिर के तार

## यहीं बसा था किष्किंधा लेकिन पूजा-पाठ पूरी तरह से बंद



**कर्नाटक** में हम्पी में एक ऐसा प्राचीन मंदिर है, जिसके हर पत्थर में रहस्य छिपा है। मंदिर की बनावट और स्तभों की वास्तुकला पर आस्था और विजयनगर शैली का गहरा प्रभाव दिखता है। मंदिर की दीवारों पर चीन और मिस्र की कला भी देखने को मिलती है। हम बात कर रहे हैं कर्नाटक के हम्पी के विजयनगर में बने श्री अच्युतराय स्वामी मंदिर की, जहां अब पूजा-पाठ नहीं होती है। इस मंदिर का इतिहास बहुत पुराना है और यहां देखने लायक कई चीजें मिलती हैं। यह मंदिर ना केवल ऐतिहासिक है बल्कि यह विशाल वास्तु शिल्प को भी दर्शाता है।

### वास्तुकला शैली मंदिरों को बेहतरीन रूप

श्री अच्युतराय स्वामी मंदिर को अपने इतिहास और वास्तुकला के लिए जाना जाता है। मंदिर मातंग पहाड़ियों के बीच स्थित है, जहां आसपास की जनसंख्या बेहद कम है। यह शानदार मंदिर विजयनगर वास्तुकला शैली के मंदिरों को अपने सबसे अच्छे और सबसे बेहतरीन रूप में दिखाता है। यह उन आखिरी शानदार मंदिरों में से एक था, जो विजयनगर साम्राज्य के पतन से पहले हम्पी के प्रसिद्ध शहर में बनाए गए थे। बताया जाता है कि मंदिर का निर्माण 1534 ईस्वी में हुआ था

### स्तंभों पर सिर्फ हिंदू देवी-देवता

**यह** मंदिर अपने बड़े गोपुरम और विशाल परिसर के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर को कई स्तंभों के निर्माण के साथ बनाया गया है। स्तंभों पर सिर्फ हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां ही नहीं, बल्कि चीन और मिस्र के व्यापारियों के हम्पी आने के सबूत भी हैं। मंदिर के स्तंभों पर व्यापार के कुछ चिन्ह या कलाकृति बनी हैं। यह मंदिर भगवान विष्णु के तिरुवेंगलनाथ रूप को समर्पित है।मंदिर में अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां भी हैं, लेकिन मूल देवता के रूप में काफी समय तक भगवान विष्णु को पूजा गया।

### मंदिर में पूजा-पाठ भी बंद

**आज** यह मंदिर रखरखाव के अभाव में खंडहर बन चुका है और मंदिर में पूजा-पाठ भी बंद है। मंदिर को रामायण के पात्र सुग्रीव और बाली से जोड़कर देखा गया है। माना जाता है कि अपने भाई बाली के प्रकोप से बचने के लिए सुग्रीव ने मातंग पहाड़ियों की शरण ली थी और यहीं पर उनकी मुलाकात हनुमान और लक्ष्मण से हुई थी। पुराणों में इस क्षेत्र को किष्किंधा भी कहा गया है, जो वानरों का क्षेत्र रहा था। बाली का इस क्षेत्र में आना वर्जित था, जिसकी वजह से सुग्रीव ने मातंग पहाड़ियों की शरण ली थी।

## जीव हत्या करने वालों को नरक में मिलती है ये भयानक सजा जानकर कांप जाएगी रूह!

**गरुड़** पुराण एक महापुराण है। ये पुराण हिंदू धर्म के 18 महापुराणों में शामिल है। गरुड़ पुराण जगत के पालनहार भगवान विष्णु और पक्षी राज गरुड़ के संवाद पर आधारित है। गरुड़ पुराण में विस्तार से जीवन, मृत्यु, आत्मा की यात्रा, पाप, पुण्य, स्वर्ग और नरक के बारे में बताया गया है। गरुड़ पुराण के अनुसार, व्यक्ति के कर्मों के हिसाब से उसकी आत्मा को नरक में यातनाएं भोगनी पड़ती हैं। वहीं जिसने जीवन भर अच्छा आचरण दिखाया हो और पाप कर्म न किए हों, उस व्यक्ति की आत्मा मृत्यु के बाद स्वर्ग जाती है। गरुड़ पुराण में 36 तरह के नरक के बारे में बताया गया है। व्यक्ति के कर्मों के हिसाब से उसकी आत्मा को अलग-अलग नरक से होकर गुजरना पड़ता है। आज हम जानते हैं कि जो लोग जीव हत्या करते हैं, उनकी आत्मा को किस नरक में भेजा जाता है और क्या सजा दी जाती है?

### कुंभीपाक नरक में दी जाती है सजा

कुंभीपाक नरक, इस नरक में पापी व्यक्ति की आत्मा को बर्तन में खौलते हुए तेल में डालकर तला जाता है, जिससे आत्मा को असहनीय पीड़ा होती है। कुंभीपाक नरक में उस व्यक्ति की आत्मा को भेजा जाता है, जिसने अपने जीवन काल में अपने स्वार्थ के लिए किसी जीव की हत्या की होती है। कालासुत्रम नरक में ऐसे लोगों की आत्मा को सजा दी जाती है, जो अपने जीवन काल में बड़े-बुजुर्गों का सम्मान नहीं करते और अपमान करते रहते हैं। इस नरक में पापी व्यक्ति की आत्मा को आग में झोंक दिया जाता है। यही नहीं इस नरक में पापी व्यक्ति की आत्मा के साथ बार-बार ये प्रक्रिया दोहराई जाती है।

# कार हादसे पर नोरा फतेही ने तोड़ी चुप्पी बताई कैसी है हालत? फैंस को दी ये नसीहत

बॉलीवुड स्टार नोरा फतेही शुक्रवार, 20 दिसंबर को मुंबई में एक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गईं। वह सनबर्न फेस्टिवल 2025 में जा रही थीं, जहां उन्हें डेविड गुएटा के साथ स्टेज पर परफॉर्म करना था। एक्सीडेंट के बाद, नोरा फतेही ने अपनी हेल्थ के बारे में अपडेट दिया। उन्होंने घटना के बारे में बताया और खुलासा किया कि नशे में धुत ड्राइवर के उनकी गाड़ी में टक्कर मारने के बाद वह परेशान हैं।

**नोरा ने दी हेल्थ अपडेट**

हादसे के कुछ घंटे के बाद, नोरा फतेही ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर बताया, 'नशे में धुत एक आदमी जो शराब पीकर गाड़ी चला रहा था, उसने मेरी कार में टक्कर मार दी और टक्कर काफी जोरदार थी। हादसे में मेरा सिर खिड़की से टकरा गया। मैं जिंदा हूं और ठीक हूं। कुछ मामूली चोटों, सूजन और हल्के सिर में चोट के अलावा, मैं ठीक हूं। मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं। यह बहुत बुरा हो सकता था, लेकिन मैं यह कहने आई हूं कि आपको शराब पीकर गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। सच कहूं तो मुझे शराब से नफरत है।'

**नशा नहीं करती नोरा फतेही**

इसके अलावा, उन्होंने कहा कि वह हमेशा शराब के आइडिया के खिलाफ रही हैं। उन्होंने कभी शराब नहीं पी है, न ही वह ड्रग्स या गांजा लेती हैं। नोरा ने आगे कहा कि शराब पीकर गाड़ी चलाने से लोग खतरे में पड़ जाते हैं। नोरा ने बताया, 'यह सब कहने के बाद, मैं बस सबको बताना चाहती हूं कि मैं ठीक हूं। मुझे कुछ समय तक दर्द रहेगा। भगवान का शुक्र है कि मैं जिंदा हूं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी। वह बहुत डरावना और दर्दनाक पल था। मैं अभी भी थोड़ी सदमे में हूं।

**नोरा ने किया परफॉर्म**

हादसे के बावजूद, नोरा ने अपने वादे पूरे किए और सनबर्न 2025 के स्टेज पर डेविड गुएटा के साथ परफॉर्म किया। हालांकि कई लोगों ने इस घटना के तुरंत बाद परफॉर्म करने के उनके फैसले पर सवाल उठाए। इस पर नोरा ने कहा कि वह किसी भी चीज को अपने काम के बीच नहीं आने देतीं। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शराबी ड्राइवर उनसे वह पल नहीं छीन सकता जिसके लिए उन्होंने इतनी मेहनत की थी।

# 16 साल में डेब्यू, साउथ में कैसे बनीं लाखों दिलों की तमन्ना

21 दिसंबर को ब्यूटी क्वीन के नाम से मशहूर तमन्ना भाटिया अपना 36वां जन्मदिन मनाया। ग्लैमर, ग्रेस और गजब के आत्मविश्वास की मिसाल बन चुकी तमन्ना आज सिर्फ एक सफल अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक मल्टीटैलेंटेड आर्टिस्ट, फैशन आइकन और स्मार्ट एंटरप्रेन्योर के तौर पर भी पहचानी जाती हैं। तमन्ना आज उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शुमार हैं जिन्होंने बॉलीवुड और साउथ, दोनों ही जगह अपना सिक्का जमाया है। बेहद कम उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखने वाली तमन्ना ने मेहनत, धैर्य और निरंतर सीखने की लगन से वो मुकाम हासिल किया है, जहां पहुंचना हर किसी के लिए आसान नहीं होता।

**मुंबई से मायानगरी तक का सफर**

तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में हुआ। बचपन से ही उन्हें अभिनय और परफॉर्मिंग आर्ट्स में गहरी रुचि थी। महज 13 साल की उम्र में उन्होंने थिएटर और एक्टिंग की प्रोफेशनल ट्रेनिंग लेना शुरू कर दिया। पृथ्वी थिएटर में मंचीय अभिनय ने उनकी नींव मजबूत की, जिससे भावनाओं को पर्दे पर सहजता से उतारने की कला उन्होंने बहुत कम उम्र में सीख ली।

**16 साल में डेब्यू, लेकिन राह आसान नहीं**

तमन्ना ने साल 2005 में 16 साल की उम्र में हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड में कदम रखा। भले ही यह फिल्म उन्हें बड़ी पहचान न दिला पाई, लेकिन यहीं से उनके सपनों को उड़ान मिली। शुरुआती संघर्षों के बाद तमन्ना ने साउथ इंडस्ट्री का रुख किया और यही फैसला उनके करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

**साउथ इंडस्ट्री में बनाया खुद का साम्राज्य**

तमिल और तेलुगु सिनेमा में तमन्ना ने एक के बाद एक हिट फिल्मों से खुद को टॉप एक्ट्रेसेज की लिस्ट में शामिल कर लिया। साउथ के दर्शकों ने उनकी मासूमियत, स्क्रीन प्रेजेंस और मेहनत को दिल से अपनाया। कुछ ही वर्षों में वह बड़े सितारों के साथ लीड रोल करने लगीं और ब्यूटी क्वीन का खिताब उनके नाम हो गया।

**'बाहुबली' से मिली पैन इंडिया पहचान**

तमन्ना के करियर का सबसे बड़ा मील का पत्थर साबित हुई एसएस राजामौली की ऐतिहासिक फिल्म 'बाहुबली' और उसका सीक्वल। इन फिल्मों ने न सिर्फ भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई, बल्कि तमन्ना को पैन इंडिया स्टार बना दिया। उनकी दमदार मौजूदगी और रॉयल लुक आज भी दर्शकों को याद है।

**बॉलीवुड में वापसी और उतार–चढ़ाव**

साल 2013 में तमन्ना ने 'हिम्मतवाला' के जरिए बॉलीवुड में वापसी की। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही कमाल न दिखा पाई, लेकिन तमन्ना ने हार नहीं मानी। इसके बाद वह लगातार हिंदी फिल्मों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में नजर आती रहीं। 'बबली बाउंसर', 'प्लान ए प्लान बी' जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर यह साबित किया कि वह सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं हैं।

**आइटम सॉन्ग से लेकर दमदार किरदार तक**

तमन्ना के डांस नंबर्स हमेशा चर्चा में रहे हैं। 'आज की रात', 'नशा' और 'पिया के बाजार' जैसे गानों में उनके डांस मूव्स ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया। वहीं, कंटेंट ड्रिवन किरदारों में भी उन्होंने खुद को लगातार निखारा।

**ओटीटी पर भी चमका तमन्ना का टैलेंट**

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर तमन्ना ने 'जी करदा', 'आखिरी सच' और 'डू यू वाना पार्टनर' जैसी वेब सीरीज में गंभीर और परिपक्व अभिनय से आलोचकों का दिल जीता। इन प्रोजेक्ट्स के लिए उन्हें बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट में 'बेस्ट फीमेल एक्टर ऑफ द ईयर' का सम्मान भी मिला।

तमन्ना भाटिया की निजी जिंदगी

तमन्ना की पर्सनल लाइफ भी हमेशा सुर्खियों में रही है। अभिनेता विजय वर्मा के साथ उनका रिश्ता काफी समय तक चर्चा में रहा, हालांकि 2025 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। तमन्ना ने हमेशा अपनी निजी जिंदगी को गरिमा के साथ हैंडल किया और प्रोफेशनल फोकस को प्राथमिकता दी।

**फैशन क्वीन और रेड कार्पेट सेंसेशन**

रेड कार्पेट पर तमन्ना का हर लुक ट्रेंड बन जाता है। 2025 के फिल्मफेयर ग्लैमर एंड स्टाइल अवॉर्ड्स, ग्राजिया फैशन अवॉर्ड्स और जी सिने अवॉर्ड्स में उनके बोल्ड और एलिगेंट अवतार ने उन्हें फैशन आइकन के रूप में स्थापित कर दिया।

**एक्ट्रेस ही नहीं, सफल एंटरप्रेन्योर भी**

तमन्ना अभिनय के साथ-साथ बिजनेस की दुनिया में भी कदम जमा चुकी हैं। उन्होंने अपना ज्वेलरी ब्रांड 'वाइट एंड गोल्ड' लॉन्च किया, वेलनेस बुक 'बैक टू रूट्स' की सह-लेखिका बनीं और शुगर कॉस्मेटिक्स में निवेश कर अपनी कारोबारी समझ का परिचय दिया। आने वाले समय में तमन्ना सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में नजर आएंगी। 36 की उम्र में भी उनके करियर की रफ्तार साफ बताती है कि तमन्ना भाटिया का सफर अभी थमा नहीं है।

# उर्मिला मातोंडकर ने छोड़ी एक्टिंग? 51 साल की अभिनेत्री ने अफवाहों पर दिया रिएक्शन

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने 1977 की फिल्म 'कर्म' में एक चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर एक्टिंग डेब्यू किया था। 1991 में, उन्होंने 'नरसिम्हा' से लीड रोल में डेब्यू किया। इसके बाद वह 'रंगीला', 'जुदाई', 'कौन', 'भूत' और 'पिंजर' जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, वह कई वर्षों से स्क्रीन से दूर हैं, जिससे दर्शकों को लगता है कि उन्होंने शायद फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है। फिल्म से दूरी बनाने की अफवाहों पर उर्मिला ने अपनी बात रखी है।

**स्क्रीन पर वापसी करने को तैयार उर्मिला**

फिल्मों से दूरी बनाने की अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए उर्मिला मातोंडकर ने एचटी से कहा, 'जब मेरे काम की बात आती है, तो मैं हमेशा सेलेक्टिव रही हूं। अगर किसी को लगा कि शायद मैं फिल्में नहीं कर रही हूं या कुछ और, तो मैं किसी को दोष नहीं दे सकती। हालांकि ऐसा कभी नहीं था। मैं इस समय सिल्वर स्क्रीन पर वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।'

**ओटीटी पर काम करना चाहती हैं उर्मिला**

उर्मिला ने यह भी बताया कि वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू कर रही हैं। उन्होंने कहा 'अब सेट पर वापस जाने और फिर से धमाल मचाने का समय आ गया है।' उर्मिला ने बताया कि वह किस तरह के रोल करना चाहती हैं, 'मैं ऐसे रोल ढूंढ रही हूं जो मैंने पहले नहीं किए हैं, खासकर ओटीटी पर। क्योंकि ओटीटी पर बहुत कुछ हो रहा है, जिसने अलग-अलग तरह की शैलियों, किरदारों और भावनाओं के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं।'

**उर्मिला मातोंडकर का वर्कफ्रंट**

वर्क फ्रंट की बात करें तो, 51 साल की एक्ट्रेस उर्मिला को आखिरी बार 2022 में डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस सुपर मॉम्स में जज के तौर पर देखा गया था। वह सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अक्सर बेहतरीन तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

## 'आरडीएक्स के बिना 'वेलकम' नहीं थी, बस बात खत्म'

# फिल्म की रिलीज के 18 साल होने पर अनिल कपूर को याद आए फिरोज खान

कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' की रिलीज को आज रविवार को 18 साल पूरे हुए हैं। इस फिल्म का चार्म आज भी दर्शकों के बीच बरकरार है। इसमें अक्षय कुमार, अनिल कपूर, नाना पाटेकर कैटरीना कैफ और फिरोज खान जैसे सितारे नजर आए। फिरोज खान अब इस दुनिया में नहीं हैं। फिल्म की रिलीज को 18 साल होने पर एक्टर अनिल कपूर ने उन्हें याद किया है। साथ ही खुलासा किया कि फिल्म जब ठहर गई थी तो वह फिरोज खान ही थे जिन्होंने इसे उठाया।

**'उनकी जगह कोई नहीं ले सकता'**

अनिल कपूर ने अपने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म की कुछ झलकियां शेयर करते हुए लिखा है, 'फिल्म 'वेलकम' के 18 साल। यह फिरोज खान साहब के लिए है। आरडीएक्स के बिना 'वेलकम', वेलकम नहीं थी। ठीक वैसे ही जैसे मोगैम्बो के बिना 'मिस्टर इंडिया' अधूरी थी। दोनों की जगह कोई नहीं ले सकता, बस बात खत्म'।

**अनीस बज्मी ने कहा था, 'फिरोज साहब फिल्म संभाल लेंगे'**

एक अन्य पोस्ट में अनिल कपूर ने एक किस्सा सुनाया है, जब फिल्म में ठहराव आ रहा था। ऐसे में फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी ने फिरोज खान पर भरोसा जताया था और इसका असर भी हुआ। अनिल कपूर ने लिखा है, 'मुझे याद है, जब मैंने स्क्रिप्ट सुनी थी और सोच रहा था कि यह कैसी बनेगी? पिक्चर यहीं रुक जाती है, बैठ जाती है। अनीस भाई ने कहा, 'चिंता मत करो... फिरोज साहब पिक्चर संभाल लेंगे'। और, उन्होंने ऐसा ही किया। आरडीएक्स ने फिल्म को ऊपर उठा दिया। यह फिल्म, यह किरदार, यह मैडनेस और जादू'। बता दें कि साल 2009 में फिरोज खान का निधन हो गया था।

फिल्म 'वेलकम' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो इसने 70.13 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। इसे करीब 48 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया था। बॉक्स ऑफिस पर यह सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2015 में इसका सीक्वल वेलकम बैक आया। इसकी तीसरी कड़ी 'वेलकम टू द जंगल' है, जो अगले साल रिलीज होगी।

## पिता बनने पर विक्की कौशल का मजेदार जवाब

# इवेंट में बोले– एक्टिंग से ज्यादा डायपर बदलने में माहिर हो गया हूं, अवॉर्ड बेटे को किया डेडिकेट

हाल ही में पिता बने विक्की कौशल इस वक्त फादरहुड जर्नी को एंजॉय कर रहे हैं। एक हालिया इवेंट में विक्की ने पिता बनने के अनुभव के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि कैसे वो अपनी लाइफ के इस नए फेज का भरपूर आनंद ले रहे हैं।

विक्की हाल ही में दिल्ली में आयोजित एनडीटीवी के एक इवेंट में नजर आए। यहां उन्हें फिल्म छावा में उनकी एक्टिंग के लिए सम्मानित किया गया। एक्टर ने इस अवॉर्ड को अपने बेटे और फैमिली को डेडिकेट किया।

विक्की ने स्टेज पर कहा- 'धन्यवाद, यह मेरे परिवार और मेरे बेटे के लिए है, जो मेरे लिए आशीर्वाद बनकर आया है। ये पहली बार है जब मैं पिता बनने के बाद शहर छोड़कर आया हूं, और यह बहुत कठिन था। लेकिन मुझे यकीन है कि जब वह बड़ा होगा और इसे देखेगा, तो उसे अपने पिता पर गर्व होगा।'

जब उनसे पिता बनने की चुनौतियों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- 'अभी तो यह इतना नया है कि मुझे कोई चुनौती महसूस नहीं हो रही। सब कुछ मैजिकल सा है। सब कुछ बेहद सुकुन से भरा है।

मुझे नहीं पता कि मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता कि क्या एहसास है। मैं कई बातें कह सकता हूं, लेकिन यह एक बहुत ही खास एहसास है, और सच में, भगवान बहुत मेहरबान रहे हैं। परिवार बहुत खुश है और यह मेरे पूरे परिवार के लिए और खासकर बेटे के लिए है।'

जब स्टेज पर उनसे पूछा गया कि क्या एक्टिंग और डांस में महारत हासिल करने के बाद

उन्होंने डायपर बदलना में सीख लिया है? जवाब में हंसते हुए एक्टर ने कहा- 'मैं एक्टिंग से ज्यादा डायपर बदलने में माहिर हो गया हूं।'

विक्की के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इस साल की शुरुआत में छावा में नजर आए थे, जो कि बहुत बड़ी हिट रही थी। अब वो संजय लीला भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में दिखेंगे। इसमें उनके साथ आलिया भट्ट और रणबीर कपूर भी नजर आने वाले हैं।

विक्की और आलिया ने इससे पहले साल 2018 में मेघना गुलजार की फिल्म राजी में साथ काम किया था। इसके अलावा विक्की अमर कौशिक की फिल्म महाअवतार में नजर आने वाले हैं।

# मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' में रणवीर सिंह की तारीफ में पढ़े कसीदे कहा- शक्तिमान के लिए मना किया मगर अच्छा एक्टर है

रणवीर सिंह फिल्म 'धुरंधर' 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। हर कोई इस मूवी की वाहवाही कर रहा है। एक्टर की अक्सर आलोचना करने वाले मुकेश खन्ना ने भी आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर मूवी की तारीफ की है। यूट्यूब पर उन्होंने इसका रिव्यू किया है और कहा है कि ये आम जनता के लिए बनी फुल पैकेज फिल्म है।

मुकेश खन्ना ने अपने वीडियो में 'धुरंधर' के बारे में कहा कि ये एक परफेक्ट और कमर्शियल फिल्म है, जो सीधे आम जनता पर छाप छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि इसके सभी डिपार्टमेंट ने अपना बेस्ट दिया है। फिर चाहे एक्टिंग में हो, डायरेक्शन में हो, एक्शन में हो या फिर राइटिंग में हो। सभी ने अपना बेस्ट दिया है, 'जिससे आप इसे हर मायने में धुरंधर कह सकें।'

**मुकेश खन्ना ने 'धुरंधर' के बारे में कहा**

मुकेश खन्ना ने अक्षय खन्ना के बारे में कहा, 'आप सभी जानते हैं कि अक्षय खन्ना अपनी एक्टिंग के लिए सबसे ज्यादा सराहे जाने वाले एक्टर हैं। वह बहुत कम फिल्मों में काम करते हैं। कुछ समय पहले वह हीरो हुआ करते थे। कुछ फिल्में सफल रहीं तो कुछ नहीं, लेकिन उन्होंने हर फिल्म में अपनी छाप छोड़ी। इस फिल्म में उन्होंने न सिर्फ अपनी छाप छोड़ी, बल्कि सारे कॉम्पटीटर्स को पछाड़ दिया।'

**मुकेश खन्ना ने अक्षय खन्ना के बारे में कहा**

सिनेमा के इतिहास का जिक्र करते हुए मुकेश खन्ना ने अक्षय के इम्पैक्ट की तुलना पहले के दिग्गज विलेन से की। उन्होंने कहा,

'ऐसी बहुत कम फिल्में हैं, जिनमें विलेन की तारीफ हीरो से ज्यादा होती है।' उन्होंने कहा कि दशकों बाद भी 'शोले' के गब्बर का वो डायलॉग 'कितने आदमी थे', आज भी यादगार है।

**रणवीर सिंह की तारीफ में बोले मुकेश खन्ना**

रणवीर सिंह के बारे में बोले, 'हां मैं इस मूवी के हीरो धुरंधर रणवीर सिंह की तारीफ करना चाहूंगा। आप कहेंगे कि मैंने उसे शक्तिमान का किरदार निभाने नहीं दिया। मैंने भले ही उसे शक्तिमान की भूमिका देने से मना कर दिया हो, लेकिन वह एक अच्छा एक्टर है। मैं हमेशा यही कहता हूं। फिल्म में उनमें जबरदस्त एनर्जी है। उनकी आंखों में एक गहरी सोच झलकती है क्योंकि यह आदमी भारत से आया है और पाकिस्तान में बसाया गया है। वह इस दुनिया में कैसे प्रवेश करता है और एक गिरोह का सदस्य बन जाता है। धुरंधर की जो भूमिका उन्हें दी गई थी, उसमें उनका धीरे-धीरे विकास होना जरूरी था। मुझे यकीन है कि सीक्वल में उनकी पूरी कहानी को उजागर किया जाएगा।'

### महिला बीएलओ का गड़ासे से गला काटा, फिर खुद भी जहर खाकर दी जान;

रायबरेली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महिला रोजगार सेवक की गड़ासे से गला रेतकर घर में हत्या कर दी गई। उसका शव लहूलुहान हालत में पड़ा मिला। घटना की सूचना पर फारेंसिक टीम के साथ एएसपी, सीओ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने गांव के ही एक युवक पर हत्या किए जाने का आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की और पुलिस को शव उठाने से मना कर दिया। पुलिस ने आरोपित की छानबीन की तो गांव के एक खेत में पड़ा मिला। पुलिस उसे सीएचसी ले गई तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

चिकित्सक ने जहरीला पदार्थ खाने की आशंका जताई है। आरोपित की मौत होने की जानकारी के बाद ग्रामीण माने और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतका के जेठ की तहरीर पर पुलिस ने एफआइआर दर्ज की है। वहीं ग्रामीणों में प्रेम प्रसंग में घटना को अंजाम दिए जाने की बात की चर्चा रही।

# भारत का फाइटर जेट मिराज-2000 होगा अपग्रेड

## अब 160 किमी तक नहीं बचेगा टारगेट, कितना पॉवरफुल होगा आईएएफ का 'बूढ़ा शेर'?

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) मुख्यालय मिराज 2000 लड़ाकू विमानों की अपग्रेडेड फ्लीट में स्वदेशी अस्त्र एमके 1 बियॉन्ड विजुअल रेंज एयर टू एयर मिसाइल (बीवीआरएएएम) को शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। यह फैसला विदेशी अगली पीढ़ी की मिसाइलों के आने तक वायुसेना की क्षमतागत कमी को पाटने में अहम भूमिका निभा सकता है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के मिराज 2000 विमान एमआईसीए आईआर और एमआईसीए आरएफ मिसाइलों पर निर्भर हैं, जिनकी प्रभावी मारक दूरी लगभग 80 किलोमीटर बताई जाती है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह रेंज अब क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों के पास मौजूद लंबी दूरी की मिसाइल प्रणालियों की तुलना में कम मानी जा रही है, जिससे वायु युद्ध क्षमता पर असर पड़ सकता है।

**एमआईसीए एनजी पर काम जारी**

रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय रक्षा कंपनी एमबीडीए अगली पीढ़ी की एमआईसीए एनजी मिसाइल पर काम कर रही है, जिसकी अनुमानित रेंज 150 से 160 किलोमीटर तक होगी। यह मिसाइल भारत के अपग्रेडेड थेल्स 2000 5 विमानों के साथ संगत होने की पुष्टि कर चुकी है। हालांकि, इसकी डिलीवरी 2028 29 के अंत तक संभावित है, जबकि पूरी तरह ऑपरेशनल क्लीयरेंस मिलने में परीक्षण और एकीकरण प्रक्रिया के चलते 3 से 4 साल अतिरिक्त लग सकते हैं।

**आरडीवाई 2 रडार से लैस हैं अपग्रेडेड मिराज 2000**

भारतीय वायुसेना के अपग्रेडेड मिराज 2000 विमानों में आरडीवाई 2 ऑल वेदर सिंथेटिक अपर्चर रडार लगाया गया है। यह रडार 5 वर्ग मीटर रडार क्रॉस सेक्शन वाले फाइटर टारगेट को 120 से 140 किलोमीटर की दूरी से ट्रैक करने में सक्षम है। पहले के मिराज वेरिएंट में थॉमसन सीएसएफ आरडीएम रडार था, लेकिन आरडीवाई 2 अब मल्टी मोड और बीवीआर युद्ध के लिए कहीं अधिक सक्षम माना जा रहा है।

यदि एस्ट्रा एमके 1 को मिराज 2000 में शामिल करने की मंजूरी मिलती है, तो इसके लिए थेल्स के साथ तकनीकी सहयोग आवश्यक होगा। इससे आरडीवाई 2 रडार और एस्ट्रा मिसाइल के बीच सटीक डेटा लिंक स्थापित किया जा सकेगा, ताकि मिसाइल की फायर एंड फॉरगेट क्षमता और गाइडेंस पूरी तरह प्रभावी रहे। एस्ट्रा एमके 1 पहले ही एसयू 30एमकेआई और तेजस लड़ाकू विमानों पर सफलतापूर्वक ऑपरेशनल हो चुकी है।

**स्वदेशी विकल्प से जल्द मिलेगा रणनीतिक लाभ**

एमआईसीए एनजी के पूरी तरह तैयार होने में जहां 2030 के शुरुआती वर्षों तक का इंतजार हो सकता है, वहीं एस्ट्रा एमके 1 एक समयबद्ध, किफायती और स्वदेशी अंतरिम समाधान के रूप में सामने आ रही है। आरडीवाई 2 रडार की मजबूत डिटेक्शन क्षमता के साथ एस्ट्रा एमके 1 की तैनाती मिराज 2000 बेड़े की मारक दूरी और घातक क्षमता को जल्दी बढ़ा सकती है।

**आत्मनिर्भर भारत को मिलेगा बड़ा बढ़ावा**

एस्ट्रा एमके 1 को मिराज 2000 में शामिल करने का फैसला आत्मनिर्भर भारत पहल को मजबूती देगा। इससे न केवल स्वदेशी मिसाइल प्रणाली का व्यापक उपयोग होगा, बल्कि विदेशी अपग्रेड्स पर निर्भरता भी कम होगी। साथ ही, यह मिराज 2000 विमानों को भविष्य के चुनौतीपूर्ण हवाई युद्ध परिदृश्यों में प्रासंगिक बनाए रखने में मदद करेगा।

# जालंधर के दियालपुर में नाकाबंदी हथियार के साथ युवक पकड़ा

जालंधर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जालंधर से सटे गांव दियालपुर में नशे के बढ़ते कारोबार और लगातार हो रही लूटपाट की घटनाओं से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई न होने से नाराज चार गांवों के लोगों ने आपसी सहमति से सड़क पर नाकाबंदी कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि नशेबाजों और नशा तस्करों ने इलाके में दहशत का माहौल बना रखा है, जिससे आम लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। नाकाबंदी के दौरान ग्रामीणों ने दो मोटरसाइकिलों पर सवार युवकों को रोका। इस बीच एक युवक मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। तलाशी लेने पर पकड़े गए युवक के पास से तेजधार हथियार और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। युवक की मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट भी नहीं थी, जिससे ग्रामीणों का शक और गहरा गया। बाद में ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि नशे की वजह से गांव में अपराध तेजी से बढ़े हैं। आए दिन इस मार्ग पर लूटपाट की घटनाएं हो रही थीं। महिलाओं और बुजुर्गों को निशाना बनाया जा रहा था। कुछ दिन पहले एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका से रास्ते में मोबाइल और नकदी छीन ली गई थी, वहीं एक बुजुर्ग को हथियार दिखाकर उसकी सोने की अंगूठी लूट ली गई। ग्रामीणों का आरोप है कि नशे के आदी और असामाजिक तत्व हथियारों के साथ गांव में आते हैं, वारदात को अंजाम देते हैं और लूटे गए पैसों से दोबारा नशा खरीद लेते हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। पकड़े गए युवक ने पूछताछ में खुद को दोस्त से मिलने आया बताया, लेकिन जब उससे दोस्त का पता पूछा गया तो वह कोई जवाब नहीं दे सका। इससे ग्रामीणों का शक और पुख्ता हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नशा तस्करों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि गांवों में शांति और सुरक्षा बहाल हो सके।

# हिजबुल मुजाहिदीन का सरगना 'सलाहुद्दीन' के खिलाफ गैर जमानती वारंट, कोर्ट ने दिया गिरफ्तार करने का आदेश

जम्मू, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के बडगाम जिले में एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने पाकिस्तान में रह रहे हिजबुल मुजाहिदीन के सरगना मोहम्मद यूसुफ शाह उर्फ सैयद सलाहुद्दीन के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस को उसे गिरफ्तार करने का निर्देश भी दिया है।

सलाहुद्दीन, जिन्होंने 1987 में घाटी में विधानसभा चुनाव लड़ा था। 1990 में कश्मीर में उग्रवाद फैलने पर पाकिस्तान भाग गया था। कश्मीर की स्पेशल कोर्ट ने कहा कि हिजबुल मुजाहिदीन प्रमुख गिरफ्तारी से बच रहा है। गैर-जमानती वारंट जारी कर उसे गिरफ्तार किया जाए। पाकिस्तान में रहने वाले हिजबुल मुजाहिदीन के सरगना मोहम्मद यूसुफ शाह, जिन्हें सैयद सलाहुद्दीन के नाम से जाना जाता है। उसके खिलाफ 2012 में पुलिस द्वारा दर्ज किए गए आतंकवाद से जुड़े एक मामले में गैर-जमानती वारंट जारी हुआ है।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अधिनियम के तहत नामित विशेष न्यायाधीश की कोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के विभिन्न प्रावधानों और रणबीर दंड संहिता (आरपीसी) की धारा 506 के तहत दर्ज मामले की सुनवाई के बाद यह निर्देश जारी किया। रणबीर दंड संहिता, 2019 तक जम्मू कश्मीर के लिए विशिष्ट आपराधिक कानूनी संहिता थी, जो भारतीय दंड संहिता के समान थी। कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी ने पर्याप्त सबूत जुटाए हैं, जो प्रथम दृष्टया शाह को संप्रभुता को खतरा, आतंकी साजिश और आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता से संबंधित यूएपीए की धारा 13, 18, 20 और 39 के तहत विभिन्न अपराधों से जोड़ते हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि आरोपी गिरफ्तारी से बच रहा है, इसलिए सैयद सलाहुद्दीन के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया और जम्मू कश्मीर पुलिस को प्राथमिकी के संबंध में उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया।

बता दें कि सलाहुद्दीन 1993 में पाकिस्तान भाग गया था और 2020 में सरकार द्वारा उसे आतंकवादी घोषित किया गया था। वह वर्तमान में पाकिस्तान से ही अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा है और कई आतंकी संगठनों के समूह यूनाइटेड जिहाद काउंसिल (यूजेसी) का प्रमुख भी है। एनआईए ने 2023 में सलाहुद्दीन और उसके दो बेटों से जुड़ी संपत्तियों को कुर्क कर लिया था। आतंकी वित्तपोषण मामले में गिरफ्तारी के बाद उसके बेटों को 2021 में सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था।

# नए साल पर दहलाने की साजिश: पठानकोट के रास्ते पाक आतंकी घुसपैठ की फिराक में, सैन्य ठिकानों पर हमले का षड्यंत्र

पठानकोट, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान एक बार फिर नए साल पर पंजाब में दहशत फैलाने की योजना बना रहा है। उसने पंजाब के रास्ते घुसपैठ कराने के लिए आतंकियों को तैयार कर लिया है और उनकी मदद के लिए सीमा क्षेत्र के अपने स्लीपर सैल एक्टिवेट कर दिए हैं। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर पंजाब पुलिस ने गंदला लाहड़ी क्षेत्र से आतंकियों के संदिग्ध मददगार बिल्लू गुज्जर को हिरासत में लिया है। दूसरा व्यक्ति नजाकत हुसैन फिलहाल लापता है।

उसकी तलाश की जा रही है। एसएसपी दलजिंदर सिंह ने बताया कि बिल्लू को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। फिलहाल अन्य आरोपों के संबंध में जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान में बैठे आतंकी संगठन एक बार फिर पठानकोट में बड़ा हमला करने की साजिश रच रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि खुफिया एजेंसियों के मुताबिक कुछ आतंकी जम्मू कश्मीर और पठानकोट में घुसपैठ करने की फिराक में हैं।

**साजिश का मास्टरमाइंड पाकिस्तानी नागरिक मुजफ्फर अहमद**

इन आतंकियों का उद्देश्य पठानकोट एयरबेस, रेलवे स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर हमला करना है। इस साजिश का मास्टरमाइंड पाकिस्तानी नागरिक मुजफ्फर अहमद हैं, जो पठानकोट में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आतंकी नेटवर्क चला रहे हैं। एजेंसियों को यह इनपुट भी प्राप्त हुआ है कि यह हमला नए साल की पूर्व संध्या यानी 25-31 दिसंबर के बीच हो सकता है। इन आतंकियों ने संचार के लिए वर्चुअल नंबरों का इस्तेमाल किया है, जिससे उनकी पहचान में मुश्किलें आ रही हैं।

**पठानकोट एयरबेस और अन्य स्थानों पर नजर**

खुफिया एजेंसियों ने दो प्रमुख इनपुट साझा किए हैं। पहली जानकारी में बताया गया था कि 17-18 दिसंबर की रात तीन आतंकी अपने स्थानीय मददगारों बिल्लू गुज्जर और नजाकत हुसैन की मदद से पठानकोट में घुसपैठ करेंगे। इन आतंकियों का उद्देश्य पठानकोट के सैन्य ठिकानों और एयरबेस पर हमला करना है।

सुरक्षा बढ़ाते हुए जिला पठानकोट में पुलिस, सेना और विशेष कमांडो की तैनाती की गई है। एक अन्य खुफिया सूचना में सामने आया है कि पठानकोट के एक धर्मशाला में कुछ स्लीपर सैल ठहरे हुए हैं जो इलाके की रेकी कर रहे हैं।

**सुरक्षा बल हुए अलर्ट**

पठानकोट जिले के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे डमटाल, ढांगू, भदरोया और मीलवां में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। एसएसपी दलजिंदर सिंह ने बताया कि रात के समय सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ा दी गई है और पूरी रात विशेष चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इंटरस्टेट नाकों पर सख्त जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को शहर में प्रवेश न करने दिया जाए।

**पठानकोट एयरबेस पर हुआ था हमला**

पठानकोट में आतंकी घटनाओं का इतिहास भी रहा है। एक जनवरी 2016 को पठानकोट एयरबेस पर हुए हमले में छह आतंकियों ने भारतीय सेना की वर्दी पहनकर एयरबेस की सुरक्षा में सेंध लगाई थी। यह हमला भी नए साल से पहले हुआ था, जो पठानकोट में आतंकी गतिविधियों की गंभीरता को दर्शाता है। पठानकोट के संवेदनशील इलाकों में 24 घंटे चौकसी और गश्त बढ़ाई गई है। सुरक्षा बलों ने विशेष निगरानी हेतु अतिरिक्त फोर्स तैनात की है।

### मुस्लिम युवक से करना चाहती थी शादी, भाई का चढ़ गया पारा, दोस्त से करवा दी बहन की हत्या

गुरुग्राम, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मानेसर में एक भाई ने अपने दोस्त के साथ मिलकर अपनी ही बहन की हत्या करा दी। वह भी सिर्फ इसलिए, क्योंकि बहन दूसरे धर्म के युवक के साथ शादी करना चाहती थी, लेकिन ये बात उसके भाई को मंजूर नहीं थी। उसने अपने दोस्त के साथ साजिश रची। भाई का दोस्त बहन को सुनसान जगह पर ले गया और पहले उसका रेप किया, फिर हत्या कर दी। मृतका उत्तर प्रदेश के एटा की रहना वाली थी। उसके भाई और भाभी गुरुग्राम के मानेसर में रहते हैं। वह अक्सर भाई-भाभी के घर पर आती थी। इसी दौरान उसका मानेसर के रहने वाले एक मुस्लिम युवक के साथ प्रेम प्रसंग हो गया था और वह उसी से शादी करना चाहती थी।

### 'बांग्लादेशी एहसान फरामोश', हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग पर भड़के इमाम इलियासी, पीएम मोदी से दखल देने की मांग

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग परऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के चीफ इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद इलियासी ने कहा कि इंसानियत शर्मसार हुई है। यह इंसानियत का कत्ल है। जिस बेरहमी से बच्चे का कत्ल किया गया और उसकी मौत के बाद उसके साथ जो किया गया, उसे पेड़ से लटकाया गया, वह सरासर गलत है। जिन बांग्लादेशियों की भारत ने हमेशा मदद की है, ये एहसानफरामोश बांग्लादेशी भूल गए हैं कि भारत हर तरह से उनके साथ खड़ा रहा है। इलियासी ने कहा कि मानवाधिकार संगठन कहां हैं? आज वे क्यों नहीं बोल रहे हैं? यह किस तरह की इस्लामी शिक्षा है कि वे इस तरह के कत्ल कर रहे हैं?। ये इस्लाम के मानने वाले नहीं हो सकते। पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को दखल देना चाहिए। बता दें कि बांग्लादेश के मैमनसिंह ज़िले में 27 साल के दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू युवक को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। बृहस्पतिवार को कथित ईशनिंदा को लेकर भीड़ ने दीपू चंद्र दास की पीटकर हत्या कर दी थी और शव को आग लगा दी थी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शनिवार को कहा कि इस मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले साल देश में जुलाई में हुए विद्रोह में एक प्रमुख चेहरा रहे युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में अशांति के बीच यह लिंचिंग हुई। पुलिस के अनुसार, मजदूरी करने वाले दास को पहले भीड़ ने ईशनिंदा के आरोपों में फैक्टरी के बाहर पीटा और फिर पेड़ से टांग दिया। पुलिस ने कहा कि इसके बाद भीड़ ने मृतक के शव को ढाका-मैमेनसिंह राजमार्ग के किनारे छोड़ दिया और बाद में उसमें आग लगा दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद किया और उसे पोस्टमॉर्टम के लिए मैमेनसिंह मेडिकल कॉलेज के शवगृह में भेज दिया।

# डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर समेत अमेरिकी सरकारी वेबसाइट से गायब हुईं 16 एपस्टीन फाइलें

वॉशिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जेफरी एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स के लिए जस्टिस डिपार्टमेंट के पब्लिक वेबपेज से कम से कम 16 फाइलें गायब हो गई हैं। जो फाइलें गायब हुई हैं उनमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर भी शामिल थी। ये फाइलें एक दिन पहले ही साझा की गई थीं लेकिन अब वो वेबपेज पर उपलब्ध नहीं हैं। अमेरिकी सरकार की ओर से इसे लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह नहीं बताया कि फाइलें क्यों हटाई गईं या क्या उनका गायब होना जानबूझकर किया गया था।

गायब हुई फाइलों में एपस्टीन के घरों की तस्वीरें, न्यूड पेंटिंग्स और एक फोटो शामिल थी, जिसमें ट्रंप और एपस्टीन साथ दिख रहे थे। यह फोटो एक दराज में रखी गई तस्वीरों के बीच थी। बिना किसी एक्सप्लेनेशन के गायब हुई फाइलों ने इस बारे में अटकलों को हवा दी है कि क्या हटाया गया है और

पब्लिक को क्यों इन्फॉर्म नहीं किया गया। इससे एपस्टीन और उनके आसपास के पावरफुल लोगों के बारे में लंबे समय से चला आ रहा रहस्य और भी बढ़ गया है। हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट्स ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप की तस्वीर वाली गायब इमेज की ओर इशारा करते हुए लिखाः और क्या छिपाया जा रहा है? हमें अमेरिकी पब्लिक के लिए ट्रांसपेरेंसी चाहिए। फिलहाल, सार्वजनिक किए गए हजारों पन्नों में एपस्टीन के अपराधों या उन अभियोजन फैसलों के बारे में बहुत कम नई जानकारी मिली, जिनकी वजह से वह सालों तक गंभीर संघीय आरोपों से बचता रहा। एपस्टीन के बारे में उम्मीद किए जा रहे कुछ सबसे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड न्याय विभाग के शुरुआती खुलासों में कहीं नहीं मिले, जो हजारों पन्नों में फैले हुए हैं।

FBI के सर्वाइवर्स के इंटरव्यू और जस्टिस डिपार्टमेंट के अंदरूनी मेमो गायब हैं, जिनमें चार्ज लगाने के फैसलों की जांच की गई थी। ये रिकॉर्ड यह समझाने में मदद कर सकते थे कि जांचकर्ताओं ने इस मामले को कैसे देखा और 2008 में एपस्टीन को एक अपेक्षाकृत छोटे राज्य-स्तरीय प्रॉस्टिट्यूशन चार्ज में दोषी क्यों माना गया। कांग्रेस की ओर से पास किए गए एक हालिया कानून के तहत जारी किए जाने वाले रिकॉर्ड में, एपस्टीन से लंबे समय से जुड़े कई प्रभावशाली लोगों का शायद ही कोई ज़िक्र है, जिसमें ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस एंड्रयू भी शामिल हैं,

# निर्माणाधीन बेसमेंट की दीवार ढही

## मलबे में दब गए लोग, मची चीखपुकार सात घायल अस्पताल में भर्ती

आगरा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा के बटेश्वर के बिजकौली गांव में जोर सिंह के निर्माणाधीन मकान के बेसमेंट में रविवार सुबह 11 बजे कुछ लोग अलाव पर ताप कर ताश खेल रहे थे। बेसमेंट में मिट्टी का भराव हो रहा था। इसके दबाव में मिट्टी संग बेसमेंट की दीवार ढह गई। बेसमेंट में मौजूद लोग मलबे में दब गए। इससे अफरातफरी और चीखपुकार मच गई। मौके पर पहुंचे लोग मलबा हटा कर दबे हुए लोगों को बाहर निकालने में जुट गए। सूचना पर बाह से एसडीएम संतोष कुमार शुक्ला, तहसीलदार संपूर्ण कुलश्रेष्ठ, बीडीओ नीरज तिवारी, ब्लॉक प्रमुख लाल सिंह चौहान आदि पहुंच गए। रेस्क्यू कर बाहर निकाले गए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां से सभी को एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मलबे में दब कर घायल हुए लोगों में उत्तम सिंह (50) पुत्र आसाराम, धर्मेंद्र सिंह (42) पुत्र नाथूराम, सुनील कुमार (38) पुत्र दूरबीन सिंह, हीरालाल (60) पुत्र नंदराम, रामेंद्र सिंह (58) पुत्र वेद सिंह, कल्लू (32) पुत्र राम खिलाड़ी, योगेश (45) पुत्र राज बहादुर शामिल हैं।

### 'इस्लामी विचारधारा से अमेरिका को खतरा', यूएस खुफिया विभाग की निदेशक तुलसी गबार्ड का बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में वार्षिक अमेरिका फेस्ट या एमफेस्ट 2025 सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन को अमेरिका की डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस तुलसी गबार्ड ने भी संबोधित किया। अपने संबोधन में तुलसी गबार्ड ने इस्लाम और इस्लामी विचारधारा को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस्लामी विचारधारा अमेरिका के लिए बड़ा खतरा है। तुलसी गबार्ड ने अपने संबोधन में कहा, 'इस्लामी विचारधारा के खतरे कई रूपों में हमारे सामने आ रहे हैं। जब क्रिसमस आ रहा है तो जर्मनी में इस्लामी विचारधारा के खतरे के चलते ही क्रिसमस बाजार रद्द किए जा रहे हैं। मिशिगन, मिनियापोलिस, मिनेसोटा में मौलवी खुलेआम इस इस्लामी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं और युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं।' तुलसी गबार्ड ने कहा, 'इस साल की शुरुआत में इस्लामिक संगठनों की एक बैठक हुई थी, जिसमें अमेरिका में कई जगहों पर शरिया कानून लागू करने की मांग की गई थी।

# 'छत्तीसगढ़ सीएम से बीजेपी नेता ने मांगे 1500 करोड़' वायरल वीडियो से मचा हड़कंप, एफआईआर दर्ज

रायपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। हाल ही में सोशल मीडिया पर कई ऐसे पोस्ट और वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें आरोप लगाया गया है कि बीजेपी के सीनियर नेता और वर्किंग प्रेसिडेंट नितिन नवीन ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से 1,500 करोड़ रुपये वसूले हैं। इन आरोपों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए, रायपुर उत्तर से बीजेपी एमएलए पुरंदर मिश्रा ने रायपुर के पुलिस अधीक्षक के पास एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने इस कैंपेन को भारतीय जनता पार्टी के टॉप लीडरशिप और छत्तीसगढ़ सरकार को बदनाम करने के मकसद से एक सोची-समझी राजनीतिक साज़िश बताया है। अपनी शिकायत में, मिश्रा ने कहा कि जानबूझकर बनाया गया और गुमराह करने वाला वीडियो कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वीडियो का असलियत से कोई लेना-देना नहीं है और इसमें मुख्यमंत्री विष्णु देव , बीजेपी के नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट नितिन नवीन और कई दूसरे सीनियर नेताओं पर 1,500 करोड़ वसूलने या उगाही करने का झूठा आरोप लगाया गया है। एमएलए ने कंटेंट को झूठा, गलत इरादे वाला और आपत्तिजनक बताते हुए आरोप लगाया कि इसमें संवैधानिक अधिकारियों की इज्जत को नुकसान पहुंचाने और जनता को गुमराह करने के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है। मिश्रा ने भारतीय न्याय संहिता 2023 और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट के कड़े नियमों के तहत तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की डिटेल जांच के लिए साइबर सेल को सौंप दिया जाए और वीडियो बनाने, अपलोड करने, शेयर करने और उसे बढ़ाने में शामिल सभी लोगों की पहचान की जाए और उन पर गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाए।

**बीजेपी नेताओं को बदनाम करने की कोशिश**

शिकायत के मुताबिक, गलत जानकारी देने वाले इस कैंपेन का निशाना न सिर्फ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और नितिन नवीन हैं, बल्कि डिप्टी चीफ मिनिस्टर अरुण साव और विजय शर्मा, फाइनेंस मिनिस्टर ओ।पी। चौधरी, रीजनल ऑर्गनाइजेशन जनरल सेक्रेटरी अजय जामवाल, स्टेट बीजेपी प्रेसिडेंट किरण सिंह देव और स्टेट ऑर्गनाइजेशन जनरल सेक्रेटरी पवन साय भी हैं। मिश्रा ने कहा कि यह कैंपेन सिर्फ पर्सनल बदनामी का काम नहीं है, बल्कि डेमोक्रेटिक संस्थाओं और जनता के भरोसे पर सीधा हमला है। बीजेपी नेता संजय श्रीवास्तव ने भी रायपुर एसएसपी के पास एक अलग शिकायत दर्ज कराई, जिसमें वायरल वीडियो को एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश बताया गया। उन्होंने मिश्रा की मांग को दोहराया कि इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की जाए और कहा कि झूठे और गुमराह करने वाले प्रोपेगैंडा के ज़रिए जानबूझकर बीजेपी के टॉप लीडरशिप की इमेज खराब करने की कोशिश की जा रही है।

**एफआईआर दर्ज कर ली गई**

शिकायत के हिस्से के तौर पर, वायरल वीडियो के स्क्रीनशॉट, सोशल मीडिया पोस्ट के लिंक और कंटेंट फैलाने में कथित तौर पर शामिल अकाउंट्स की एक लिस्ट पुलिस को सौंपी गई। वायरल मटीरियल से जुड़े पैसे की मांग के बारे में एक और शिकायत भी दर्ज की गई है। शिकायतों का जवाब देते हुए, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि एक एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच शुरू कर दी गई है। साइबर सेल को पोस्ट की शुरुआत का पता लगाने और कथित गलत जानकारी फैलाने के लिए ज़िम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए कहा गया है।

# चीन के सबसे ताकतवर हथियार की धार होगी कुंद

## अमेरिका को सप्लाई में कटौती, इन 5 देशों के साथ भारत पर नजर

नई दिल्ली,21 दिसंबर (एजेंसियां)। नवंबर में चीन से अमेरिका को होने वाले दुर्लभ-पृथ्वी चुंबकों (रेयर अर्थ मैग्नेट्स) का निर्यात अक्टूबर की तुलना में 11% कम हो गया। ऐसा तब हुआ है जब कहा जा रहा है कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध में नरमी आई है।

चीनी सीमा शुल्क डेटा के अनुसार, अमेरिका को भेजे गए रेयर अर्थ मैग्नेट्स की खेप अक्टूबर में 656 टन से घटकर लगभग 582 टन रह गई। हालांकि, एक अलग रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी दुर्लभ-पृथ्वी उत्पादों की बिक्री महीने-दर-महीने बढ़ी है। इसमें चुंबक प्रमुख हैं। रेयर अर्थ मैग्नेट सैन्य उपकरणों से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक में इस्तेमाल होते हैं। इस साल अमेरिका के साथ चीन के व्यापार युद्ध में ये ड्रैगन का शक्तिशाली हथियार रहे हैं। अप्रैल में जब बीजिंग ने निर्यात नियमों को कड़ा किया था तो अमेरिका को भेजे जाने वाले मैग्नेट्स की खेप 50 टन से भी कम रह गई थी। इससे दुनिया भर में इनकी भारी कमी होने की आशंका पैदा हो गई थी। साल भर में कई बार तनाव बढ़ा और फिर कुछ समय के लिए शांति भी रही। लेकिन, अब निर्यात फिर से सामान्य स्तर पर आ गया है।

**ये 5 देश बदल सकते हैं सीन**

इस बीच, अन्य देश भी रेयर अर्थ के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान ने हाल ही में एक बैठक की है। मध्य एशिया के इन पांच देशों के पास सोना, दुर्लभ-पृथ्वी तत्व और यूरेनियम जैसे विशाल खनिज संसाधन हैं। रूस, चीन, दक्षिण एशिया और मध्य पूर्व के बीच इनकी भौगोलिक स्थिति इन्हें बुनियादी ढांचे और व्यापार के लिए एक रणनीतिक गलियारा बनाती है।

दुर्लभ-पृथ्वी एलिमेंट 17 तत्वों का समूह है। इन्हें 'रेयर' इसलिए नहीं कहा जाता कि ये धरती पर कम मिलते हैं (वास्तव में ये काफी मात्रा में उपलब्ध हैं)। इसके बजाय यह इस कारण है कि इन्हें शुद्ध रूप में निकालना और प्रोसेस करना बहुत कठिन, महंगा और पर्यावरणीय रूप से जटिल होता है। ये तत्व आमतौर पर एक साथ मिश्रित पाए जाते हैं। इन्हें अलग करना एक बड़ी चुनौती होती है। चीन का इस क्षेत्र में दबदबा है। ये तत्व आधुनिक तकनीक के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इनका इस्तेमाल स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, पवन टरबाइन और रक्षा उपकरणों जैसे कई उत्पादों में होता है। चीन दुनिया में दुर्लभ-पृथ्वी का सबसे बड़ा उत्पादक है। अमेरिका और भारत समेत कई देश अपनी सप्लाई के लिए चीन पर बहुत अधिक निर्भर हैं।

**भारत ने भी तेज कर दी हैं कोशिशें**

व्यापार युद्ध के दौरान चीन की निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की धमकी ने अमेरिका और अन्य देशों को रेयर अर्थ के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करने के लिए प्रेरित किया है। मध्य एशियाई देशों का यह कदम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण विकास हो सकता है। इन देशों के पास मौजूद खनिज भंडार और उनकी रणनीतिक स्थिति उन्हें रेयर अर्थ सप्लाई चेन में महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना सकती है। भारत ने 'रेयर अर्थ' क्षेत्र में चीन के वर्चस्व को चुनौती देने और आत्मनिर्भर बनने के लिए हाल में अपनी रणनीति काफी तेज कर दी है। राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन के तहत केएबीआईएल(खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड) की स्थापना की गई है। इसका मुख्य काम विदेश, विशेषकर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका (जैसे अर्जेंटीना और चिली) में रेयर अर्थ और लिथियम जैसी महत्वपूर्ण खनिज संपदा की पहचान करना और वहां खनन अधिकार हासिल करना है। भंडार के मामले में भारत दुनिया में पांचवें नंबर पर है। लेकिन, प्रोसेसिंग तकनीक की कमी के कारण हम अभी भी अपनी जरूरतों के लिए काफी हद तक चीन पर निर्भर हैं। भारत के पास दुनिया का लगभग 6% रेयर अर्थ भंडार है। यह मुख्य रूप से तटीय राज्यों (ओडिशा, केरल, तमिलनाडु) की रेत में मिलता है।

# एलन मस्क पर खूब बरस रहा पैसा, 700 अरब डॉलर के पार हुई नेटवर्थ, रच दिया इतिहास

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया में इस समय एक शख्स पर खूब पैसा बरस रहा है। दौलत इतनी इकट्ठी हो रही है कि यह शख्स लगभग रोजाना रेकॉर्ड बना रहा है। इस शख्स का नाम एलन मस्क है। रॉयटर्स के मुताबिक एलन मस्क इतिहास के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए हैं जिनकी नेटवर्थ 700 अरब डॉलर से ज्यादा हो गई है। यह सब इलेक्ट्रिक-गाड़ी बनाने वाली कंपनी टेस्ला में उनके बड़े सैलरी पैकेज को एक कोर्ट के फैसले से फिर से बहाल होने के बाद हुआ है। पिछले हफ्ते, डेलावेयर सुप्रीम कोर्ट ने मस्क के साल 2018 के पे पैकेज से जुड़े स्टॉक ऑप्शन को फिर से बहाल कर दिया। पहले एक निचली अदालत ने इन्हें रद्द कर दिया था। इस फैसले के बाद मस्क की अनुमानित संपत्ति बढ़कर करीब 749 अरब डॉलर हो गई। ये स्टॉक ऑप्शन अब लगभग 139 अरब डॉलर के हैं, जो कि डील को पहली बार मंजूरी मिलने के समय के 56 अरब डॉलर के आंकड़े से कहीं ज्यादा है।

**क्या कहा कोर्ट ने?**

हाई कोर्ट ने कहा कि एलन मस्क के पे पैकेज को रद्द करने का पिछला फैसला गलत और अनुचित था। इसने साल 2024 के उस फैसले को पलट दिया जिसमें इस डील को 'अविश्वसनीय' कहा गया था। इस पैकेज के बहाल होने से मस्क की संपत्ति में जबरदस्त इजाफा हुआ और वे दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए, वो भी बहुत बड़े अंतर से।

**सबसे बड़ा पैकेज**

नवंबर में टेस्ला के शेयरधारकों ने मस्क के लिए 1 ट्रिलियन डॉलर के एक नए पे प्लान को मंजूरी दी थी। यह किसी भी कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव के लिए अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है। इस कदम से निवेशकों का मस्क की योजनाओं के प्रति मजबूत समर्थन दिखा, जिसमें टेस्ला को सिर्फ इलेक्ट्रिक कारों में ही नहीं, बल्कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स में भी लीडर बनाना शामिल है।

**दूसरे नंबर से कितना आगे?**

फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक, मस्क की संपत्ति अब उनके सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी, गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज से लगभग 500 अरब डॉलर ज्यादा है। इसी हफ्ते की शुरुआत में, मस्क की संपत्ति पहली बार 600 अरब डॉलर के पार गई थी। यह तब हुआ जब ऐसी खबरें आईं कि उनकी स्पेस कंपनी SpaceX पब्लिक हो सकती है, जिससे उनकी दौलत और बढ़ सकती है।

# एचएएल-बीईएल में किया है निवेश? तब इस कंपनी पर भी डालें एक नजर

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के डिफेंस सेक्टर में अब सिर्फ हथियार और भारी मशीनों का दौर नहीं रहा, बल्कि डिजिटल और सिम्यूलेशन आधारित तकनीक तेज़ी से अहम हो रही है. इसी बदलाव के बीच ज़ेन टेकनोलोजी ईएस एक ऐसी कंपनी के रूप में उभरी है जिसने शुरू से ही सैनिकों को वर्चुअल ट्रेनिंग देने पर ध्यान दिया. आज, जब सेना जंग की तैयारी को सिम्यूलेशन और डिजिटल सिस्टम की ओर मोड़ रही है, जेन इस ट्रेंड की सबसे बड़ी लाभार्थी बन गई है.

**सिम्यूलेशन ट्रेनिंग से शुरू हुआ सफर**

ज़ेन टेकनोलोजीईएस की शुरुआत तब हुई जब भारत की बाकी डिफेंस कंपनियां हथियार और उपकरण बना रही थीं. जेन ने मैदान में लड़ने की बजाय सैनिकों को ट्रेनिंग देने का रास्ता चुना. शुरुआत में यह कदम मामूली और जोखिम भरा लग रहा था, लेकिन समय के साथ युद्ध की स्थितियां बदलीं और दुनिया ने समझा कि असली नुकसान युद्ध में गलती करने से होता है. इसलिए वर्चुअल ट्रेनिंग की मांग बढ़ने लगी.

**भारतीय सेना में सिम्यूलेशन की बढ़ती भूमिका**

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सेना ने भी प्रशिक्षण के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाया. फिजिकल ट्रेनिंग के साथ अब वर्चुअल ट्रेनिंग, इंटीग्रेटेड फायरिंग रेंज और डिजिटल विश्लेषण को शामिल किया जा रहा है. जेन ने इस परिवर्तन को पहले ही भांप लिया था और इसी वजह से एफवाई24 में इसका राजस्व 440 करोड़ और एफवाई25 में 974 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. कंपनी का ऑर्डर बुक भी मजबूत है, जो भविष्य में और वृद्धि का संकेत देती है.

**एंटी-ड्रोन सिस्टम**

जेन अब केवल सिम्यूलेशन ट्रेनिंग तक सीमित नहीं. कंपनी ने एंटी-ड्रोन तकनीक, कॉम्बैट जोन एनालिटिक्स और ऑटोमेटेड सिक्योरिटी सिस्टम में भी प्रवेश किया है. आधुनिक युद्ध में ड्रोन खतरे बढ़ने के बाद इसके समाधान और भी महत्वपूर्ण हो गए हैं. इन तकनीकों ने कंपनी को उच्च मार्जिन और स्थिर ग्रोथ दिलाई है, जिससे इसका वित्तीय प्रदर्शन बेहतर हुआ है.

**मजबूत वित्तीय स्थिति**

कंपनी का कर्ज लगभग नहीं के बराबर है. मार्जिन 33-42% के बीच रहे, और आरओसीई करीब 37% तक पहुंच गया. शेयर ने तीन साल में 90% सीएजीआर की तेजी दिखाई है. यानी जेन अब साधारण ठेकेदारी नहीं, बल्कि टेक-ओरिएंटेड डिफेंस कंपनी के रूप में पहचानी जा रही है.भारत डिजिटल डिफेंस पर ध्यान बढ़ा रहा है.

# 7 दिन में 50% रिटर्न, 10 रुपये से कम की क्रिप्टोकरेंसी ने खड़े-खड़े छाप दिए नोट, बिटकॉइन के छुड़ाए छक्के

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी में पिछले काफी समय से उतार-चढ़ाव बना हुआ है। वहीं कई क्रिप्टो ऐसी हैं जिनपर इस गिरावट का कोई असर नहीं पड़ा। इन्होंने मात्र कुछ ही दिनों में निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। इन्हीं में एक क्रिप्टो कैंटन है। इसने 7 दिन में इतना जितना रिटर्न दिया है, उतना दुनिया कर सबसे महंगी और पॉपुलर क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन ने 1 साल में भी नहीं दिया। कैंटन के 7 दिन जितना रिटर्न देने में बिटकॉइन को 22 महीने लगे हैं। शनिवार दोपहर 3 बजे कैंटन क्रिप्टोकरेंसी 0.1081 डॉलर (करीब 9.68 रुपये) पर कारोबार कर रही थी। कॉइनमार्केटकैप के मुताबिक इस क्रिप्टो में पिछले 24 घंटे में 13 फीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी है। इसमें यह तेजी अभी नहीं आई है, बल्कि पिछले काफी दिनों से बनी हुई है। यह क्रिप्टो टॉप 50 में शामिल है। पिछले 24 घंटे में इतनी तेजी किसी और क्रिप्टो में नहीं आई है।कैंटन ने 7 दिनों में निवेशकों को करीब 50 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। इतना रिटर्न देने में बिटकॉइन को करीब 22 महीने लगे हैं। 7 दिन पहले कैंटन की कीमत 0.0711 डॉलर थी। अब यह क्रिप्टो 0.1081 डॉलर पर है। ऐसे में इसमें 7 दिनों में करीब 52 फीसदी की तेजी आई। बात अगर बिटकॉइन की करें तो शनिवार दोपहर 3 बजे यह 88,917.91 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछले 24 घंटे में इसमें 1 फीसदी से कम की तेजी आई है। वहीं 7 दिनों में यह क्रिप्टो 2 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गई है। कैंटन के मुकाबले इसे 50 फीसदी रिटर्न देने में करीब 22 महीने का समय लगा है।क्रिप्टोकरेंसी के ग्लोबल मार्केट कैप में भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। पिछले 24 घंटे में इसमें मामूली तेजी आई है और यह फिर से 3 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। वहीं इसका फीयर एंड ग्रीड इंडेक्स 28 पर आ गया है।

पिछले महीने के आखिर में यह 10 पर आ गया था, जो बताता है कि लोग क्रिप्टोकरेंसी को धड़ाधड़ बेच रहे थे, क्योंकि इसकी कीमत काफी गिर गई थी।

# अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता के शेयर का कमाल

## इस साल दिया धांसू रिटर्न, एक लाख पर कितना फायदा?

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इस साल सोना, चांदी, तांबा, प्लेटिनम आदि धातुओं ने जबरदस्त रिटर्न दिया है। वहीं इन धातुओं का कारोबार करने वाली कंपनियां भी रिटर्न के मामले में पीछे नहीं रही हैं। इन्हीं में एक अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता लिमिटेड है। वेदांता लिमिटेड ने साल 2025 में निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। वहीं इस कंपनी ने हाल ही में डिमर्जर की भी घोषणा की है। अब कंपनी एल्युमिनियम, ऑइल एंड गैस और पावर जैसी अलग-अलग कंपनियों में बंट जाएगी। शेयरधारकों को हर शेयर के बदले नई कंपनी का एक शेयर मिलेगा। एक्सपर्ट ने इस शेयर को 'बाय' की रेटिंग दी है। यानी आने वाले समय में इसमें और तेजी देखी जा सकती है। शुक्रवार को यह शेयर 0.47% की तेजी के साथ 581.80 रुपये पर बंद हुआ था। शुक्रवार को दिन में कारोबार के दौरान यह शेयर 583.40 रुपये पर पहुंच गया था। यह इसका 52 हफ्ते का हाई था। वहीं इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम प्राइस 362.20 रहा। इस आंकड़े पर यह शेयर 7 अप्रैल को पहुंचा था। इसके बाद इसमें लगातार तेजी आती गई।

**इस साल कितना दिया रिटर्न?**

इस साल 1 जनवरी को यह शेयर करीब 444 रुपये पर था। तब से लेकर अगले तीन महीने तक इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। मार्च के अंत में इसमें तेजी गिरावट आई जो अप्रैल के शुरुआती हफ्ते तक रही। अप्रैल के दूसरे हफ्ते से इसमें तेजी आनी शुरू हो गई। शुक्रवार को यह शेयर करीब 582 रुपये (581.80 रुपये) पर बंद हुआ। ऐसे में देखें तो इस शेयर ने इस साल करीब 31 फीसदी का मुनाफा दिया है।अगर 1 जनवरी 2025 को आपने वेदांता के एक लाख रुपये के शेयर खरीदे होते तो उनकी वैल्यू बढ़कर आज 1.31 लाख रुपये हो चुकी होती। यानी आपको एक लाख रुपये के निवेश पर इस साल 31 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।

**कितना बचा है शेयर में दम?**

कई एक्सपर्ट ने इस शेयर को बाय यानी खरीदने की रेटिंग दी है। इसे कवर करने वाले 14 एनालिस्ट्स में से 10 ने इसे खरीदारी और 4 ने होल्ड रेटिंग दी है। किसी भी एनालिस्ट ने इस शेयर को बेचने की सलाह नहीं दी है। यह दिखाता है कि इस शेयर में अभी काफी दम बचा है। वहीं ब्रोकरेज फर्म सीआईटीआई ने वेदांता पर अपनी 'बाय' रेटिंग बरकरार रखी है। उसका कहना है कि पैरेंट कंपनी पर कर्ज का स्तर अभी काबू में है। इसके अलावा एल्युमिनियम के एलएमई दामों में संभावित तेजी, प्रोडक्शन वॉल्यूम में बढ़ोतरी, लागत में कमी और डीमर्जर- ये सभी फैक्टर आगे चलकर शेयर के लिए अच्छा अपसाइड दे सकते हैं।वेदांता लिमिटेड कई तरह के प्राकृतिक संसाधन निकालती और बेचती है। यह कंपनी खनिज, तेल और गैस के कारोबार में लगी हुई है। वेदांता जिंक, सीसा, चांदी, तांबा, एल्यूमीनियम, लौह अयस्क और तेल व गैस की खोज, उत्पादन और बिक्री करती है।

# कमाल है पोस्ट ऑफ़िस की ये स्कीम

## सिर्फ ब्याज से कमा लेंगे लाखों रुपये!

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अगर आप बिना रिस्क के सुरक्षित निवेश करना चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम बेहतरीन है. इसमें आपका पैसा पूरी तरह सुरक्षित रहता है और सरकार की गारंटी मिलती है. यह उन लोगों के लिए बेस्ट है जो बाजार के उतार-चढ़ाव से बचकर भविष्य के लिए फंड बनाना चाहते हैं.इस स्कीम पर फिलहाल 7.7 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है. अगर आप इसमें 10 लाख रुपये निवेश करते हैं, तो 5 साल बाद आपको करीब 14.49 लाख रुपये मिलेंगे. यानी सिर्फ ब्याज से ही आप लगभग 4.5 लाख रुपये कमा लेंगे. इसमें ब्याज पर कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है. एनएससी की मैच्योरिटी अवधि 5 साल की होती है. आप इसमें कम से कम 1,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं. अच्छी बात यह है कि इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है, यानी आप अपनी क्षमता के अनुसार जितनी चाहें उतनी रकम जमा कर सकते हैं. एनएससी में पैसा लगाने पर आपको टैक्स छूट का भी फायदा मिलता है. इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत आप सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ ले सकते हैं. हर साल जुड़ने वाला ब्याज भी दोबारा निवेश माना जाता है, जिससे टैक्स में राहत मिलती है. यह खाता सिर्फ भारतीय निवासी ही खोल सकते हैं, एनआरआई या कंपनियां नहीं. इसे आप अकेले या जॉइंट अकाउंट के तौर पर खोल सकते हैं. 10 साल से ज्यादा उम्र का बच्चा अपने नाम से खुद भी एनएससी ले सकता है, जबकि छोटे बच्चों के लिए अभिभावक खाता खोल सकते हैं.

# इक्विटी बाजार में नए निवेशकों की संख्या में आई गिरावट, एनएसई की रिपोर्ट में दिए गए पूरे आंकड़े

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इक्विटी बाजार में नए निवेशकों के दाखिल होने की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। एनएसई की र रिपोर्ट के अनुसार, नए निवेशकों की संख्या में 11 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। नवंबर में 13.2 लाख नए निवेशक बाजार में दाखिल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, स्टॉक बाजार में कुल निवेशकों की संख्या 12.3 करोड़ है।

नवंबर से पहले लगातार दो महीनों में बाजार में निवेशकों की संख्या में ग्रोथ देखी गई थी। एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में निवेशकों के स्टॉक बाजार में दाखिल होने में गिरावट रही है। इसकी वजह वैश्विक बाजार में उथल-पुथल को माना जा रहा है, जिसके चलते नए निवेशक बाजार में दाखिल होने से बचे। फरवरी 20204 में स्टॉक मार्केट में 9 करोड़ निवेशक थे। इसके बाद अगस्त 2024 में ही ये 10 करोड़ और जनवरी 2025 तक 11 करोड़ हो गए। इस दौरान निवेशकों की संख्या में जबदस्त उछाल आया और करीब 5-6 महीने के अंतराल में एक-एक करोड़ निवेशक बाजार से जुड़े। 2025 में इसमें कमी आई और 11 करोड़ से 12 करोड़ निवेशक होने में करीब 9 माह का समय लगा।

एनएसई की रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर 2025 तक उत्तर भारत के निवेशकों की संख्या बाजार में करीब 4.5 करोड़ है। इसके बाद पश्चिम भारत से 3.6 करोड़, दक्षिण भारत से 2.6 करोड़ और पूर्वी भारत से 1.5 करोड़ निवेशक बाजार में सक्रिय हैं।

# चुनौतियां बहुत लेकिन ग्रोथ उससे भी ज्यादा

## जानिए क्यों 2026 में ऑटो सेक्टर में पैसा लगाना फायदेमंद होगा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत का ऑटोमोबाइल सेक्टर 2025 की रिकॉर्ड बिक्री के बाद 2026 में भी मजबूती से आगे बढ़ने के लिए तैयार है. उद्योग विशेषज्ञों का अनुमान है कि नए साल में पैसेंजर वाहनों की बिक्री 6-8% तक बढ़ सकती है. शहरी क्षेत्रों से बढ़ती मांग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और आसान फाइनेंसिंग ने ग्राहकों की खरीद क्षमता को बढ़ाया है. एसयूवीएस की लगातार बढ़ती लोकप्रियता, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में तेजी, बाजार की वृद्धि को और रफ्तार दे रही है.विशेषज्ञों के अनुसार जीएसटी में राहत, आसान लोन और आयकर छूट जैसे कदमों का सीधा असर ऑटो सेक्टर पर दिखाई देगा. नई नीतियों से एंट्री-लेवल गाड़ियों की बिक्री बढ़ सकती है, जो पिछले कुछ समय से लागत बढ़ने के कारण दबाव में थीं. इसके अलावा सरकार की ई-व्हीकल पॉलिसी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस ईवी बाजार को और मजबूती देगा. हालांकि, ऑटो सेक्टर के लिए सब कुछ आसान नहीं है. 2027 से लागू होने वाले कड़े उत्सर्जन और सीएएफई मानकों के कारण कंपनियों की लागत बढ़ सकती है. टू-व्हीलर सेक्टर में एबीएस और सीबीएस जैसे अनिवार्य फीचर्स के चलते सस्ती बाइकों के दाम बढ़ रहे हैं, जिससे बजट सेगमेंट पर असर पड़ सकता है. इसके साथ ही आयात शुल्क, रुपये की गिरावट और ग्लोबल सप्लाई चेन की अनिश्चितता ऑटो उद्योग के लिए चुनौती बनी रहेगी.ऑटो कंपनियां दो तरफ़ा रणनीति पर काम कर रही हैं. एक ओर ईवी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल-डीजल वाहनों में सुधार जारी है. इसका मतलब है कि पारंपरिक गाड़ियों की मांग अभी जल्द समाप्त नहीं होगी और ईवी की ओर बदलाव धीरे-धीरे होगा.मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, होंडा और टोयोटा जैसी कंपनियों ने अगले साल के लिए सकारात्मक अनुमान जताए हैं. ईवी, सीएनजी और एसयूवी सेगमेंट सबसे ज्यादा तेजी दिखा सकते हैं.

वहीं लक्ज़री वाहनों में भी ग्रोथ की उम्मीद है, हालांकि आयात लागत चिंता का विषय बनी हुई है.

# दैनिक पंचांग

| गृह स्थिति | | |
|---|---|---|
| सुर्य | धनु | मे |
| चंद्र | धनु | मे |
| मंगल | धनु | मे |
| बुध | वृश्चिक | मे |
| गुरु | मिथुन | मे |
| शुक्र | धनु | मे |
| शनि | मीन | मे |
| राहु | कुंभ | मे |
| केतु | सिंह | मे |

| लग्नारंभ समय | |
|---|---|
| धनु..... | 06-48 बजे |
| मकर... | 08-53 बजे |
| कुंभ.... | 10-36 बजे |
| मीन.... | 12-06 बजे |
| मेष..... | 13-32 बजे |
| वृष.... | 15-09 बजे |
| मिथुन.. | 17-05 बजे |
| कर्क... | 19-19 बजे |
| सिंह.... | 21-38 बजे |
| कन्या... | 23-54 बजे |
| तुला.... | 02-08 बजे |
| वृश्चिक.. | 04-26 बजे |

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-43
भोग्य कलि वर्ष.- 426874 सूर्यास्त. 17-43
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - पौष शुक्ल पक्ष सोमवार 22 Dec
तिथि - द्वितीया 10-52 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - उत्तराषाढा 05-32 रात्रि तक उप श्रवण
योग - ध्रुव 16-52 तक उप व्याघात
करण - कौलव 10-52 तक तैतिल

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 08-06 09-29

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

| दिन का चौघडिया | | रात का चौघडिया | |
|---|---|---|---|
| अमृत | 06-43 - 08-06 शुभ | चंचल | 17-40 - 19-24 शुभ |
| काल | 08-06 - 09-29 अशुभ | रोग | 19-24 - 21-01 अशुभ |
| शुभ | 09-29 - 10-52 शुभ | काल | 21-01 - 22-38 अशुभ |
| रोग | 10-52 - 12-15 अशुभ | लाभ | 22-38 - 00-15 शुभ |
| उत्पात | 12-15 - 13-38 अशुभ | उत्पात | 00-15 - 01-52 अशुभ |
| चंचल | 13-38 - 15-01 शुभ | शुभ | 01-52 - 03-29 शुभ |
| लाभ | 15-01 - 16-24 शुभ | अमृत | 03-29 - 05-07 शुभ |
| अमृत | 16-24 - 17-43 शुभ | चंचल | 05-07 - 06-42 शुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज कार्य क्षेत्र में आप किसी गलतफहमी का शिकार हो सकते है , लेकिन अपने सहकर्मियों की आलोचना न करे ।आप ग्रहों के प्रभाव की वजह से तनाव और गुस्से में आ सकते है और आप इसकी भड़ास अपने सहयोगियों पर निकाल सकते है । इसकी वजह से आपके कार्यस्थल में अनावश्यक और अतिरिक्त तनाव पैदा होगा और यहां तक कि वह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज आप अपने आस-पास के बारे में अधिक जागरूक होने के साथ व्यावहारिक मामलों के प्रति अधिक सजग महसूस कर सकते हैं। भावनात्मक तीव्रता के कारण ध्यान केंद्रित करना कठिन हो सकता है, लेकिन शांत, जानबूझकर कार्रवाई करने से मदद मिलेगी। तर्क और भावना के बीच संतुलन बनाने का लक्ष्य रखें।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वजह से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन बेला में आप किसी समारोह का भी आयोज़न कर सकते है।

**कर्क** (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आज एक नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना है। सार्वजनिक क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए विशेष रूप से अच्छे अवसर है । आप अपनी नौकरी बदलने के बारे मैं नहीं सोच रहे है और हो सकता है की मौजूदा नौकरी में आप संतुष्ट हो , लेकिन नई नौकरी बेजोड़ अवसरों को अपने साथ लाएगी ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपका अंतर्ज्ञान मजबूत है, जो आपको आंतरिक आत्मविश्वास के साथ कार्यों और निर्णयों को नेविगेट करने में मदद करता है। संचार बिखरा हुआ लग सकता है, इसलिए स्पष्ट और केंद्रित होने के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतें। रचनात्मक विचार स्वाभाविक रूप से आते हैं।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कार्यस्थल पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उनका सामना शालीनता से करने में मदद करती है। आपका आकर्षण और ऊर्जा आपको दूसरों से अलग बनाती है, आपके कार्यों में नेतृत्व और उत्साह को बढ़ावा देती है। मज़बूत संचार सहज बातचीत को बढ़ावा देता है।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आपको नौकरी की संभावनाओं के बारे में कुछ अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आपको अपनी पसंद की कंपनियों में एक साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है। आज उभरते हुए लेखकों के लिए यह एक महान दिन हो सकता है क्यों की आपके लेख या आपकी पुस्तक प्रसिद्ध प्रकाशक के द्वारा प्रकाशित हो सकती है ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आज आपकी पोषण करने की प्रवृत्ति मजबूत है, जो आपको अपने काम में स्थिर और स्थिर रहने में मदद करती है। चुनौतियों का सामना करते समय धैर्य रखना महत्वपूर्ण होगा, लेकिन आपके पास उनसे पार पाने की ताकत है। जबकि आशावाद बड़े विचारों को बढ़ावा दे सकता है, सावधान रहें कि अवास्तविक दृष्टिकोणों में न खो जाएं।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपके नेतृत्व गुण चमकते हैं, जो आपको अपने पेशेवर और शैक्षणिक जीवन में साहसिक कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं। तेज़-तर्रार ऊर्जा आपको सक्रिय और उत्साही बनाए रखती है, हालाँकि भावनात्मक संवेदनशीलता सहकर्मियों या समकक्षों के साथ तनाव पैदा कर सकती है।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप रचनात्मक रूप से प्रेरित महसूस कर रहे हैं, भले ही आपकी भावनाएँ उतार-चढ़ाव भरी हों। यह तीव्रता सार्थक प्रगति को बढ़ावा दे सकती है, खासकर जब आप मज़बूत कार्य संबंधों को पोषित करते हैं। नवीन सोच आसानी से प्रवाहित होती है, और आपका कलात्मक पक्ष प्रवर्धित होता है।

**कुंभ** (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

अवलोकन और विश्लेषण की आपकी शक्ति आज अपने चरम पर होगी अतः अगर आप किसी भी नौकरी में हैं और अगर इन कौशल की आवश्यकता है , तो आज सफलता आपके कदम चूमेगी । वैज्ञानिकों , जांचकर्ताओं और शोधकर्ताओं के लिए आज एक उपयोगी दिन होगा ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

# म्यांमार में साइबर गुलामी में फंसे सात लोग बचाए गए, तस्करों ने चंगुल में फंसाया था

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने एक अभियान चलाकर म्यांमार में फंसे सात साइबर गुलामों को बचाने में सफलता हासिल की है। इन लोगों को बंधक बनाकर रखा गया था और इनसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय धोखाधड़ी कराई जा रही थी। मीरा भयंदर वसई विरार क्राइम ब्रांच पुलिस ने यह अभियान चलाया और साइबर गुलामी से छुड़ाए गए लोगों को सुरक्षित भारत लेकर आई। अधिकारियों ने बताया कि साइबर गुलाम बनाकर रखे गए लोगों को म्यांमार के केके पार्क इलाके में रखा गया था, जो साइबर अपराध के लिए बदनाम है।

**शिकायत के बाद हुआ खुलासा**

असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर मदन बल्लाल ने बताया, मीरा रोड इलाके में रहने वाले सैयद इर्तिस फजल अब्बास हुसैन और अम्मार असलम लकड़वाला ने पुलिस से की एक शिकायत में

बताया कि आसिफ खान और अदनान शेख नाम के लोगों ने उन्हें विदेश में नौकरी का लालच दिया। हालांकि उन्हें बैंकॉक में नौकरी का बताकर म्यांमार भेज दिया गया। पीड़ितों को म्यांमार में तीन साइबर अपराधियों को सौंप दिया गया, जहां उनसे यूयू8 नामक कंपनी के जरिए वित्तीय धोखाधड़ी के काम में लगा दिया गया। मना करने पर उन्हें पीटा जाता। जब उन्होंने भारत वापस आने की बात कही तो उनसे छह-छह लाख रुपये मांगे गए।

पुलिस ने दूतावास और म्यांमार सेना के साथ चलाया अभियान

शिकायतकर्ताओं ने बताया कि जब उनके परिजनों ने छह लाख रुपये दिए, तब उन्हें छोड़ा गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की और ये पता लगाया कि मीरा भयंदर और वसई और विरार के कितने युवा इस जालसाजी के चंगुल में फंसे हुए हैं। इसके बाद म्यांमार में स्थित भारतीय दूतावास, साइबर क्राइम कॉर्डिनेशन ब्यूरो और म्यांमार सेना की मदद से संयुक्त अभियान चलाया गया और वहां से 7 लोगों को छुड़ाया गया। सीनियर इंस्पेक्टर सुशील कुमार शिंदे ने बताया कि जांच में पता चला कि मीरा भायंदर और वसई-विरार के कई युवा साइबर गुलामी के इस जाल में फंस गए थे। शिंदे ने बताया कि पुलिस द्वारा दिए गए डेटा का इस्तेमाल करके, भारत सरकार ने इस हफ्ते सात पीड़ितों की पहचान की और उन्हें वापस लाया गया, जिनमें से चार मीरा भयंदर वसई और विरार पुलिस के अधिकार क्षेत्र के निवासी हैं। वहीं बाकी सूरत, विशाखापत्तनम के निवासी हैं। पुलिस ने मानव तस्करी, फिरौती के लिए अपहरण जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया है।

# चुनाव जीतने के लिए कर दिए वादे, पूरा करने में खराब हो रही हालत, मंत्री बोले- 'केंद्र मदद करे'

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का कहना है कि चुनावी घोषणाओं के चलते राज्यों की हालत खराब हो चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से राज्यों की मदद करने की बात कही है। शहरी विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य ने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए बहुत सारे कमिटमेंट की वजह से राज्यों के बजट की हालत बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। कैलाश विजयवर्गीय का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब जी राम जी बिल में राज्यों पर बजट का 40 फीसदी भार डालने पर विपक्ष के नेता केंद्र सरकार की आलोचना कर रहे हैं। भोपाल में केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक का आयोजन किया था। इसी बैठक में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि राज्यों की

बजट की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है। राजनीतिक मजबूरी के कारण जो घोषणाएं की गईं थीं, उनके कारण समस्या खड़ी हो रही है।

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, राज्यों की राजनीतिक मजबूरियां हैं। चुनाव में बहुत सारे कमिटमेंट कर दिए। बजट अपेक्षा से परे जा रहा है और बजट बनाना मुश्किल हो रहा है। इस समय केंद्र की ओर देखना चालू कर दिया है। केंद्र की बहुत सारी योजनाएं हैं। राज्य की अमृत योजना, आवास योजना हो या जितनी भी योजनाएं हों। थोड़ा-थोड़ा काम हो चुका है। बाकी कामों में केंद्र सरकार मदद करे। राज्यों के बजट की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है। राजनीतिक मजबूरी के कारण जो घोषणा की, उसके कारण तकलीफ है। हर राज्य की यह स्थिति है।

2023 से हर विधानसभा चुनाव में सभी दलों ने महिलाओं को मुफ्त पैसा देने वाली योजनाओं पर जोर दिया है। इसका असर यह रहा है कि अब राज्यों का बजट बिगड़ रहा है। इसकी शुरुआत मध्य प्रदेश से ही हुई थी, जहां शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहन योजना की शुरुआत की। इसके दम पर उन्होंने बड़े अंतर से चुनाव जीता। मध्य प्रदेश के बाद महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में भी ऐसी ही योजनाओं के आधार पर चुनाव जीते गए। हालांकि, अब राज्यों के लिए इन योजनाओं को पूरा करना मुश्किल हो रहा है।

जी राम जी बिल में सरकार ने कम से कम 125 दिन रोजगार देने का वादा किया है। इसका 60 फीसदी बजट केंद्र और 40 फीसदी बजट राज्यों को देना होगा। पहले इस योजना को मनरेगा एक्ट के नाम से जाना जाता था। हालांकि, अब तक पूरा बजट केंद्र सरकार देखती थी। अब इसमें राज्यों को भी शामिल किया गया है। यह कानून लागू होने पर राज्यों के ऊपर बोझ बढ़ेगा।

# नशे में धुत शिक्षक पहुंचा स्कूल, शर्ट के बटन-पैंट की जिप तक बंद नहीं की, दूसरे शिक्षक से की बहस

शहडोल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल से एक स्कूल शिक्षक का वीडियो सामने आया है। वीडियो में शिक्षक नशे में धुत नजर आ रहा है। वह कक्षा के अंदर आकर बच्चों के सामने गाली-गलौज भी करता है। वहीं, दूसरा शिक्षक उसे रोकने की कोशिश करता है तो वह बहस भी करता है। दूसरे शिक्षक ने ही इसका वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल होने के बाद आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शिक्षक की शर्ट के बटन खुले हुए हैं और उसके पैंट की जिप भी खुली हुई है। वहीं, जब दूसरा व्यक्ति उसे जिप और शर्ट की बटन बंद करने के लिए कहता है तो वह बहस करने लग जाता है।

**तहसीलदार और एसडीएम को गालियां दीं**

मामला शहडोल जिले के अंतिम छोर पर स्थित ब्यौहारी तहसील के शासकीय माध्यमिक विद्यालय हिरवार का है। जन शिक्षा केंद्र बरौघा में पदस्थ सहायक शिक्षक रामखेलावन चौधरी ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में स्कूल पहुंचे। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शिक्षक अभद्र हालत में गाली-गलौज कर रहे हैं और तहसीलदार व एसडीएम को भी नहीं बख्शा। इस पूरे घटनाक्रम से छात्र भयभीत होकर क्लास रूम में दुबके रहे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग और प्रशासन की जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

**जुलाई में भी सामने आया था वीडियो**

शहडोल में कुछ महीने भी एक शिक्षक के शराब पीकर स्कूल पहुंचने की घटना सामने आई थी। मामला ब्यौहारी ब्लॉक के शहरगढ़ गांव के बैरिहाई टोला प्राथमिक स्कूल का था। शिक्षक उदयभान सिंह नट का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था। इसमें शिक्षक शराब के नशे में क्लासरूम में बच्चों के बीच दो कुर्सियों पर पैर रखकर बैठे दिखते हैं। बच्चे शराब की बदबू से नाक ढकते नजर आते हैं। ग्रामीणों का आरोप था कि वे आए दिन नशे में स्कूल आते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग ने जांच की और शिक्षक को सस्पेंड कर

# बीएससी की छात्रा ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर की आत्महत्या

## मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जिंदल यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए अन्य छात्रों से पूछताछ कर रही है। मामला पूंजीपथरा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, जिंदल यूनिवर्सिटी में बीएससी सेकंड ईयर की छात्रा प्रिंसी जो कि मूलतः जमशेदपुर टाटा की रहने वाली है और हॉस्टल में रहती थी। बीती रात नौ बजे के आसपास छात्रा ने अज्ञात कारणों से अपने ही कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे हॉस्टल परिसर में सनसनी फैल गई।

छात्रा के फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की जानकारी मिलते ही पूंजीपथरा पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और मृतका के साथियों से पूछताछ की जा रही है।

# 25 केजी चांदी और 400 ग्राम सोना उड़ाया

## हल्द्वानी में ज्वेलर्स के यहां बड़ी चोरी; दीवार काटकर घुसे चोर

हल्द्वानी, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कुसुमखेड़ा चौराहे में स्थित राधिका ज्वेलर्स की दुकान में चोरों ने लाखों रुपए के चांदी व सोने के आभूषण पार कर दिए। दुकान स्वामी को सूचना तब मिली जब उन्होंने सुबह दुकान खोली, दुकान खोलते ही ज्वेलर्स स्वामी हक्का-बक्का रह गए। अंदर से दीवार टूटी हुई थी और शोकेस से सोने चांदी के आभूषण गायब थे। सामान पूरा तहस नहस पड़ा हुआ था। रविवार की सुबह कुसुमखेड़ा चौराहे के पास कालाढूंगी मुख्य सड़क में राधिका ज्वेलर्स स्वामी ने जब दुकान खोली तब हड़कंप मच गया। दरअसल चोर राधिका ज्वेलर्स की दुकान की समीप दूसरी दुकान से उनके वहां घुसे। दरअसल ज्वेलर्स शोरूम के बगल में ही एक व्यापारी ने किराए पर दुकान ली है। वह इसको कपड़े का शोरूम बनाना चाह रहे थे। इसको लेकर रात दिन उनकी दुकान में कारपेंटर काम कर रहे थे। घटना शुक्रवार की रात की बताई जा रही है। शनिवार को दुकान बंद रहती है। रविवार को जब दुकान खोली तो दुकान स्वामी को चोरी का अंदाजा हुआ। पुलिस के अनुसार प्राथमिक जांच में पाया गया है कि राधिका ज्वेलर्स की दुकान के बगल में काम करने वाले कारपेंटरों ने ही चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने छैनी और हथौड़ी से दीवार तोड़ी और गैस कटर मशीन से दुकान की तिजोरी भी काटने की कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए हैं। दुकान में 6 सीसीटीवी कैमरे व बाहर दो कैमरे लगे हैं। जिसकी डीवीआर भी चोरों ने पार कर दी है। शोकेस में रखे सोने-चांदी के आभूषण सब पार कर दिए हैं।

राधिका ज्वेलर्स के स्वामी नवनीत शर्मा ने बताया कि दुकान में बने शोकेस में सोने व चांदी के आभूषण सभी गायब हैं। हालांकि वह अभी कितना सामान गायब हुआ है इसका अंदाजा नहीं लग पा रहे हैं। फिर भी उनका कहना है कि 25 किलो चांदी व 400 ग्राम सोना गायब हुआ है। मौके पर पहुंचे मुखानी थाना अध्यक्ष सुनील जोशी ने मुआयना किया, जिसमें पाया गया कि चोर छैनी हथौड़ी, बड़ा गैस कटर सब दुकान में ही छोड़कर चले गए हैं। फोरेनसिक टीम भी जल्द मौका मुआयना करने पहुंचेगी।

कालाढूंगी मुख्य रोड पर ज्वेलर्स की दुकान में चोरी होने की सूचना पर सुबह से ही दुकान के बाहर भीड़ जमा हुई है। हालांकि दुकान स्वामी को भी इस बात का अंदाजा नहीं था कि कारपेंटर लोग उनकी दुकान से सामान चोरी कर लेंगे।

# नकाब विवाद पर सियासी घमासान : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने दिया नौकरी का ऑफर

रांची, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान महिला डॉक्टर का नकाब हटाने को लेकर उठे विवाद पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद उन्होंने बिहार की उस महिला डॉक्टर को झारखंड आने का न्योता दिया है और 3 लाख रुपये मासिक वेतन, सरकारी फ्लैट, मनचाही पोस्टिंग और पूर्ण सुरक्षा के साथ नौकरी का प्रस्ताव दिया है। जामताड़ा में पत्रकारों से बातचीत में इरफान अंसारी ने आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिला डॉक्टर का नकाब हटाकर न सिर्फ एक महिला बल्कि पूरे मुस्लिम समुदाय और नकाब की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा, "जिस तरह एक डॉक्टर और

एक महिला के साथ नकाब खींचकर अभद्रता की गई, वह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं है, बल्कि मानव गरिमा, सम्मान और संविधान पर सीधा हमला है।" यह मामला उस समय सामने आया जब पटना स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय में आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे थे। सोमवार को आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान जब एक महिला डॉक्टर नियुक्ति पत्र लेने मंच पर पहुंचीं, तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनका नकाब देखकर कहा, "यह क्या है?" और इसके बाद कथित तौर पर उनका नकाब हटा दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद सियासी घमासान शुरू हो गया।

इधर, इरफान अंसारी के इस ऑफर पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे "तुष्टिकरण की राजनीति" करार दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी वीडियो बयान में पूर्व भवनाथपुर विधायक ने सवाल उठाया कि इरफान अंसारी किस नियुक्ति नीति के तहत बिहार की डॉक्टर को झारखंड में नौकरी देंगे।

भानु प्रताप शाही ने यह भी पूछा कि झारखंड में नौकरी देने के लिए क्या राज्य के बेटे-बेटियां नहीं हैं। उन्होंने कहा, "यह तुष्टिकरण की पराकाष्ठा है। झारखंड झारखंडियों के लिए है। अपना फैसला वापस लीजिए।" इस बीच, इस पूरे मामले को लेकर नीतीश कुमार की मुश्किलें भी बढ़ती नजर आ रही हैं। एक सामाजिक कार्यकर्ता ने इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद मुर्तजा आलम ने कुछ ग्रामीणों के साथ गुरुवार को इटकी थाना में शिकायत दी है। इटकी थाना प्रभारी मनीष कुमार ने पीटीआई को बताया कि यह शिकायत उस वायरल वीडियो के आधार पर दर्ज कराई गई है, जिसमें कथित तौर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महिला डॉक्टर का नकाब हटाते नजर आ रहे हैं।

# नक्सलियों और अपराधियों को लोहरदगा पुलिस की डेडलाइन

## महीने भर में खत्म होगा आतंक

लोहरदगा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के अन्य जिलों की तरह लोहरदगा के जंगलों और पहाड़ों में भी नक्सलियों का खौफ था. इलाका कभी गोलियों और बम की धमाके से गूंजता था. लेकिन समय के साथ सुरक्षा बलों ने रणनीति बदली और धीरे-धीरे जिला नक्सल मुक्त होता गया. पुलिस ने नक्सलियों और अपराधियों को अगले एक महीने में पकड़ कर लोहरदगा जिला को नक्सलवाद मुक्त बनाने का संकल्प लिया है. मामले को लेकर एसपी ने कहा है कि अगले एक महीने में जो भी नक्सली, उग्रवादी के छोटे ग्रुप बचे हुए हैं, उन्हें खत्म कर दिया जाएगा.

लोहरदगा पुलिस ने अपराधियों और नक्सलियों को डेडलाइन दे दिया है. पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने साफ तौर पर कहा है कि अगले एक महीने में जो भी बचे हुए नक्सली और अपराधी हैं, उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा. हालांकि लोहरदगा एसपी ने नक्सली को आत्मसमर्पण के लिए भी आगे आने की बात कही है. साथ ही यह भी कहा कि अगले एक महीने में आत्मसमर्पण नहीं किया तो फिर पुलिस उन्हें पकड़कर जेल भेज देगी. इसके साथ ही लोहरदगा जिला पूरी तरह से नक्सली मुक्त हो जाएगा.

**हाल के समय में मिली कई सफलता**

नक्सल विरोधी अभियान के दौरान लोहरदगा पुलिस को कई बड़ी सफलताएं मिली हैं. भाकपा माओवादी, जेजेएमपी और पीएलएफआई के नक्सली और अपराधी पकड़े गए हैं. विगत 17 अक्टूबर 2025 को पुलिस ने चार अपराधियों को धर दबोचा था. उनके पास से हथियार भी बरामद किया गया था. इसी तरह से 20 अक्टूबर 2025 को भी पुलिस ने एक अपराधी जसीम पवारिया को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था.

जिला पुलिस को 26 नवंबर 2025 को भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के रीजनल कमांडर रविंद्र गंझू के दस्ता सदस्य राजा हेमंत असुर उर्फ राजन असुर को पकड़ने में सफलता मिली थी. वहीं 6 दिसंबर 2025 को पुलिस ने जेजेएमपी संगठन के दो समर्थकों को हथियार और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया था. साल 2025 में कई बड़े नक्सली, उग्रवादी और अपराधी लोहरदगा में पकड़े गए हैं. पुलिस लगातार नक्सलियों और अपराधियों के खिलाफ अभियान चला रही है.

**15 लाख रुपए का इनामी नक्सली चल रहा है फरार**

लोहरदगा जिला में भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के 15 लाख के इनामी दुर्दांत नक्सली रविंद्र गंझू के अलावे जेजेएमपी और दूसरे छोटे आपराधिक ग्रुप के कुछ सदस्य बचे हुए हैं. उनकी धरपकड़ को लेकर पुलिस लगातार अभियान चला रही है. अब लोहरदगा पुलिस ने एक समय सीमा तय करते हुए लोहरदगा जिला को पूरी तरह से नक्सल मुक्त बनाने की बात कही है.

# बेटे ने लकड़ी से पिता के सिर पर किया वार, हुई मौत

## मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने दर्ज किया मामला

जगदलपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर कोड़ेनार थाना क्षेत्र के बास्तानार में पिता और बेटे के बीच हुए विवाद में बेट ने पिता के ऊपर लकड़ी से वार कर दिया। इस घटना में घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान पिता ने दम तोड़ दिया, घटना के बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी के बयान के आधार पर पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मामले की जानकारी देते हुए कोड़ेनार थाना प्रभारी अमित ने बताया कि बास्तानार निवासी मोटे गावड़े ने थाने में आकर जानकारी दी कि उसके पुत्र असलू गावड़े व उसके पिता जोगो गावड़े के बीच शराब पीने की बात को लेकर आये दिन विवाद होते रहता था। वहीं, दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में आकर बेटे ने घर मे रखे एक लकड़ी को उठाकर पिता के सिर पर दे मारा, जिससे कि जोगो गावड़े बेहोश हो गया। घटना की जानकारी अपने रिश्तेदारों से लेकर अपनी मां को भी जानकारी दी, घायल को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया। जहां उपचार के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई, घटना के बाद पुलिस ने मृतक कि पत्नी के बयान पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है, वही शव को पीएम के बाद परिजनों को सौपं दिया गया है।

# राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 दिसंबर को आएंगी झारखंड

## सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों में जुटा प्रशासन

जमशेदपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है. विशेषकर सड़क मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है. जमशेदपुर के एसएसपी ने बताया कि राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सुरक्षा की सभी एजेंसियां अलर्ट हैं और सड़क किनारे भवनों की स्क्रीनिंग की जा रही है.

**जमशेदपुर और सरायकेला का दौरा करेंगी राष्ट्रपति**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जमशेदपुर में पहली बार आगमन हो रहा है. राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह

अलर्ट मोड पर है. आपको बता दें कि राष्ट्रपति 29 दिसंबर 2025 को झारखंड दौरे पर हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर के करनडीह जाहेर स्थान के अलावा सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर एनआईटी में भी जाएंगी.

**सुरक्षा व्यवस्था को लेकर की जा रही हैं व्यापक तैयारियां**

जमशेदपुर सोनारी एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति पहुंचेंगी. उसके बाद निर्धारित कार्यक्रम के लिए प्रस्थान करेंगी. राष्ट्रपति के आगमन को लेकर सोनारी एयरपोर्ट से करनडीह जाहेर स्थान और करनडीह से आदित्यपुर NIT तक मार्ग को पूरी तरह दुरुस्त किया जा रहा है. राष्ट्रपति के आगमन से प्रस्थान तक सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक ना हो, इसे लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं.

**भवन, फ्लैट्स और अन्य स्थानों की चल रही स्क्रीनिंग**

पूर्वी सिंहभूम जिला के एसएसपी पीयूष पांडेय ने बताया कि राष्ट्रपति के आगमन पर प्रोटोकॉल का पूरी तरह पालन किया जाएगा. राज्य पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त बल की मांग की गई है. सोनारी से करनडीह तक चप्पे-चप्पे तक फोर्स की तैनाती रहेगी. यातायात में कोई परेशानी न हो इसे लेकर रूट चार्ट बनाया गया है. सोनारी से कार्यक्रम स्थल तक रूट में जितने भी भवन, फ्लैट्स या अन्य व्यवस्था है, सभी की स्क्रीनिंग की जा रही है. सुरक्षा की सभी एजेंसियां अलर्ट पर हैं.

# लौह नगरी में फिर दिखा भालू

## सप्तगिरी पार्क के पास दिखी हलचल, लोगों में दहशत

बालोद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। बालोद जिले की लौहनगरी दल्ली राहजरा में बीते रात सप्तगिरी पार्क के पास भालू देखा गया, शहर के बीचों-बीच बने इस पार्क में भालू दिखने से शहर में हलचल मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना बालोद वन विभाग को दी। वहीं, वन विभाग द्वारा भी भालू को तलाश करना शुरू कर दिया गया है और लोगों को रात के वक्त अकेले घर से बाहन निकलने से बचने की नसीहत दी गई है।

आपको बता दें कि सप्तगिरी पार्क एक मिनी जंगल जैसा उद्यान है जो कि शहर में बसा हुआ है, भाजपा नेता स्वाधीन जैन सहित अन्य कुछ लोगों ने इस घटना को अपने कैमरे में कैद किया है, आए दिन राजहरा क्षेत्र में तेंदुआ हांथी और भालू की दस्तक देखने को मिलती है। जिसके लिए अब शहर वासियों को एहतियात रखने के निर्देश वन विभाग द्वारा दिया जा रहा है।

## पाकिस्तान में फिर आया भूकंप, कांप गई धरती

इस्लामाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में एक बार फिर भूकंप आया है। नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर ने बताया कि बलूचिस्तान के खुजदार जिले में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया है। जियो न्यूज के अनुसार जमीन के नीचे झटके की गहराई 8 किमी थी। भूकंप का केंद्र खुजदार से लगभग 70 किमी पश्चिम में था। भूकंप के बाद, संबंधित अधिकारियों ने स्थिति पर करीब से नजर रखते हुए कहा कि उन्हें उन इलाकों से अभी तक कोई चिंताजनक रिपोर्ट नहीं मिली है जहां भूकंप आया था। 3 दिसंबर को खुजदार और सिबी जिलों में हल्के झटके महसूस किए गए थे।

# क्या इजराइल करेगा ईरान पर अटैक? ट्रंप के साथ मीटिंग करेंगे नेतन्याहू

वाशिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच पिछले साल तनाव बढ़ गया था। इसी के बाद एक बार फिर इजराइल दावा कर रहा है कि ईरान परमाणु ताकत बनने के लिए तैयारी कर रहा है। इसी बीच हाल ही में सामने आया कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

इस मुलाकात के दौरान वो ट्रंप के सामने ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों को लेकर अपनी चिंताएं रखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, 29 दिसंबर को मार-ए-लागो में ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात के दौरान वो ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता ट्रंप के सामने रखेंगे। ट्रंप से मुलाकात के दौरान नेतन्याहू से उम्मीद कि जा रही है कि वो ट्रंप को जानकारी देंगे कि ईरान का तेजी से आगे बढ़ता बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम एक खतरा पैदा कर रहा है।

एक ऐसा खतरा जिस पर अगर नियंत्रण नहीं किया गया, तो इजराइल को ये फिर से सैन्य कार्रवाई पर विचार करने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इजराइली खुफिया एजेंसियों का मानना है कि ईरान तेजी से अपनी मिसाइल प्रोडक्शन क्षमताओं का पुनर्निर्माण कर रहा है। साथ ही कहा गया कि संभव है कि वो ईरान में पहले हुए हमलों में क्षतिग्रस्त हुए परमाणु ढांचे को भी बहाल करने की दिशा में काम कर रहा हो। चर्चाओं के दौरान नेतन्याहू यह तर्क दे सकते हैं कि ईरान का फैलता हुआ मिसाइल कार्यक्रम न सिर्फ इजराइल के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र की स्थिरता और अमेरिकी हितों के लिए भी खतरा है। एनबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली खुफिया एजेंसी से परिचित लोगों का कहना है कि अगर ईरान को इसी तरह छोड़ दिया गया और उस पर किसी तरह का एक्शन नहीं लिया गया तो वो बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रोडक्शन बढ़ाकर हर माह करीब 3,000 मिसाइलों तक कर सकता है।

व्हाइट हाउस ने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका के जून में ईरान के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन ने ईरान की परमाणु क्षमता को नष्ट कर दिया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि यूएन की परमाणु निगरानी एजेंसी और ईरान, दोनों ने अमेरिकी आकलन की पुष्टि की है कि ऑपरेशन मिडनाइट हैमर ने ईरान की परमाणु क्षमता को तबाह कर दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने यह भी जोड़ा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने साफ कर दिया है कि ईरान को परमाणु हथियार बनाने के करीब पहुंचने से काफी पहले ही उस पर कार्रवाई कर दी जाएगी और उसे रोका जाएगा।

इससे पहले इस साल ईरान और इजराइल के बीच लगभग दो हफ्ते तक युद्ध चला था। इस दौरान ईरान के कथित बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्राम को नुकसान पहुंचाने की जानकारी सामने आई थी। हालांकि, अब इजराइल को इस बात की चिंता सता रही है कि ईरान फिर से अपने मिसाइल प्रोग्राम को तैयार कर रहा है।

## डर्बी कबड्डी टूर्नामेंट हिंसा: ब्रिटेन की कोर्ट ने सुनाया फैसला, भारतीय मूल के तीन लोगों को सजा

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के डर्बी शहर में 2023 में एक कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान भड़की हिंसा के मामले में तीन भारतीय मूल के व्यक्तियों को जेल की सजा सुनाई गई है। डर्बी पुलिस के अनुसार, बूटा सिंह, दमनजीत सिंह और राजविंदर तखर सिंह को नवंबर में चले मुकदमे में दोषी पाए जाने के बाद 19 दिसंबर को डर्बी क्राउन कोर्ट ने सजा सुनाई। दरअसल, ब्रिटेन के डर्बी में 20 अगस्त 2023 की शाम कबड्डी टूर्नामेंट के दौरान दो विरोधी गुटों के बीच पहले से योजना बनाकर झड़प हुई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने वीडियो फुटेज हासिल किया जिसमें बूटा सिंह को विरोधी गुट के सदस्यों का पीछा करते हुए देखा जा सकता है।

### हिंसक अव्यवस्था फैलाने का आरोप

पुलिस ने दो दिन बाद उसकी कार रोकी और डिग्गी में दो धारदार हथियार बरामद किए। फुटेज में दमनजीत सिंह और राजविंदर तखर सिंह को भी दंगे के दौरान बड़े चाकू लिए हुए दिखाया गया है। तीनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर हिंसक अव्यवस्था फैलाने के आरोप में उन पर मुकदमा चलाया गया। नवंबर में डर्बी क्राउन कोर्ट में दोषी पाया गया। बूटा सिंह पर हिंसक अव्यवस्था फैलाने का आरोप है। हिंसक अव्यवस्था और आपत्तिजनक हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार 19 दिसंबर को सजा सुनाए जाने पर बूटा सिंह को चार साल, दमनजीत सिंह को तीन साल और चार महीने तथा राजविंदर तखर सिंह को तीन साल और दस महीने की जेल की सजा सुनाई गई।

### योजना बनाकर की गई हिंसा

वहीं मामले में डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर मैट क्रूम ने कहा कि जो दिन खेल देखने का होना था, वह दिन हिंसा और चोट का दिन बन गया। उन्होंने कहा कि इस घटना और जांच का स्थानीय लोगों और मैच देखने आए दर्शकों पर बड़ा असर पड़ा। पुलिस ने बताया कि यह झगड़ा पहले से योजना बनाकर किया गया था और समूह ब्रंसविक स्ट्रीट, डर्बी में पहले से इकट्ठा हुआ था।

# अमेरिका ने वेनेजुएला पर दबाव बढ़ाया दूसरा तेल टैंकर किया जब्त

वाशिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव तब और बढ़ गया जब अमेरिकी सैनिकों ने एक अन्य तेल टैंकर को जब्त कर लिया। अल जजीरा के हवाले से अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास एक दूसरा तेल जहाज जब्त कर लिया है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव में नई बढ़ोतरी हुई है। यह कदम राष्ट्रपति ट्रंप के वेनेजुएला में आने-जाने वाले सभी प्रतिबंधि तेल टैंकरों के 'नाकेबंदी' के ऐलान के कुछ दिनों बाद आया है। उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के नार्को-टेररिज्म में कथित तौर पर शामिल होने की चिंताओं का हवाला दिया था।

अमेरिका होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'अमेरिका वेनेजुएला के प्रतिबंधित तेल के अवैध तरीके से ले जाने पर रोक जारी रखेगा। इस तेल इस्तेमाल इस इलाके में नार्को टेररिज्म को फंड करने के लिए किया जाता है।' यह जब्ती अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने पेंटागन की मदद से की और यह वेनेजुएला के तेल एक्सपोर्ट को रोकने और मादुरो पर पद छोड़ने का दबाव बनाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। अल जजीरा के सूत्रों से नाम न बताने की शर्त पर बात करते हुए तीन अधिकारियों ने ऑपरेशन की जगह नहीं बताई, लेकिन बताया कि कोस्टगार्ड लीड कर रहा था। दो अधिकारियों ने भी ऑपरेशन की पुष्टि की। अल जजीरा के मुताबिक पिछले हफ्ते जब से अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के तट के पास एक बैन किए गए तेल टैंकर को जब्त किया तब से वहाँ एक असरदार बैन लगा हुआ है। लाखों बैरल तेल ले जा रहे जहाज जब्त होने के खतरे को देखते हुए वेनेजुएला के पानी में ही स्थिर हैं। पहली जब्ती के बाद से वेनेजुएला के कच्चे तेल के एक्सपोर्ट में तेजी से गिरावट आई है। वेनेजुएला में तेल लेने वाले कई जहाजो पर बैन है, जबकि ईरान और रूस से देश का तेल और कच्चा तेल ले जाने वाले दूसरे जहाजों पर बैन नहीं है। अल जजीरा के मुताबिक कुछ कंपनियाँ, खासकर अमेरिका की शेवरॉन, अपने अधिकृत जहाजों में वेनेजुएला का तेल ले जाती हैं। विश्लेषकों ने कहा है कि चीन वेनेजुएला के क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा खरीदार है।

ये इसके आयात का लगभग 4 फीसदी है और दिसंबर में शिपमेंट एवरेज 600,000 बैरल प्रति दिन से ज्यादा होने की उम्मीद है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अभी के लिए तेल बाजार में अच्छी सप्लाई है, चीन के तट पर टैंकरों में लाखों बैरल तेल डिस्चार्ज का इंतजार कर रहा है। मादुरो पर ट्रंप के दबाव अभियान में इस क्षेत्र में सेना की मौजूदगी बढ़ाना और वेनेजुएला के पास प्रशांत महासागर और कैरेबियन सागर में जहाजों पर दो दर्जन से ज्यादा सैन्य हमले शामिल हैं जिनमें कम से कम 100 लोग मारे गए हैं।

## स्कूली छात्रा ने फंदा लगाकर की खुदकुशी

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी के बागसेवनिया इलाके में रहने वाली एक स्कूली छात्रा ने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसके पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयान के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो पाएगा। जानकारी के अनुसार स्वार्थी पूर्विया पुत्र विक्की पूर्विया (14) सोलह एकड़ बस्ती, कंजर मोहल्ला बागमुंगालिया में परिवार के साथ रहती थी और छठवीं कक्षा में पढ़ती थी। स्वार्थी के माता-पिता मजदूरी करते हैं। पिछले दिनों वह मजदूरी करने के लिए राजगढ़ ब्यावरा चले गए थे, जिसके बाद से स्वार्थी घर पर अकेली थी। वह दिन में अपने घर पर रहती थी और रात को चाचा-चादी के घर चली गई थी। दोपहर के समय बिजली विभाग के कर्मचारी ने मीटर की रीडिंग लेने के बाद बिजली का बिल देने के लिए आवाज लगाई तो भीतर से कोई नहीं निकला। कर्मचारी ने वह बिल पास खड़ी बच्ची को दे दिया और बोला कि अंदर जाकर दे देना। बच्ची कमरे के भीतर पहुंची तो स्वार्थी फंदे पर लटकी दिखी। परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद छात्रा को मृत घोषित कर दिया।

# दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में अंधाधुंध फायरिंग

## 20 लोगों को गोली लगी; 3 बच्चों सहित 11 लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में अंधाधुंध फायरिंग हुई है। फायरिंग के दौरान 20 लोगों को गोली लगी है। इस गोलीबारी में 3 बच्चों सहित 11 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि हमलावर मौके से भाग गए हैं और अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। हमले के पीछे का मकसद अभी साफ नहीं है। पुलिस ने बताया कि कई लोगों को सड़क पर चलते समय निशाना बनाया गया है।

### हमलावरों के बारे में नहीं है जानकारी

गौतेंग प्रांत की पुलिस प्रवक्ता ब्रिगेडियर ब्रेंडा मुरीडिली के मुताबिक हमारे पास इस बात की जानकारी नहीं है कि हमलावर कौन थे। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में भेजा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलीबारी शराबखाने के पास हुई है। यह शराबखाना दक्षिण अफ्रीका की कुछ बड़ी सोने की खदानों के पास है। पुलिस ने बताया कि उस जगह पर कथित तौर पर अवैध रूप से शराब भी बेची जा रही थी।

### पुलिस कर रही है गहन जांच

गौतेंग के कार्यवाहक पुलिस कमिश्नर फ्रेड केकाना ने कहा, लोगों के बयान लिए जा रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध और प्रबंधन टीमें मौके पर हैं। प्रांतीय अपराध स्थल प्रबंधन टीम भी मौजूद है साथ ही स्थानीय आपराधिक रिकॉर्ड केंद्र की एक टीम भी है। गंभीर अपराध जांच टीम, अपराध खुफिया और प्रांतीय अपराध जासूस टीम भी मौके पर है।

### दक्षिण अफ्रीका में बेलगाम है अपराध

फायरिंग की ये घटना इस महीने की शुरुआत में हुई एक अन्य जानलेवा गोलीबारी के बाद हुई है, जब 6 दिसंबर को बंदूकधारियों ने प्रिटोरिया के पास एक हॉस्टल पर हमला किया था। इस हमले में तीन साल के बच्चे समेत 12 लोगों की मौत हो गई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका में हिंसक अपराध का स्तर बहुत ज्यादा है।

### क्या कहते हैं आंकड़े?

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, पुलिस ने इस साल अप्रैल और सितंबर के बीच अवैध शराबखानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ऐसे 12,000 ठिकानों को बंद कर दिया है और देश भर में 18,000 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया। यूनाइटेड नेशंस ऑफिस ऑन ड्रग्स एंड क्राइम के 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका दुनिया में सबसे ज्यादा हत्या दर वाले देशों में से एक है, जो प्रति 100,000 लोगों पर 45 है।

# न्यूज़ीलैंड में प्रदर्नकारियों ने रोका सिखों का 'नगर कीर्तन', बैनर-पोस्टर पर लिखा- 'यह भारत नहीं है'

वेलिंगटन, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूज़ीलैंड से एक हैरान करने वाली और चर्चा में आई घटना सामने आई है, जहां सिख समुदाय से निकाले जा रहे नगर कीर्तन का स्थानीय लोगों के एक समूह ने विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर कीर्तन का रास्ता रोक दिया और आगे खड़े होकर नारेबाजी शुरू कर दी।

इस घटना के बाद इलाके में कुछ देर के लिए तनाव जैसी स्थिति बन गई, हालांकि पुलिस की सूझबूझ से मामला शांत हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, प्रदर्शन कर रहे लोगों के हाथों में बैनर थे, जिन पर लिखा था, "यह न्यूज़ीलैंड है, भारत नहीं" और "न्यूज़ीलैंड को न्यूज़ीलैंड ही रहने दो, यह हमारी जमीन है, यही हमारा स्टैंड है।" यह प्रदर्शन शनिवार को उस समय हुआ, जब नगर कीर्तन गुरुद्वारे की ओर वापस लौट रहा था। नारेबाजी और बैनरों के जरिए स्थानीय लोगों ने अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे सिख समुदाय के लोग हैरान रह गए। सिख नेता सन्नी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि साउथ ऑकलैंड इलाके में सिख समुदाय द्वारा शांतिपूर्वक नगर कीर्तन निकाला गया था। यह नगर कीर्तन गुरुद्वारा नानकसर ठाठ इशर दरबार, मनुरेवा से शुरू हुआ था। क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों से होते हुए नगर कीर्तन जब वापस गुरुद्वारे की ओर लौट रहा था, तभी यह विरोध सामने आया।

सन्नी सिंह के मुताबिक, जैसे ही नगर कीर्तन गुरुद्वारे के पास पहुंचा, करीब 30 से 35 स्थानीय लोगों का एक समूह वहां आ गया। उन्होंने नगर कीर्तन के आगे खड़े होकर रास्ता रोक लिया और नारे लगाने शुरू कर दिए। अचानक हुए इस विरोध से माहौल असहज हो गया।

### सिख समुदाय ने दिखाया संयम

विरोध की कोई स्पष्ट वजह सामने न आने के बावजूद सिख समुदाय ने पूरी तरह संयम रखा। किसी भी तरह के टकराव से बचते हुए उन्होंने शांति बनाए रखी और प्रदर्शनकारियों से उलझने की कोशिश नहीं की। समुदाय के लोगों का कहना है कि वे इस अप्रत्याशित विरोध से हैरान थे, लेकिन शांति बनाए रखना ही उन्होंने सही समझा। घटना की सूचना मिलते ही न्यूज़ीलैंड पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने तुरंत बीच-बचाव करते हुए दोनों पक्षों को अलग किया और किसी भी तरह की झड़प को टाल दिया। कुछ समय बाद प्रदर्शनकारी एक तरफ हट गए, जिसके बाद नगर कीर्तन शांतिपूर्वक गुरुद्वारे लौट गया।

## फोन में देखे गंदे वीडियो, फिर सात साल की मासूम को बंधक बनाकर की दरिंदगी पुलिस ने किया गिरफ्तार

भोपाल, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम सात साल की मासूम के साथ बंधक बनाकर दरिंदगी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने पार्क में खेल रही मासूम को मोबाइल फोन में कार्टून दिखाने का लालच देकर अपने कमरे में ले गया और वहां बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने दरिंदगी करने से पहले मोबाइल फोन में अश्लील वीडियो भी देखे थे। दरिंदगी करने के बाद आरोपी ने पीड़ित मासूम को टॉफी का लालच देकर उसे घर से भगा दिया। दरिंदगी का शिकार मासूम जब अपने घर पहुंची तो मां को पूरी बात बताई। मां ने आपबीती सुनने के बाद पड़ोसियों को पूरा घटनाक्रम बताया। इसी बीच बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को घटना की जानकारी मिल गई।

# हाई कोर्ट का आदेश, आपराधिक छवि वाले वकीलों की पूरी जानकारी दें

प्रयागराज, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ऐसे वकीलों की जानकारी मांगी है जो सक्रिय वकालत नहीं करते, अन्य कार्य करते हैं और गिरोह बंद कानून के तहत अभियुक्त हैं। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने इटावा निवासी अधिवक्ता मोहम्मद कफील की याचिका की सुनवाई करते हुए संबंधित जिलों के पुलिस कमिश्नरों, वरीष्ठ पुलिस अधीक्षकों व पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे इस प्रक्रिया की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें और सुनिश्चित कराएं कि थानाध्यक्षों की ओर से दी गई जानकारी किसी भी प्रभाव, दबाव या बाहरी बातों से मुक्त हो। कोर्ट ने यूपी बार कौंसिल के अधिवक्ता अशोक कुमार तिवारी का वह पत्र भी रिकार्ड पर लिया, जिसमें कहा गया है कि ऐसे वकीलों का लाइसेंस आफ प्रैक्टिस (एलओपी) निलंबित किया जाएगा जिनकी हिस्ट्रीशीट खुली है अथवा जो गैंग्स्टर के रूप में दर्ज हैं। कौंसिल की तरफ से यह भी बताया गया कि ऐसे 98 वकीलों के खिलाफ उसने स्वतः संज्ञान लिया है और 23 के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित है।

वर्तमान में कुल 5,14,439 अधिवक्ता पंजीकृत हैं और इनमें 2,49,809 को प्रैक्टिस सर्टिफिकेट (सीओपी) जारी किया गया है। यही वकालत करने और आगामी बार कौंसिल चुनाव में मतदान के लिए पात्र हैं। सीओपी सत्यापन के दौरान 105 अधिवक्ताओं के पंजीकरण फर्जी मिले हैं। यह भी स्पष्ट किया गया है कि सीओपी सत्यापन के दौरान कोई पुलिस सत्यापन नहीं कराया गया, क्योंकि इसकी आवश्यकता नहीं थी। कोर्ट ने राज्य सरकार को पूरक हलफनामा दाखिल कर यह जानकारी देने के लिए भी कहा कि अधिवक्ताओं के खिलाफ आपराधिक मामलों की संख्या बताने के साथ ही पूरा विवरण दिया जाए जिसमें एफआइआर नंबर, कानून की धाराएं, केस दर्ज होने की तारीख व संबंधित पुलिस स्टेशन शामिल हों। बताते चलें कि राज्य सरकार ने पूर्व में दिए गए हलफनामे में बताया था कि विभिन्न जिलों में 2539 वकीलों के खिलाफ 3139 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कोर्ट ने रजिस्ट्रार आफ फर्म्स, सोसाइटीज एंड चिट्स लखनऊ को आदेश दिया है कि वह दो सप्ताह में वकीलों द्वारा पंजीकृत सोसाइटीज की जानकारी दें। स्पष्ट किया है कि 'वकीलों द्वारा पंजीकृत सोसाइटीज' का अर्थ है जिला अदालतों या तहसील अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों के समूह द्वारा पेशेवर मामलों, कल्याण और अन्य सहायक उद्देश्यों के लिए पंजीकृत सोसाइटीज न कि व्यक्तिगत लाभ या अन्य उद्देश्यों के लिए।

# घने कोहरे और भीषण ठंड से कांपा उत्तर भारत रोहतांग, बारालाचा और शिंकुला दर्रा में बर्फबारी

शिमला/धर्मशाला, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर भारत भीषण ठंड की चपेट में है। हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से रोहतांग, बारालाचा और शिंकुला दर्रा में बर्फबारी दर्ज की गई। रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है। मंडी, ऊना, सिरमौर, बद्दी और बिलासपुर के कई क्षेत्रों में शनिवार को घना कोहरा छाया रहा। 22 से 24 दिसंबर तक इन क्षेत्रों में कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट जारी हुआ है। उधर, राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में दिनभर बादल छाए रहे। बादलों और ठंडी हवाओं के चलते अधिकतम तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से मध्य व उच्च पर्वतीय क्षेत्रों के आठ जिलों किन्नौर, लाहौल-स्पीति, चंबा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में रविवार को मौसम खराब बना रहेगा। इन इलाकों में बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के आसार हैं।

22 से 26 दिसंबर तक पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने के आसार हैं। 22 से 24 दिसंबर तक भाखड़ा बांध (बिलासपुर) के जलाशय क्षेत्र के कुछ हिस्सों और उसके आसपास और बल्ह घाटी (मंडी) के कुछ हिस्सों में तड़के और देर रात घना कोहरा छाए रहने का येलो अलर्ट है। शिंकुला दर्रा के साथ रोहतांग दर्रा, सेवन सिस्टर पीक, कुंजम दर्रा और बारालाचा की चोटियों में हल्की बर्फबारी हुई। इन पहाड़ी क्षेत्रों में शीतलहर का असर बढ़ गया है। वीकेंड के चलते शिंकुला दर्रा, रोहतांग और ग्रांफू में सैलानियों की काफी भीड़ रही। शनिवार को कांगड़ा हवाई अड्डा पर सभी फ्लाइटें अपने समय पर पहुंचीं। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी के कारण गद्दी समुदाय के लोगों ने अब मैदानी इलाकों का रुख करना शुरू कर दिया है।

### कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 5.7

शुक्रवार रात को कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 5.7 और ताबो में माइनस 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। शिमला में न्यूनतम तापमान 11.8, सुंदरनगर में 4.5, भुंतर में 4.5, कल्पा में 5.0, धर्मशाला में 7.8, ऊना में 5.5, नाहन में 9.4, सोलन में 4.0, मनाली में 5.4, कांगड़ा में 6.0, मंडी में 5.9, बिलासपुर में 7.5, हमीरपुर में 5.5, कुफरी में 10.2, नारकंडा में 7.6, भरमौर में 9.4, रिकांगपिओ में 7.1, बरठीं में 5.6, कसौली में 11.7, पांवटा साहिब में 9.0, सराहन में 5.8, देहरागोपीपुर में 9.0, नेरी में 10.4 और बजौरा में 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

# मुनीर के गले की फांस बनी अमेरिका की दोस्ती, गाजा में सेना भेजने का प्रेशर; अपने ही जाल में कैसे फंसा पाकिस्तान?

इस्लामाबाद, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान इस समय अमेरिका से दोस्ती मजूबत करने की कोशिश में लगा हुआ है। इस बीच अमेरिका पाकिस्तान पर गाजा में शांति सेना भेजने का दबाव बना रहा है। जिसको लेकर असीम मुनीर मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गाजा शांति समझौते को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पाकिस्तान में सत्ता हिल रही है। उन्होंने पाकिस्तान की गाजा स्टेबिलाइजेशन फोर्स में शामिल होने की पेशकश या विचार करने के लिए आभार जताया। मार्को रुबियो ने कहा कि 'हम पाकिस्तान के बहुत आभारी हैं कि उन्होंने इसका हिस्सा बनने का प्रस्ताव दिया है या कम से कम इसका हिस्सा बनने पर विचार करने को कहा है। बता दें कि मार्को रुबियो ट्रंप के गाजा पीस प्लान के तहत पाकिस्तानी सेना को गाजा भेजने की बात कर रहे थे।

लेकिन पाकिस्तानी सेना इस मुद्दे पर बंटी हुई दिखाई दे रही है। फील्ड मार्शल असीम मुनीर के खिलाफ पाकिस्तान के लोग सड़कों पर उतर आए। राजनीतिक दलों और खासकर मुनीर को इतना ताकतवर बनाने वाली सरकार भी इससे सहमत नहीं है। ऐसे में असीम मुनीर मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बयान के बाद पाकिस्तान में ऐसी खबरें फैलने लगीं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर निकट भविष्य में वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। इसके बाद से पाकिस्तान की जनता, मीडिया, सेना, सरकार और अन्य राजनीतिक दल इसका विरोध कर रहे हैं।

बढ़ता विवाद देख पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान को सैन्यकर्मी भेजने के लिए नहीं कहा गया है और न ही देश ने अभी तक कोई निर्णय लिया है। इससे पहले, विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा था कि जब तक आईएसएफ के कार्यक्षेत्र स्पष्ट नहीं हो जाते, पाकिस्तान कोई निर्णय नहीं ले सकता और साथ ही यह भी कहा था कि हमास को निरस्त्र करना हमारा काम नहीं है।

पाकिस्तानियों की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की योजना मुस्लिम देशों को हमास और अन्य प्रतिरोधक समूहों के साथ टकराव के रास्ते पर धकेलने का है। पाकिस्तानी अखबार द डॉन ने अपने संपादकीय में लिखा है, अमेरिका वह करने की कोशिश कर रहा है, जो इजरायल करने में विफल रहा।

हमारा मानना है कि किसी भी मुस्लिम देश को फिलिस्तीनी समूहों से नहीं लड़ना चाहिए। शायद गाजा योजना के इसी अप्रिय पहलू के कारण कई देशों ने सेना भेजने से इनकार कर दिया है। संपादकीय में लिखा है कि इजरायल पर भरोसा नहीं किया जा सकता, और उसने पहले ही संकेत दे दिया है कि वह कब्जे वाले गाजा के महत्वपूर्ण हिस्सों में बने रहने का इरादा रखता है। इसलिए मुस्लिम और अरब देशों को कब्जे को जारी रखने की अमेरिकी-इजरायली योजना में भागीदार नहीं बनना चाहिए।

# सोशल मीडिया से शुरू हुआ अरावली विवाद

## *अब राजस्थान की राजनीति में लाया भूचाल !*

### बीजेपी-कांग्रेस के बीच छिड़ी जंग

जयपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। अरावली को लेकर चल रहे विवाद के बीच अब राजस्थान में भी इसका विरोध तेज हो गया है। अशोक गहलोत सहित कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से पुनर्विचार की मांग की, जबकि भाजपा ने फैसले को न्यायालय का निर्णय बताते हुए कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

**अरावली हिल्स को लेकर शुरू हुई राजनीति**

जयपुरः अरावली पर्वत श्रृंखला को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद यह मामला विवादों में आ गया है। फैसले में 100 मीटर से ऊंची पहाड़ी क्षेत्र को ही अरावली का हिस्सा माना गया है। 100 मीटर से कम ऊंचाई वाली पहाड़ी को अरावली क्षेत्र नहीं माने जाने पर विरोध शुरू हो गया है। सोशल मीडिया पर इस फैसले के खिलाफ आंदोलन चल रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित विपक्ष के कई नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की सिफारिशों पर सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। केंद्र सरकार को इस मामले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

**गहलोत के बयान पर राठौड़ का पलटवार**

अरावली को बचाने के लिए पूरे राजस्थान में अभियान शुरू हो गया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी सेव अरावली अभियान से जुड़ गए हैं। दो दिन पहले उन्होंने अरावली का महत्व बताते हुए केंद्र सरकार से अपील की कि वे अरावली को लेकर आए फैसले पर पुनर्विचार करे और सुप्रीम कोर्ट में इसके योगदान को लेकर रिपोर्ट भेजे। गहलोत की अपील के बाद भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट का है। इसमें केंद्र सरकार को दोषी के रूप में आरोपित नहीं करना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि हम अरावली से छेड़छाड़ नहीं करना चाहते। हमारी सरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की समीक्षा करेगी।

**पूरे प्रदेश में चल रहा है अभियान**

अरावली पर्वतमाला को लेकर सुप्रीम कोर्ट का जो निर्णय आया है। उसके बाद से राजस्थान में अरावली बचाने को लेकर अभियान तेज हो गया है। आदिवासी इलाकों में कई संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। संगठनों ने चेतावनी दी है कि अरावली पर हो रहे खनन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। केंद्र सरकार को इस मामले में अरावली के महत्व को बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश करनी होगी। अगर केंद्र सरकार पहल करेगी तो इस मामले का हल निकल सकता है।

**राजस्थान के कई कांग्रेसी नेता भी अराव**

ली बचाओ अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने रविवार को मौन सत्याग्रह किया। सुबह 11 बजे खाचरियावास अपने समर्थकों के साथ घर से निकले। पैदल मार्च करते हुए वे अंबेडकर सर्किल पहुंचे। वहां अंबेडकर की प्रतिमा के पास उन्होंने 45 मिनट तक मौन सत्याग्रह किया। उन्होंने कहा कि अरावली मामले पर केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट को पुनर्विचार करना होगा। अगर 100 मीटर से नीचे की पहाड़ी को अरावली नहीं माना तो खनन बढ जाएगा। इससे राजस्थान का पूरा पर्यावरण सिस्टम बिगड़ जाएगा। खनन होने से पहाड़ियां विलुप्त हो जाएंगी। इसके बाद जो बादल अभी राजस्थान में बरसते हैं, वे पाकिस्तान जाकर बरसेंगे।

# 'कलेक्टर मैडम हमारी रोल मॉडल नहीं वे रील स्टार हैं' *इतना कहने से हो गया बवाल*

### एसपी ने मांगी माफी

जयपुर, , 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की लेडी आईएएस टीना डाबी आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। कभी फील्ड में उतरकर काम करने को लेकर तो कभी स्कूली बच्चों के साथ बातचीत करके। कभी राष्ट्रपति से मेडल मिलने पर तो कभी गलत आंकड़े पेश करने पर। अब वे एक बार फिर सुर्खियों में आ गई जब बाड़मेर कॉलेज की छात्राओं ने उन्हें रोल मॉडल नहीं बल्कि रील स्टार बता दिया। कॉलेज फीस कम करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही छात्राओं ने जब यह कहा कि कलेक्टर मैडम हमारी रोल मॉडल नहीं हैं, वे तो रील स्टार हैं। इतना कहने भर से बाड़मेर में बवाल हो गया।

**हमारी रोल मॉडल अहिल्याबाई होल्कर और रानी लक्ष्मी बाई है**

एबीवीपी से जुड़ी छात्राएं फीस कम करने की मांग को लेकर कॉलेज के बाहर प्रदर्शन करते हुए हंगामा कर रही थी। सूचना मिलने पर एडीएम और एसडीएम मौके पर पहुंचे। एसडीएम ने छात्राओं को समझाते हुए कहा कि आपकी समस्याएं सुनी जाएंगी। यहां की कलेक्टर मैडम रोल मॉडल हैं। एसडीएम द्वारा यह कहने पर छात्राओं ने कहा कि वो रोल मॉडल नहीं रील स्टार हैं। सफाई अभियान में रील बनाने पहुंच जाती हैं लेकिन छात्राओं की समस्याएं सुनने के लिए वे यहां नहीं आई। छात्राओं ने यह भी कहा कि उनके लिए रोल मॉडल अहिल्याबाई होल्कर और रानी लक्ष्मी बाई है।

प्रदर्शन के दौरान कई छात्रनेता भी मौजूद थे। जब छात्राओं ने कलेक्टर मैडम को रील स्टार बताया तो पुलिस को यह नागवार गुजरा। पुलिस ने छात्र नेताओं को पकड़ लिया और थाने ले गई। इसके बाद दर्जनों छात्राएं भी पुलिस थाने पहुंच गई और थाने का घेराव किया। छात्राओं ने पुलिस थाने के बाहर जमकर हंगामा किया। छात्राओं का कहना था कि फीस में अचानक तीन गुना बढ़ोतरी कर दी। यह सरासर गलत है। हम इसका विरोध करते रहेंगे।

बाड़मेर कोतवाली पुलिस द्वारा एबीवीपी से जुड़े छात्र नेताओं को हिरासत में लेने पर हंगामा और ज्यादा बढ़ गया। मामला बढ़ता देख एसपी नरेंद्र सिंह खुद मौके पर पहुंचे। उन्होंने समझाइस करते हुए कहा कि हम मानते हैं, हमसे गलती हो गई। एसपी ने बड़प्पन दिखाते हुए मामला शांत करने का प्रयास किया। एसपी द्वारा गलती फील करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

# 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा', सीएम भजनलाल बोले-

## कांग्रेस के समय, शक्ल और चेहरा देखकर होते थे काम

भीलवाड़ा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मांडलगढ़ दौरे के दौरान पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। सरकार के दो साल के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के शासन में राजनेता 'शक्ल और चेहरा' देखकर काम देते थे, लेकिन उनकी सरकार पारदर्शिता और नीति बनाकर काम कर रही है।

**भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार: 'ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा'**

मांडलगढ़ हेलीपैड पर भव्य स्वागत के बाद मुख्यमंत्री ने जनसेवा शिविर के फॉलोअप कैंप का अवलोकन किया। जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने जल जीवन मिशन घोटाले का जिक्र किया और कहा, 'कांग्रेस के समय भ्रष्टाचार चरम पर था, उनके मंत्री और अफसर आज जेल की हवा खा रहे हैं। हमारा सिद्धांत स्पष्ट है ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा। भ्रष्टाचारी कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।' उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने अब तक 34 मामलों में अभियोजन स्वीकृति जारी कर भ्रष्टाचार पर लगाम कसी है।

**पेपर लीक और अपराध पर लगाम**

युवाओं के मुद्दे पर बोलते हुए सीएम ने कहा कि कांग्रेस के 5 साल के शासन में पेपर लीक ने युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया था। 'हमारी सरकार के 2 साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। हमने 138 एफआईआर दर्ज कर 394 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा है।' मुख्यमंत्री ने कानून-व्यवस्था का दावा करते हुए कहा कि 2023 की तुलना में प्रदेश में अपराधों में 15 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सरकार ने 28 नई नीतियां बनाई हैं ताकि 'जो आएगा, वह पाएगा' के सिद्धांत पर विकास हो सके।

**महिला सशक्तिकरण और विकास का विजन**

मुख्यमंत्री ने लखपति दीदी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार अब इन्हें 'मिलियन दीदी' बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल और सांसद दामोदर अग्रवाल की मौजूदगी में भरोसा दिलाया कि जो वादे युवाओं और जनता से किए गए हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है। इस दौरान जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

# नरेश मीणा की कार पर हमला : समर्थकों ने पूर्व सरपंच की गाड़ी में आग लगाई, आठ लोग डिटेन

बारां, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में नरेश मीणा पर हुए हमले के बाद इलाके में तनावपूर्ण हालात बन गए। अज्ञात हमलावरों ने उनकी गाड़ी पर हमला कर शीशे तोड़ दिए। घटना से नाराज नरेश मीणा के समर्थकों ने पूर्व सरपंच के घर पर पथराव किया और एक कार में आग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया।

जानकारी के अनुसार नरेश मीणा आखेड़ी गांव में एक परिचित के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त कर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उनकी गाड़ी को निशाना बनाया, जिससे वाहन के शीशे टूट गए हालांकि इस हमले में नरेश मीणा को कोई गंभीर चोट नहीं आई।

हमले के बाद मीणा के समर्थकों ने आरोप लगाया कि यह हमला अंता विधायक प्रमोद जैन भाया के समर्थक माने जाने वाले पूर्व सरपंच तोलाराम के बेटे और उसके साथियों द्वारा किया गया है। आरोपों के बाद बड़ी संख्या में समर्थक ग्राम आखेड़ी पहुंचे और हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

घटना के बाद नरेश मीणा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर पुलिस प्रशासन से तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कदम उठाते हुए पूर्व सरपंच तोलाराम के घर का ताला तोड़कर आरोपियों की तलाश शुरू की।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अब तक 8 लोगों को डिटेन किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस बीच नरेश मीणा अपने समर्थकों के साथ घटनास्थल से एसपी कार्यालय पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में समर्थकों ने प्रदर्शन किया। नरेश मीणा समर्थकों के साथ एसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए और पूरे मामले को साजिश बताते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। फिलहाल क्षेत्र में पुलिस बल तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

# हिस्ट्री-शीटर डेनिस हत्याकांड मामला

### भिखारी के भेष में मंदिरों के आगे भीख मांग रहा था हिस्ट्रीशीटर मालसरिया

झुंझुनूं, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। डेनिश बावरिया हत्याकांड में फरार चल रहे 50 हजार रुपए के इनामी और हिस्ट्रीशीटर दीपक मालसरिया को आखिरकार कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस से बचने के लिए साधु–भिखारी का भेष बनाकर मंदिरों के बाहर भीख मांग रहा था। जयपुर के प्रसिद्ध खोले के हनुमानजी मंदिर के सामने फटे पुराने कपड़ों में कटोरा थामे बैठे इस शातिर अपराधी को पुलिस टीम ने दो दिन की रैकी के बाद पकड़ा। दीपक मालसरिया के पास फरारी के दौरान न पैसे बचे, न मददगार। नए आपराधिक कानूनों के डर से किसी ने सहायता नहीं की। मजबूरी में उसने जयपुर, दिल्ली और ऋषिकेश के मंदिरों के बाहर भिखारी बनकर रोटी और चिल्लर से गुजारा किया। पहचान छिपाने के लिए फटे कपड़े पहने और मंदिरों के आसपास ही डेरा जमाए रखा।

गौरतलब है कि 20 अक्टूबर 2025 को दर्ज इस सनसनीखेज प्रकरण में डेनिश उर्फ नरेश कुमार ने बताया कि 19 अक्टूबर की रात वह अपने साथियों के साथ पटाखों का हिसाब कर स्कॉर्पियोगाड़ी से चुड़ेला गांव जा रहा था। चूरू बाइपास ठेके के पास तीन सफेद कैम्परगाड़ियों में आए आरोपियों ने पहले टक्कर मारी, फिर बंदूक की नोक पर गाड़ी से उतारकर बेरहमी से पीटा। लोहे की पाइपों और सरियों से हाथ-पैर, सिर और पैरों की नलियों पर वार किए गए।

# 'विभाग से कोई आए तो उसे पेड़ से बांध दो'

### बिजली चोरी को लेकर विधायक का विवादित बयान

दौसा, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले की लालसोट सीट से बीजेपी विधायक रामविलास मीणा ने बिजली चोरी के खिलाफ कार्रवाई करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को लेकर विवादित बयान दिया है. उन्होंने अपने इलाके के लोगों से कहा है कि क्षेत्र में बिजली चोरी पर कार्रवाई के लिए आने वाली बिजली निगम की वीसीआर (विजिलेंस कमर्शियल रिपोर्ट) टीम को वहीं पर बिठाकर खुद को फोन किए जाने, पेड़ से बांध देने और गाड़ी की हवा निकाल कर उसे पंचर कर देने को कहा है.

बीजेपी विधायक का यह विवादित और बेतुका बयान सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में विधायक रामविलास मीणा निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाते हुए भी नजर आ रहे हैं. वीडियो में विधायक रामविलास मीणा ग्रामीणों के बीच मौजूद दिखाई दे रहे हैं और ग्रामीणों से वीसीआर कार्रवाई करने आई टीमों का विरोध की छूट देते नजर आ रहे है.

**'विभाग से कोई आए तो उसकी गाड़ी पंक्चर कर दो'**

उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि यदि कोई अधिकारी या कर्मचारी वीसीआर के नाम पर कार्रवाई के लिए आए, तो उसे रोक लिया जाए और गाड़ियों की हवा निकाल दी जाए. वायरल वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे अधिकारी कर्मचारियों को पेड़ से बांध दो, आगे जो होगा, मै उसे देख लूंगा.

**ग्रामीणों ने वीसीआर टीम पर लगाए थे आरोप**

दरअसल दो दिन पहले सिसोदिया गांव में ग्रामीणों ने बिजली निगम टीम पर वीसीआर के नाम पर अवैध वसूली के आरोप लगाए थे, जिसके बाद सूचना मिलने पर विधायक मौके पर पहुंचे. इस दौरान विधायक ने कहा कि लालसोट में वीसीआर के नाम पर अवैध वसूली का खेल नहीं चलेगा, यदि कोई वीसीआर भरने आए उन्हें रोक लो और मुझे फोन कर दो, मैं दस मिनट में आ जाऊंगा, वीसीआर के लिए आने वाली टीम की गाड़ियों की हवा निकाल दो, उस टीम को पेड़ से बांध दो.

हालांकि सवाल यह उठता है कि अगर सत्ता पक्ष के विधायक ही इस तरह लोगों को उकसाएंगे तो विभाग बिजली चोरी कैसे रोकेगी. इस तरह के बयानों के बाद बिजली चोरी करने वालों के हौसले और बुलंद होंगे.

# हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर कब्जे का प्रयास, तीन गिरफ्तार

जोधपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड में राजस्थान आवासन मण्डल की जमीन पर कुछ भू-माफियाओं ने अवैध रूप से कब्जा करने का प्रयास किया। चौहाबो थाना पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार कर जेसीबी जब्त की। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विनीत कुमार बंसल ने बताया कि भट्टी की बावड़ी क्षेत्र में चौहाबो सेक्टर-17ई में राजस्थान आवासन मण्डल की अवाप्तशुदा, कब्जाशुदा व नियोजक राजकीय सिवाचक जमीन है, जहां कुछ लोग जेसीबी लेकर पहुंचे और अतिक्रमण कर कब्जा करने का प्रयास किया। राजस्थान आवासन मण्डल के आवासीय अभियंता दीपक मिश्रा ने पुलिस को सूचना दी और कार्रवाई कर पाबंद करने का आग्रह किया।

थानाधिकारी ईश्वरचंद पारीक के निर्देशन में पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी से कब्जे का प्रयास कर रहे चौहाबो में वैष्णव नगर निवासी केसाराम पुत्र दलाराम प्रजापत, भट्टी की बावड़ी में मालियों की बस्ती निवासी हेमंत पुत्र सोहनलाल माली व जलजोग सर्कल के पास सिंधी कॉलोनी निवासी कैलाश पुत्र एमएल भार्गव को शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया। जेसीबी भी जब्त की गई है।

थानाधिकारी ईश्वरचंद पारीक ने बताया कि पाल बालाजी मंदिर के पास फुटपाथ किनारे झोंपड़ पट्टी में रहने वालों में विवाद और मारपीट हो गई थी। पथराव व लाठियों से हमला कर दिया गया था। सभी मुख्य रोड पर आ गए थे और यातायात बाधित कर दिया था।

# एएसआई तीन लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

जोधपुर, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) जोधपुर ग्रामीण ने तीन लाख रिश्वत लेते हरियाणा के गुरुग्राम पुलिस की क्राइम ब्रांच के एएसआइ प्रवीण को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह राशि गिरफ्तार आरोपी से मारपीट व तंग-परेशान न करने के बदले ली गई। एएसआइ ने जयपुर हाईवे पर कापरड़ा थाने के बाहर यह रिश्वत ली। रिश्वत राशि में 1.50 लाख रुपए असली और शेष 1.50 लाख डमी नोट हैं।

उप महानिरीक्षक भुवन भूषण यादव ने बताया कि हरियाणा में गुरुग्राम पालम विहार की क्राइम ब्रांच के एएसआइ प्रवीण को तीन लाख रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। फिलहाल उसके साथ आए हरियाणा के अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका सामने नहीं आई है।

एएसपी (ग्रामीण) पारस सोनी ने बताया कि हरियाणा के गुरुग्राम जिले के सदर थाने में वाहन चोरी का मामला दर्ज है। इसमें पुलिस कमिश्नरेट के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था, जो रिमांड पर है। गुरुग्राम में पल्लव विहार की क्राइम ब्रांच के एएसआइ प्रवीण के पास जांच है। तस्दीक व जांच कराने के लिए एएसआइ प्रवीण आरोपी को लेकर शुक्रवार को जोधपुर आया था। इस दौरान परिजन से सम्पर्क किया। घरवालों ने रिमांड अवधि के दौरान मारपीट नहीं करने और मदद कराने के लिए आग्रह किया था। एएसआइ ने बदले में तीन लाख रुपए मांगे थे। पीड़ित ने एसीबी की ग्रामीण चौकी में लिखित शिकायत दी। एसीबी ने सत्यापन कराया तो तीन लाख रुपए रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई थी।

# पुलिस के जवान का अपहरण कर 80 हजार की ऑनलाइन ठगी

कोटपूतली-बहरोड़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ स्थित सदर थाना क्षेत्र में दिल्ली पुलिस के एक जवान का अपहरण कर जबरन ऑनलाइन ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने जवान को कार में अगवा कर जान से मारने की धमकी देते हुए 80 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करा लिए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम सोरवा निवासी हेमंत कुमार पुत्र दिनेश यादव दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं। हेमंत ने बताया कि गुरुवार को वह बाइक से गांव बड़डू की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आई एक स्विफ्ट कार ने उनका रास्ता रोक लिया। कार में सवार बिक्रम निम्भोर और संजू ने जबरन उन्हें कार में बैठा लिया और अपहरण कर लिया। आरोप है कि कार में ले जाते समय दोनों बदमाशों ने हेमंत कुमार को डराया-धमकाया और पैसों की मांग की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। भय और दबाव में आकर पीड़ित ने आरोपियों के कहने पर हवासिंह नामक व्यक्ति के खाते में 80 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए।

# किसानों के विरोध के बाद एथनॉल प्लांट शिफ्ट होने की संभावना

### आधिकारिक पत्र आने तक आंदोलन जारी

हनुमानगढ़, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। \जिले के टिब्बी क्षेत्र में प्रस्तावित एथनॉल प्लांट को लेकर लंबे समय से चल रहा किसानों का आंदोलन आखिरकार सफल हो गया है। किसानों के तीव्र विरोध को देखते हुए कंपनी ने यह प्रोजेक्ट राजस्थान से बाहर शिफ्ट करने का फैसला कर लिया है। अब टिब्बी के राठीखेड़ा गांव के पास एथनॉल प्लांट नहीं लगाया जाएगा। इसे किसानों की बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार कंपनी ने प्रोजेक्ट के लिए करीब 73 बीघा जमीन खरीदी थी और इसमें लगभग 450 करोड़ रुपये के निवेश की योजना थी। हालांकि लगातार विरोध, तनाव और अनिश्चित माहौल के चलते कंपनी ने प्रोजेक्ट वापस लेने का निर्णय लिया। एक कंपनी सूत्र ने कहा कि जहां भविष्य में कारोबार लगातार विवादों में घिरा रहे, वहां इतना बड़ा निवेश व्यावहारिक नहीं है।

इस एथनॉल प्लांट के खिलाफ किसानों का विरोध करीब एक साल से अधिक समय से चल रहा था। किसानों का आरोप था कि अनाज आधारित एथनॉल प्लांट से भूजल प्रदूषण और जलस्तर में गिरावट का गंभीर खतरा है। आंदोलन उस समय उग्र हो गया जब 10 दिसंबर को महापंचायत के बाद किसानों ने ट्रैक्टरों से निर्माणाधीन प्लांट की बाउंड्री वॉल तोड़ दी। इसके बाद पुलिस और किसानों के बीच झड़प हुई, जिसमें कई वाहन क्षतिग्रस्त हुए और आगजनी की घटनाएं सामने आईं।

# तेलंगाना के विकास पर बहस को तैयार हों किशन रेड्डी : टीपीसीसी अध्यक्ष

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश गौड़ ने रविवार को केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद जी. किशन रेड्डी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सवाल उठाया कि केंद्रीय मंत्री होने के नाते किशन रेड्डी ने तेलंगाना के लिए आखिर क्या किया है। साथ ही उन्होंने भाजपा के केंद्र में 12 वर्षों के शासन और कांग्रेस के राज्य में दो वर्षों के कार्यकाल के बीच विकास को लेकर खुली बहस की चुनौती दी।

महेश गौड़ ने आरोप लगाया कि किशन रेड्डी राज्य के विकास में बाधा बन रहे हैं और उन्होंने मूसी नदी सफाई परियोजना तथा मेट्रो रेल विस्तार योजनाओं को रोकने का काम किया है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने राज्य की जनता से किए गए अधिकांश वादों को पूरा कर दिया है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री द्वारा कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को छह गारंटियों के क्रियान्वयन को लेकर लिखे गए पत्र की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि किशन रेड्डी का कद इतना नहीं है कि वे सोनिया गांधी से सवाल करें। उनका आरोप था कि केंद्र सरकार हर स्तर पर तेलंगाना के साथ भेदभाव कर रही है। महेश गौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करने का साहस न रखने वाले किशन रेड्डी को पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बजट आवंटन से लेकर अन्य सभी क्षेत्रों में केंद्र सरकार तेलंगाना के साथ पक्षपात कर रही है। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री यह स्पष्ट करें कि उन्होंने अपने कार्यकाल में राज्य के लिए क्या योगदान दिया है। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी ने हर साल दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन 12 वर्षों में 24 करोड़ नौकरियां सृजित होने का कोई प्रमाण नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर टिप्पणी करते हुए महेश गौड़ ने कहा कि वे चाहते हैं कि बीआरएस प्रमुख सार्वजनिक जीवन में बने रहें। उन्होंने आरोप लगाया कि नदी जल संसाधनों से जुड़ी समस्याएं केसीआर और पूर्व मंत्री हरीश राव की गलत नीतियों के कारण उत्पन्न हुईं। उन्होंने कहा कि केसीआर ने अनावश्यक और फिजूल परियोजनाओं पर धन खर्च किया। कांग्रेस चाहती है कि केसीआर विधानसभा में आएं और राज्य पर चढ़े कर्ज को लेकर स्पष्टीकरण दें। महेश गौड़ ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी बीआरएस को एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में देखना चाहती है।

## अखिल भारतीय विश्वविद्यालय तैराकी में तेलंगाना की रितविका का स्वर्ण

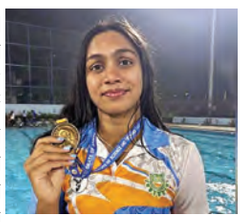

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की तैराक मित्तापल्ली रितविका ने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय एक्वेटिक्स राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक स्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय जलीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025-26 की तैराकी प्रतियोगिताएं 18 से 22 दिसंबर 2025 तक एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित की जा रही हैं। इसमें देशभर के विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। मित्तापल्ली रितविका ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा का प्रतिनिधित्व किया। इस उपलब्धि के बाद उन्हें विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ-साथ राज्य और जिला तैराकी संघ के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

## स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट पदों को तुरंत भरने की मांग

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रिकॉग्नाइज्ड टाइप राइटिंग, शॉर्टहैंड और कंप्यूटर एसोसिएशन (टीआरटीएससीए) ने राज्य सरकार से स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट के रिक्त पदों को तुरंत भरने की मांग की है। हैदराबाद के हैदरगुड़ा स्थित एनएसएस कार्यालय में आयोजित प्रेस मीट में एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश ने कहा कि आगामी ग्रुप्स नोटिफिकेशन के माध्यम से इन पदों पर भर्ती की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों में तकनीक के नाम पर इन पदों की उपेक्षा की गई। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर स्टाफ सिलेक्शन कमीशन और न्यायालय हजारों पदों पर भर्ती कर रहे हैं, वहीं तेलंगाना में इन पदों को दूसरे नामों से अन्य विभागों में स्थानांतरित कर दिया गया है, जिससे कुशल उम्मीदवारों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपील की कि प्रस्तावित स्किल यूनिवर्सिटी में टाइप राइटिंग और शॉर्टहैंड को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्गों के युवा रोजगार की उम्मीद में ऐसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम चुनते हैं।

# बीआरएस अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार पर साधा निशाना

### नई नीतियों का अभाव और व्यक्तिगत प्रतिशोध पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर चंद्रशेखर राव ने रविवार को कांग्रेस सरकार पर सत्ता में दो वर्षों में एक भी नई नीति लागू न करने के लिए कड़ा हमला बोला। तेलंगाना भवन में बीआरएस विधायक दल और पार्टी की राज्य कार्यकारी समिति की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का शासन केवल व्यक्तिगत दुर्व्यवहार और राजनीतिक प्रतिशोध तक सीमित हो गया है। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं का एकमात्र उद्देश्य उन्हें व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाना और उनकी छवि को धूमिल करना है, जबकि राज्य की जनता के हितों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में बीआरएस के शानदार प्रदर्शन को जनता के बढ़ते आक्रोश का स्पष्ट संकेत बताया और पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए बधाई दी। चंद्रशेखर राव ने कहा कि तेलंगाना की जनता ने कांग्रेस विधायकों के अहंकार को मुंहतोड़ जवाब दिया है और उनकी कार्रवाइयों से स्पष्ट होता है कि जनता अब विकास और न्याय की मांग कर रही है।

बीआरएस अध्यक्ष ने अपनी सरकार के कार्यकाल की तुलना वर्तमान शासन से करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने विपक्ष के खिलाफ कभी भी धमकी, दबाव या हिंसा का सहारा नहीं लिया। उन्होंने हाल ही में बीआरएस कार्यकर्ताओं पर हुए हमलों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में राजनीति अब जबरदस्ती और धमकी का माध्यम बन गई है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं और सिद्धांतों का क्षरण हो रहा है। राव ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार न केवल नई योजनाओं को लागू करने में असफल रही है, बल्कि पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रमों को भी रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य में संपत्ति के मूल्य गिर गए हैं और सरकार का ध्यान केवल अचल संपत्ति से संबंधित नीतियों तक सीमित रह गया है, जबकि आम जनता और किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है।

किसानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए राव ने कहा कि पहले यूरिया जैसे आवश्यक उर्वरक सीधे खेतों तक पहुंचते थे, लेकिन अब किसानों को इसके लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह कृषि क्षेत्र की उपेक्षा और सरकार की उदासीनता को दर्शाता है। उन्होंने चेताया कि यदि सरकार ने किसानों और आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया तो इसका राजनीतिक और सामाजिक परिणाम होगा। चंद्रशेखर राव ने कहा कि बीआरएस अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जनता के हित में कार्य करती रहेगी और कांग्रेस की विफलताओं को उजागर करेगी।

## श्री अयप्पा स्वामी पड़ी पूजा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के नारायणगुड़ा स्थित केशव मेमोरियल कॉलेज ग्राउंड्स में श्री अयप्पा स्वामी पड़ी पूजा कार्यक्रम भक्ति-श्रद्धा और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। यह पावन आध्यात्मिक कार्यक्रम केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अयप्पा स्वामी की विशेष पूजा और आरतियां की गईं। स्वामी नामस्मरण में लीन भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हजारों की संख्या में श्रद्धालु कार्यक्रम में पहुंचे और अयप्पा स्वामी के दर्शन कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त किया। पूजा स्थल दीपों की रोशनी और भक्ति भाव से जगमगा उठा। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने अयप्पा स्वामी से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से सभी लोग सुख-समृद्धि और शांति के साथ जीवन व्यतीत करें। भक्ति, श्रद्धा और परंपरा का प्रतीक यह अयप्पा स्वामी पड़ी पूजा महोत्सव अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस महाउत्सव में वाराणसी श्री काशी विश्वेश्वर स्वामी मंदिर के मुख्य अर्चक श्रीकांत मिश्रा की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव, भाजपा महासचिव गौतम राव, वेमुला अशोक, सांसद ईटला राजेंद्र, पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, कृष्ण यादव, चिंतल रामचंद्रम रेड्डी, भाजपा विधायक पैडी राकेश रेड्डी, पालवई हरीश, रामाराव, पायल शंकर, एमएलसी अंजीरेड्डी, मल्का कोमुरैया, ए.वी.एन. रेड्डी, हैदराबाद और सिकंदराबाद जिलाध्यक्ष लंकाला दीपक रेड्डी, भरत गौड़ आदि ने भाग लिया। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आध्यात्मिक उल्लास का अविस्मरणीय अनुभव बन गया।

## एच2एच बिजनेस नेटवर्किंग का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एच2एच बिजनेस नेटवर्किंग ने अपने सदस्यों के लिए एक आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य नेटवर्किंग के महत्व को उजागर करना और साथ ही लीड उत्पन्न करने और उन्हें सबसे प्रभावी तरीके से व्यवसाय में परिवर्तित करने के लिए ज्ञान प्रदान करना था। कार्यक्रम के प्रशिक्षक श्रीकांत रियानी थे, जिन्होंने सदस्यों को उत्कृष्ट ज्ञान प्रदान किया।

कार्यक्रम के अतिथि साल्वा साईराम राजू, लायन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (320बी) और गोपाल बलदवा सामाजिक कार्यकर्ता, ने कार्यक्रम की सफलता की सराहना की। केंद्रीय समिति के सदस्य गीतेश काटे और श्रीमती रीमा देब इस अवसर पर उपस्थित थे। अध्यक्ष रतन कृष्णमूर्ति, सुजाता नाम्बियार, पल्लवी अकुडी और अपूर्वा मुरारका भी अपने-अपने सदस्यों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

टीपीसीसी प्रोटोकॉल सचिव सूरज तिवारी द्वारा अन्य नेताओं के साथ हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री के पुत्र और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रोहतक सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा का शमशाबाद हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

## श्री मारु सेन समाज का दसवां जागरण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शाहइनायतगंज दशनाम गौस्वामी मंडल स्थित श्री मारु सेन समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 20 एवं 21 दिसंबर दसवां भव्य जागरण, दिपावली स्नेह मिलन, सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष खिमराज सोलंकी एवं महासचिव खुशाल सेन ने बताया कि हर वर्ष की भांति शनिवार 20 दिसंबर रात्रि 8.15 बजे से सेनजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप एवं ज्योत प्रज्वलितकर आरती के पश्चात दसवां भव्य जागरण आयोजित किया गया। जिसमे राजुभाई प्रजापत बालोतरा ने भजनों के पुष्प अर्पित किये।

कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथियों व विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं कार्यक्रम के लाभार्थी परिवारों का राजस्थानी परमपरा साफे, शॉल व मोतियों की माला से आयोजको द्वारा विशेष सम्मान किया गया। रविवार 21 दिसंबर प्रात: 11.15 बजे पूजा-अर्चनाकर आगामी कार्यकाल के लिए विशेष बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमे समाज बन्धुओं ने बड़चढकर भाग लिया। समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी। सम्बोधन भाषन में बोलते हुए अध्यक्ष खिमराज सोलंकी ने पधारे समाज बन्धुओं व अतिथियों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए दिपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज की एकता व चहुमुखी विकास के लिए वे हर सम्भव प्रयास करेंगे।

मारु सेन समाज के अध्यक्ष हनुमान तँवर ने बताया कि तेलंगाना मे सेन समाज की सभी संस्थाओं को एक ही छत के नीचे मिलझुलकर सेन जयंती मनानी चाहिए जिससे समाज मे एकता व भाईचारा बना रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन मे संरक्षक इन्द्रमल सोलंकी, मंगलाराम राठौड़, भवाराम परमार, पारसमल परमार, अध्यक्ष खिमराज सोलंकी, उपाध्यक्ष जबराराम लोपोणी, कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार पराड़िया, महासचिव खुशाल परमार, सहसचिव वगताराम चौहान, प्रचार मंत्री रोशनकुमार परिहार, निलेशकुमार परमार, मंत्री पारसमल सोलंकी, डुंगाराम परमार, गोपाराम भाटी, रमेशकुमार सोलंकी, समाज बन्धुओं एवं श्री मारु सेन युवा मंडल के सभी कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन प्रह्लादसिंह राजपुरोहित ने किया। महाआरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन हुआ।

## नए साल के जश्न में नशीले पदार्थों के सेवन पर मानीटरिंग करने की मांग

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज काचीगुडा में बजरंग सेना तेलंगाना ऑफिस में आने वाले नए साल के जश्न के सिलसिले में एक प्रेस मीट हुई। इस मौके पर, बजरंग सेना तेलंगाना के प्रेसिडेंट एन.आर. लक्ष्मण राव ने सभी पुलिस कमिश्नरेट से पब, हुक्का लाउंज और रिसॉर्ट में होने वाली गैर-कानूनी गतिविधियों, खासकर त्योहारों के मौसम में ड्रग्स, गांजा और दूसरी नशीली चीज़ों के सर्कुलेशन और इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए कड़ी जांच और मॉनिटरिंग करने की अपील की। मीडिया से बात करते हुए, प्रवीण यादव ने चिंता जताई कि आज के युवा तेज़ी से ऐसी गैर-कानूनी गतिविधियों के आदी होते जा रहे हैं और वेस्टर्न कल्चर से प्रभावित होकर सनातन संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों से दूर हो रहे हैं।

सतीश राज ने माता-पिता और बड़ों से युवाओं की गतिविधियों पर नज़र रखने और उन्हें अच्छी आदतों, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों की ओर सक्रिय रूप से गाइड करने की अपील की। इस मौके पर राघव, जगदीश, मनोज मोगलगिड्डी, साईनाथ, नरेश और बजरंग सेना के अन्य लोग मौजूद थे।

## चालुक्य काल की वीरगल्लू मूर्ति मिली

करीमनगर, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वेमुलावाड़ा चालुक्य काल की एक वीरगल्लू मूर्ति शनिवार को थिम्मापुर मंडल के मन्नेपल्ली गांव में मिली। यह मूर्ति करनाला घड़ी के पास स्थित एक दूध केंद्र के परिसर में स्थानीय निवासी पोथुगंती संपथ द्वारा झाड़ियों की सफाई के दौरान मिली।

करीब डेढ़ फुट ऊंची काले पत्थर की इस मूर्ति में एक युद्ध दृश्य उकेरा गया है। इसमें एक घुड़सवार सैनिक अपने दाहिने हाथ में तलवार और बाएं हाथ में कल्लम (एक प्रकार का हथियार) लिए अपने प्रतिद्वंद्वी पर प्रहार करता दिखाया गया है, जबकि एक अन्य सैनिक हाथी पर सवार है। इतिहासकार रेड्डी रत्नाकर रेड्डी ने बताया कि यह वीरगल्लू एक ऐसे सैनिक की स्मृति में बनाई गई थी जो युद्ध में शहीद हुआ था और मूर्तिकला शैली के आधार पर यह वेमुलावाड़ा काल के चालुक्यों से संबंधित है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि इसे मंदिर परिसर में स्थापित करें, क्योंकि लंबे समय से जनता इसकी पूजा करती रही है।

## रात को कपड़ों की दुकानों में चोरी की कोशिश

आदिलाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात को अज्ञात लोगों ने कस्बे में तीन कपड़ों की दुकानों के शटर तोड़कर सामान चुराने की कोशिश की। हालांकि, चोर कैश काउंटर तक नहीं पहुंच पाए और कोई सामान चोरी नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने शोर सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज खंगालकर घटना की जांच शुरू कर दी है। चोर घटनास्थल से भाग निकले।

# पावरग्रिड द्वारा काव्य संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निगम के कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरूकता एवं उनकी मनोवृत्ति बदलने के उद्देश्य से पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र-1 द्वारा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत काव्य संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन दोमन यादव, कार्यपालक निदेशक (द.क्षे.-1) द्वारा एस वी वेंकट, मुख्य महाप्रबंधक (वित्त), अरुण कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.), बिपिन बिहारी रथ, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजनाएँ) एवं वरिष्ठ अधिकारीगणों की गरिमामय उपस्थिति में किया गया।

उपरोक्त काव्य संध्या में आमंत्रित कवियों की ओर से दिनेश बावरा, रमेश मुस्कान, एकाग्र शर्मा एवं सुश्री पल्लवी मिश्रा ने अपनी ओजयुक्त, हास्यपूर्ण, शृंगारात्मक एवं व्यंग्यात्मक कविताओं से उपस्थित जन-मानस को अभिभूत किया। इस कार्यक्रम में, मुख्यालय सिकंदराबाद के सभी कार्मिकों एवं दीप शिखा महिला समिति के सदस्यगणों के अतिरिक्त अधीनस्थ उपकेन्द्रों के प्रभारी/नोडल अधिकारीगणों, नराकास हैदराबाद एवं इससे जुड़े हुए कार्यालयों के राजभाषा प्रेमियों की उपस्थिति रही।

## पेद्दावागु पुल के अप्रोच रोड की कमी से ग्रामीणों को परेशानी



कुमराम भीम आसिफाबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पेद्दावागु नदी पर बने उच्चस्तरीय पुल के दोनों ओर की पहुंच सड़क अधूरी होने के कारण कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के चार मंडलों के वाहन चालकों को लगातार असुविधा हो रही है। पुल पेंचिकलपेट और लगगम गांवों को जोड़ता है और इसका उद्देश्य पेंचिकलपेट, दाहेगांव, बेजुर और कौटाला मंडलों के निवासियों को चिकित्सा, शिक्षा और अन्य जरूरतों के लिए बेल्लमपल्ली और मंचरियाल शहरों तक यात्रा में सुविधा प्रदान करना था।

2016 में लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से निर्माण की मंजूरी मिलने के बाद यह पुल 2023 में जनता के लिए खोला गया। हालांकि, लगभग दो किलोमीटर लंबी अप्रोच रोड अब तक नहीं बिछाई गई है। पहले बनी अस्थायी सड़क लगातार बारिश के कारण जर्जर हो गई है, जिससे वाहन चालकों को खतरनाक फिसलन और 10 फीट की खड़ी चढ़ाई का सामना करना पड़ता है। पेंचिकलपेट मंडल केंद्र के निवासी दुब्बुला जनार्दन ने बताया कि चारों मंडलों के 50 से अधिक गांवों के लोग प्रभावित हैं और मानसून में स्थिति और खराब हो जाती है। सड़क एवं भवन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि अप्रोच रोड के लिए आवश्यक लगभग आठ एकड़ भूमि के अधिग्रहण का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है और धन की कमी के कारण निर्माण में देरी हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले मानसून से पहले कार्य पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

## शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्ती

### साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 409 लोगों को पकड़ा अदालत में पेश होंगे सभी आरोपी

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने विशेष अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 409 लोगों को पकड़ा है। सभी आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कर उन्हें कानूनी कार्रवाई के लिए अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए लोगों में 290 दोपहिया वाहन चालक, 23 तिपहिया वाहन चालक, 95 चार पहिया वाहन चालक और एक भारी वाहन चालक शामिल है।

## हैदराबाद कमिश्नर के गनमैन ने खुद को गोली मारी, हालत गंभीर

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक चौंकाने वाली घटना में हैदराबाद पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ के निजी सुरक्षा अधिकारी एम कृष्णा चैतन्य ने रविवार तड़के हयातनगर स्थित अपने घर में अपनी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या का प्रयास किया। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, कृष्णा चैतन्य हैदराबाद शहर पुलिस की सिटी सिक्योरिटी विंग में तैनात थे और आयुक्त के गनमैन के रूप में कार्यरत थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने निजी कारणों और मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया। अधिकारियों ने बताया कि चैतन्य सट्टेबाजी और ऑनलाइन गेमिंग ऐप्स में भारी रकम गंवाने के बाद आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे, जिससे वह अवसाद में चले गए थे। करीब तीन महीने पहले वह इसी कारण घर छोड़कर भी चले गए थे, लेकिन बाद में लौट आए थे। हयातनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# टीम मैनेजमेंट लेगी बड़ा फैसला : जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को न्यूजीलैंड सीरीज में मिल सकता है आराम

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने हाल में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज जीती है. इसके बाद भारतीय टीम अब टी20 वर्ल्ड कप की तैयारी कर रही है. इस मेगा आईसीसी टूर्नामेंट से पहले टीम इंडिया घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ भिड़ने वाली है. जहां पर टीम पहले 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी. वहीं उसके बाद 5 मैचों की टी20 सीरीज भी होनी है. जहां पर टी20 सीरीज बहुत ज्यादा अहम होने वाली है.

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के बाद अब घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड का सामना करने वाली हैं. कीवी टीम भारत दौरे पर 3 वनडे और 5 टी20 मैच खेलने वाली है. इस सीरीज के बाद ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले खेले जाएंगे. ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज बहुत ही खास होने वाली है. जिसको देखते हुए भारतीय टीम मैनेजमेंट सुपरस्टार खिलाड़ी हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह को इस बड़ी सीरीज से आराम दिया जा सकता है.

**जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को मिल सकता है आराम**

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारियों में टीम इंडिया फिलहाल लगी हुई है. इस बीच बड़ी रिपोर्ट सामने आ रही है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से आराम दिया जा सकता है. दोनों ही खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए बहुत बड़े मैच विनर हैं. ऐसे में उनका टी20 वर्ल्ड कप के दौरान फिट रहना बहुत ज्यादा अहम है. पांड्या ने इंजरी के कारण पिछली कई सीरीज मिस की है. ऐसे में उनके फिटनेस को लेकर टीम मैनेजमेंट कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है. बुमराह भी बहुत इंजरी का शिकार होते हैं. ऐसे में उनको लेकर भी मैनेजमेंट बहुत ज्यादा सतर्क है.

**दोनों दिग्गज इस सीरीज से कर सकते हैं वापसी**

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का आगाज 11 जनवरी से होगा. वहीं टी20 सीरीज का आगाज 21 जनवरी से होगा. जिसका आखिरी और 6वां मुकाबला 31 जनवरी को खेला जाएगा. ऐसे में इस टी20 सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ियों को सिर्फ 6 दिन का ही समय मिलेगा. हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में खेलते हुए नजर आ सकते हैं. दोनों ही खिलाड़ी मौजूदा समय में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. कप्तान सूर्यकुमार यादव और हेड कोच गौतम गंभीर इन दोनों स्टार खिलाड़ियों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं.

# रोमांचक सेमीफाइनल में उलटफेर

## चीनी जोड़ी से हारे सात्विक-चिराग भारत का अभियान समाप्त

खेल डेस्क, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। सात्विक और चिराग ने ग्रुप चरण में इसी चीनी जोड़ी को हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मैच पलट दिया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में भारतीय जोड़ी को कोई हार नहीं मिली थी, लेकिन सेमीफाइनल की हार के कारण वे फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने से चूक गए।

भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से हारकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने मुकाबले की शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-10 से अपने नाम किया, लेकिन इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सकी। एक घंटे तीन मिनट तक चले इस रोमांचक सेमीफाइनल में उन्हें 21-10, 17-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि सात्विक और चिराग ने ग्रुप चरण में इसी चीनी जोड़ी को हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में प्रतिद्वंद्वी जोड़ी ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाते हुए मैच पलट दिया। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के ग्रुप चरण में भारतीय जोड़ी को कोई हार नहीं मिली थी, लेकिन सेमीफाइनल की हार के कारण वे फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने से चूक गए।

हालांकि, सात्विक और चिराग ने इस सत्र के अंतिम टूर्नामेंट में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचते हुए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

# इंजरी और फॉर्म से परेशान शुभमन गिल को सुनील गावस्कर ने दी सलाह

मुंबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज तक शुभमन गिल भारत की टी20 टीम के उप-कप्तान थे. लेकिन, अब ना तो वो उप-कप्तान हैं और ना ही भारत की टी20 टीम का हिस्सा. बीसीसीआई ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जो टीम चुनी है, उससे शुभमन गिल बाहर हैं. लेकिन, सुनील गावस्कर की दी सलाह और इन बातों का कोई लेने देना नहीं. क्योंकि, गावस्कर ने गिल को सलाह टीम इंडिया से ड्रॉप होने और उप-कप्तानी जाने से पहले ही दे दी थी. उन्होंने गिल को पहले ही कह दिया था- घर जाओ और नजर उतरवाओ.

**सुनील गावस्कर ने गिल को क्या सलाह दी ?**

सुनील गावस्कर टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए हुए टीम इंडिया के ऐलान की एनालिसिस कर रहे थे. उसी दौरान उन्होंने शुभमन गिल से फ्लाइट में हुई अपनी मुलाकात का जिक्र किया. उन्होंने बताया कि वो और शुभमन, अहमदाबाद से एक ही फ्लाइट में सफर कर रहे थे. गावस्कर ने कहा कि वो एक क्लास प्लेयर है. ऐसे में उसे इंजरी के चलते गेम मिस करते या फिर आउट ऑफ फॉर्म देखना मुझे अच्छा नहीं लगता. सुनील गावस्कर ने आगे बताया कि उन्होंने गिल को घर जाकर किसी बुजुर्ग यानी कि दादी-नानी से नजर उतरवाने की सलाह दी. गावस्कर के मुताबिक उन्हें उन चीजों पर पूरा यकीन है.

**इंजरी और फॉर्म से परेशान शुभमन गिल**

शुभमन गिल फुट इंजरी के चलते साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 से बाहर किए गए थे. उसके बाद उन्होंने उस सीरीज में रन भी नहीं बनाए. गिल ने सीरीज में खेले 3 टी20 मैच की 3 पारियों में सिर्फ 32 रन ही बनाए. गावस्कर को गिल जैसे क्लास प्लेयर से इतने खराब प्रदर्शन की उम्मीद नहीं थी.

# कोलकाता इवेंट के आयोजक बोले : मेसी छूने-गले लगाने से परेशान हुए, भीड़ नियंत्रित करने की अपील बेअसर रही

कोलकाता, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में 13 दिसंबर को हुए इवेंट से लियोनेल मेसी के जल्दी चले जाने को लेकर नई बात सामने आई है। इवेंट के दौरान सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के कारण फुटबॉलर असहज हो गए, इसलिए तय वक्त से पहले ही वहां से चले गए। यह जानकारी इवेंट के मुख्य आयोजक सताद्रु दत्ता ने जांच एजेंसियों को दी है। इस मामले में दत्ता को गिरफ्तार किया गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक एसआईटी की पूछताछ में दत्ता ने बताया कि विदेशी सुरक्षा एजेंसियों ने आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि मेसी को छूना या गले लगाया जाना बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। जब प्रोग्राम में मेसी आए तो भीड़ रोकने के लिए मंच से कई बार कहा गया, लेकिन इसका कोई खास असर नहीं पड़ा।

दत्ता के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जिस तरह मेसी को चारों ओर से घेर लिया गया और लोग उन्हें गले लगाने लगे, वह पूरी तरह अस्वीकार्य था। इससे वे परेशान हुए और कार्यक्रम बीच में ही छोड़ने का फैसला लिया।

कार्यक्रम के दौरान पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास को मेसी के बेहद करीब देखा गया। सामने आए वीडियो में वे मेसी की कमर के चारों ओर हाथ रखकर फोटो खिंचवाते नजर आए। इसके बाद आरोप लगे कि उन्होंने अपने रिश्तेदारों और परिचितों को मेसी तक पहुंच दिलवाई। जांच पूरी होने तक अरूप बिस्वास ने खेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। जांच अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि बड़ी संख्या में लोगों को ग्राउंड एरिया में प्रवेश कैसे मिला। दत्ता ने दावा किया कि शुरुआत में केवल 150 ग्राउंड पास जारी किए गए थे, लेकिन एक बेहद प्रभावशाली व्यक्ति के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद यह संख्या तीन गुना कर दी गई।

एक अधिकारी के अनुसार, 'उस व्यक्ति के आने के बाद पूरा फ्लो-चार्ट बिगड़ गया और आयोजक हालात संभाल नहीं पाए।'

एसआईटी को दिए बयान में दत्ता ने बताया कि मेसी को भारत दौरे के लिए 89 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया, जबकि 11 करोड़ टैक्स के रूप में सरकार को दिए गए। इस तरह कुल खर्च करीब 100 करोड़ रुपए रहा। इसमें से 30% राशि स्पॉन्सर्स से और 30% टिकट बिक्री से प्राप्त हुई।

एसआईटी को दत्ता के फ्रीज किए गए बैंक खातों में 20 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि भी मिली है। 19 दिसंबर को उनके आवास पर छापेमारी कर कई दस्तावेज जब्त किए गए। दत्ता का दावा है कि यह रकम टिकट बिक्री और स्पॉन्सरशिप से जुड़ी है, जिसकी जांच की जा रही है।

# पाकिस्तान हॉकी टीम के मैनेजर ने कराई किरकिरी

## विमान के अंदर धूम्रपान करते पकड़े गए

कराची, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व ओलंपियन और मैनेजर के तौर पर एफआईएच प्रो लीग में पाकिस्तान की सीनियर टीम के साथ अर्जेंटीना गए अंजुम सईद उस समय मुश्किल में फंस गए जब ब्राजील में रियो डि जनेरियो हवाई अड्डे पर विमान में ईंधन भरते समय धूम्रपान करने के कारण उन्हें विमान से उतार दिया गया। अंजुम को एक पाकिस्तानी खिलाड़ी के साथ दुबई जाने वाले विमान में चढ़ने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि ब्राजील में ईंधन भरने के लिए विमान के रुकने के दौरान उन्हें धूम्रपान करते हुए पकड़ा गया था।

अंजुम अपने जमाने के मशहूर डिफेंडर और मिडफील्डर रहे हैं और वह 1992 के ओलंपिक सेमीफाइनल में खेले थे। उन्हें टीम के मैनेजर के रूप में अर्जेंटीना भेजा गया था। इस सप्ताह स्वदेश लौटने के बाद अब वह दावा कर रहे हैं कि वह दुबई में कुछ व्यक्तिगत काम के कारण टीम के साथ वापस नहीं आए। लेकिन पाकिस्तान खेल बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान हॉकी महासंघ से इस घटना की स्वतंत्र जांच कराने का अनुरोध किया है क्योंकि इससे पाकिस्तान की छवि खराब होती है।

उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि अंजुम और एक अन्य खिलाड़ी ने इस मामले को तब तूल दे दिया जब विमान में ईंधन भरते समय मैनेजर को धूम्रपान करने के लिए टोका गया।

# ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 5वें एशेज खिताब पर कब्जा जमाया

## तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 82 रन से हराया, ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे

एडिलेड, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ एडिलेड ओवल में खेले गए एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 82 रन से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 5 टेस्ट मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली और 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इससे पहले पर्थ और ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया ने 8-8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 371 रन बनाए, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 286 रन पर सिमट गई। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरी पारी में 349 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 434 रन का लक्ष्य रखा।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम संघर्ष करती नजर आई और पूरी टीम तय स्कोर से 82 रन पहले ही आउट हो गई। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू परिस्थितियों में एशेज सीरीज पर अपना दबदबा कायम रखा।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और नाथन लायन ने 3-3 विकेट लिए। जबकि स्कॉट बोलैंड को 1 विकेट मिले।

एलेक्स कैरी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने पहली पारी में 106 रन, दूसरी पारी में 72 रन बनाए और छह कैच भी लिए।

इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल छह विकेट पर 207 रन बनाकर समाप्त किया था, जिसके बाद उसकी जीत की उम्मीदें काफी धूमिल नजर आ रही थीं। हालांकि, पांचवें और आखिरी दिन जेमी स्मिथ ने 60 रन की अहम पारी खेलकर एक समय इंग्लैंड की उम्मीदें जगा दीं। जब वह आउट हुए, तब तक इंग्लैंड का स्कोर 285 रन तक पहुंच चुका था और टीम लक्ष्य के काफी करीब नजर आने लगी थी।

मगर इसके बाद विल जैक्स 47 रन पर आउट हो गए और फिर जोफ्रा आर्चर भी पवेलियन लौट गए। इंग्लैंड को आखिरी झटका जोश टंग के रूप में लगा।ब्रायडन कार्स 39 रन बनाकर नाबाद रहे।

नाथन लायन चोटिल, बैसाखी के सहारे स्कैन के लिए गए

एडिलेड ओवल में खेले जा रहे एशेज सीरीज़ के तीसरे टेस्ट के दौरान ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑफ-स्पिनर नाथन लायन चोटिल हो गए। 38 वर्षीय लायन, जो इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने, पांचवें दिन सुबह फील्डिंग के दौरान चोट का शिकार हुए।

फाइन लेग पर एक गेंद को रोकने के लिए डाइव लगाते समय लायन को चोट लगी। डाइव के बाद वह धीरे-धीरे उठे और तुरंत ड्रेसिंग रूम की ओर इशारा किया। लंच ब्रेक से पहले उन्हें स्कैन के लिए बैसाखियों के सहारे एडिलेड ओवल से बाहर जाते देखा गया।

लायन ने इससे पहले चौथे दिन दोपहर सत्र में शानदार गेंदबाज़ी करते हुए तीन विकेट चटकाए थे, जिससे ऑस्ट्रेलिया जीत के बेहद करीब पहुंच गया था। हालांकि, पांचवें दिन चोट लगने से पहले उन्हें कोई विकेट नहीं मिल सका।

434 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। लंच तक टीम ने 1 विकेट पर सिर्फ 5 रन बना लिए थे। इसके बाद जैक क्रॉली ने 151 गेंदों में 85 रन की जुझारू पारी खेलकर संघर्ष दिखाया। जो रूट ने 63 गेंदों में 39 रन और हैरी ब्रूक ने 56 गेंदों में 30 रन का योगदान दिया।

# पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप जीता

## भारत को 191 रन से हराया, वैभव 26 रन ही बना सके; समीर मिन्हास का शतक

दुबई, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने दूसरी बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने रविवार को खेले गए फाइनल में भारत को 191 रन से हरा दिया। दुबई के ICC एकेडमी में पाकिस्तान ने समीर मिन्हास की शानदार पारी के दम पर भारत के सामने 348 रन का बड़ा लक्ष्य रखा।

जवाब में भारतीय टीम 26.1 ओवर में 159 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। ओपनर वैभव सूर्यवंशी 26 रन ही बना सके। दीपेश देवेंद्रन ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अली रजा ने 4 विकेट झटके, जबकि मोहम्मद सय्याम, हुजैफा अहसान और अब्दुल सुभान को 2-2 विकेट मिले।

इससे पहले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने 50 ओवर में 8 विकेट पर 347 रन बनाए। टीम के लिए समीर मिन्हास ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने 113 गेंदों पर 172 रन की दमदार पारी खेली। अहमद हुसैन ने 56 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से दीपेश देवेंद्रन ने 3 विकेट लिए, जबकि खिलन पटेल और हेनिल पटेल को 2-2 विकेट मिले। कनिष्क चौहान ने एक विकेट हासिल किया।

# आईपीएल के 10 ऐसे फुंके हुए 'कारतूस' जिन्होंने लगा दिया अपनी फ्रेंचाइजी को करोड़ों का चूना

नई दिल्ली, 21 दिसंबर (एजेंसियां)। आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब अपने नाम किया. इसी कारण इंडियन प्रीमियर लीग का ये सीजन काफी यादगार बन गया है. हालांकि, कुछ प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में काफी निराश किया और वो टीम की उम्मीदों पर खड़े नहीं हो पाए. आइए ऐसे ही 10 प्लेयर्स पर नजर डालते हैं, जिन्होंने अपनी टीम को करोड़ों का चूना लगा दिया.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सालों का सूखा खत्म करते हुए आखिर इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब अपने नाम किया. आईपीएल 2025 कई मामले में शानदार रहा और फैंस इसे लंबे समय तक याद रखेंगे. हालांकि, कुछ प्लेयर्स का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा. टीमों ने उन्हें करोड़ों रूपये देकर विश्वास के साथ अपनी टीम में शामिल किया था लेकिन वो उम्मीदों पर खड़े नहीं उतरे और अपनी टीम को करोड़ों का चुना लगा दिया. आइए ऐसे ही 10 प्लेयर्स पर नजर डालते हैं.

**1- ऋषभ पंत**

ऋषभ पंत को लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ देकर अपनी टीम में शामिल किया था. लग रहा था कि वो टूर्नामेंट में कमाल कर देंगे लेकिन 14 मैचों में 24.45 के औसत से वो सिर्फ 269 रन ही बना पाए. उनके लिए ये सीजन भूलने लायक रहा लेकिन अगले साल वो धमाकेदार कमबैक कर सकते हैं.

**2. वेंकटेश अय्यर**

वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ में खरीदा लेकिन उनका प्रदर्शन उस लायक नहीं रहा. 11 मैचों में अय्यर ने सिर्फ 142 रन ही बनाए, जो हैरानी वाली बात है. इसी कारण उन्हें आईपीएल 2026 ऑक्शन से पहले केकेआर ने रिलीज किया. अब अय्यर आईपीएल 2026 में आरसीबी के लिए खेलेंगे.

**3. राशिद खान**

राशिद खान को जीटी ने 18 करोड़ देकर रिटेन किया था. उनके लिए आईपीएल 2025 भूलने लायक रहा. वो 15 मैचों में मात्र 9 विकेट झटकने में सफल

हुए और उनकी इकोनॉमी 9.34 की रही. हालांकि, जीटी ने उनपर भरोसा किया और इसी कारण उन्हें रिटेन किया गया.

**4. ग्लेन मैक्सवेल**

ग्लेन मैक्सवेल पर पीबीकेएस ने फिर से भरोसा दिखाया और 4.2 करोड़ में उन्हें खरीदा. वो बुरी तरह फ्लॉप रहे और 7 मैचों में मात्र 48 रन बनाने में सफल हुए. उन्होंने पंजाब किंग्स को करोड़ों का चूना लगा दिया. उन्होंने आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए अपना नाम भी नहीं दिया.

**5. मोहम्मद शमी**

मोहम्मद शमी को एसआरएच ने 10 करोड़ की भारी राशि देकर खरीदा था. आीपीएल 2025 उनके लिए भूलने लायक रहा. उन्होंने 9 मैचों में मात्र 6 विकेट अपने नाम किए. सनराइजर्स हैदराबाद की उम्मीद के अनुसार शमी नहीं खेले. इसी कारण उन्हें एलएसजी से ट्रेड कर दिया गया.

**6. आंद्रे रसेल**

आंद्रे रसेल को केकेआर ने 12 करोड़ देकर रिटेन किया था लेकिन आईपीएल 2025 उनके लिए खराब रहा. वो 13 मैचों में सिर्फ 167 रन बना पाए और उनका औसत 18.55 का रहा. इसी प्रदर्शन के चलते उन्हें रिलीज कर दिया गया. रसेल ने ऑक्शन में जाने के बजाय रिटायरमेंट लेने का ऐलान कर दिया.

**7. लियाम लिविंगस्टोन**

लियाम लिविंगस्टोन को 8.75 करोड़ रूपये में आरसीबी ने खरीदा था. उनसे बहुत ज्यादा उम्मीद थी लेकिन 10 मैचों में 16.00 के औसत से सिर्फ 112 रन बनाए. उन्होंने गेंद से फिर दो विकेट झटके. उन्होंने आरसीबी को करोड़ों का चूना लगा दिया.

**8. जैक फ्रेजर मैक्गर्क**

जैक फ्रेजर मैक्गर्क को डीसी ने 9 करोड़ रूपये देकर रिटेन किया. उन्होंने 6 मैचों में सिर्फ 55 रन बनाए और इसी कारण उन्हें ड्रॉप भी कर दिया गया. डीसी ने उन्हें इसके बाद रिलीज कर दिया और वो आईपीएल 2026 ऑक्शन का हिस्सा बने लेकिन अनसोल्ड रहे.

**9. रविचंद्रन अश्विन**

रविचंद्रन अश्विन को 9.75 करोड़ की भारी राशि देकर सीएसके ने खरीदा था. उनसे स्पिन गेंदबाजी में बहुत उम्मीद थी और उन्होंने 9 मैचों में सिर्फ 7 विकेट अपने नाम किए. उनके लिए सीजन खराब रहा और वो आईपीएल से रिटायर हो गए. अब वो दुनिया भर की अलग-अलग क्रिकेट लीग खेलेंगे.

**10. रिंकू सिंह**

रिंकू सिंह को केकेआर ने 13 करोड़ देकर रिटेन किया था. 13 मैचों में रिंकू ने सिर्फ 206 रन बनाए और उनका औसत 29.42 का रहा. वो मैचों को सही तरह से फिनिश नहीं कर पाए. अगले सीजन में उनसे बहुत उम्मीदें होंगी.

# महालक्ष्मी योजना से आरटीसी लाभ में : भट्टी विक्रमार्क

## आरटीसी और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि महालक्ष्मी योजना के चलते तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) लाभ में आया है।

यह योजना महिलाओं को निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। उपमुख्यमंत्री ने रविवार को प्रजा भवन में आरटीसी और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, विशेष प्रधान सचिव विकास राज, आरटीसी एमडी नागिरेड्डी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जनता की सरकार सत्ता में आने के बाद आरटीसी को सशक्त बनाने और कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई अहम कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत अब तक 255 करोड़ निःशुल्क बस यात्राएं हो चुकी हैं, जिससे महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों से लिए गए ऋण और सरकारी सहयोग से आरटीसी में नई बसें जोड़ी गई हैं तथा बस डिपो और बस स्टेशनों का विकास किया जा रहा है। साथ ही अधिकारियों को नए राजस्व स्रोत तलाशने की सलाह दी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि पिछली सरकार के दौरान आरटीसी के पीएफ बकाया 1,400 करोड़ थे, जिन्हें वर्तमान सरकार ने दो वर्षों में घटाकर 660 करोड़ रुपये कर दिया।

इसी तरह, सीसीएस बकाया 600 करोड़ से घटकर 373 करोड़ रुपये रह गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को विशेष कार्ड जारी करने के लिए सुशासन केंद्र के साथ समझौता किया जाए और ये कार्ड तेलंगाना की हर महिला तक पहुंचें। भट्टी विक्रमार्क ने बताया कि पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत हैदराबाद में 2,800 इलेक्ट्रिक बसें आ रही हैं और इसके लिए चार्जिंग स्टेशनों सहित आवश्यक बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही निजामाबाद और वारंगल में 100-100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जाएंगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि शैक्षणिक वर्ष के पहले ही दिन छात्रों को यूनिफॉर्म, किताबें और जूते वितरित किए जाएं तथा इसके लिए धन की कोई कमी न हो। नाई ब्राह्मण और रजक समुदाय संघों के लिए मुफ्त बिजली बिल की राशि हर महीने नियमित रूप से जारी करने के निर्देश भी दिए गए। इस अवसर पर परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सहायक ट्रैफिक मैनेजर, कंडक्टर और मुख्य लेखा अधिकारी पदों पर भर्ती के लिए वित्त विभाग की मंजूरी देने का अनुरोध किया।

## एनआईए ने पूर्व माओवादी कार्यकर्ता इन्नैया को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को वारंगल जिले में छापेमारी कर पूर्व माओवादी गड़े इन्नैया को गिरफ्तार किया। एनआईए अधिकारियों ने जनगांव जिले के जाफरगढ़ स्थित उनके आश्रम में भी तलाशी ली। जांच में आरोप सामने आए कि इन्नैया के माओवादियों से संबंध हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिसमें एक यूट्यूब चैनल भी शामिल है। बताया गया है कि हाल ही में इन्नैया माओवादी नेता कांता रामचंद्र रेड्डी उर्फ विकल्प के अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे, जहां उन्होंने कथित तौर पर माओवादी समर्थक बयान दिए और लोगों को उकसाने का प्रयास किया। आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। गिरफ्तारी के दौरान आश्रम में मौजूद बच्चों ने एनआईए अधिकारियों को रोकने की कोशिश भी की। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

# धर्म का अपमान करने वालों को सजा मिलेगी

## तेलंगाना में कौन सा बिल लेकर आ रही कांग्रेस सरकार?

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किसी भी धर्म का अपमान करने वालों को सज़ा देने के लिए एक नया कानून लाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार मौजूदा कानूनों में बदलाव करने की योजना बना रही है ताकि किसी भी धर्म का अपमान करने वालों को कड़ी सज़ा मिल सके। सीएम रेड्डी ने कहा कि धार्मिक नफ़रत से निपटने और दूसरे धर्मों का अपमान करने वालों को सजा देने के लिए यह कानून विधानसभा के आने वाले बजट सत्र में पेश किया जाएगा।

हैदराबाद में सरकार की ओर से आयोजित एक क्रिसमस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, सीएम ने इस बात पर जारी दिया कि अल्पसंख्यकों को सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ईसाइयों और मुसलमानों के लिए कब्रिस्तान से जुड़े लंबित मुद्दों को जल्द ही हल किया जाएगा।

**पार्टी के लिए ये महीना है खास :** सीएम रेड्डी ने कहा कि दिसंबर का महीना तेलंगाना और कांग्रेस पार्टी के लिए भी एक खास महीना रहा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का जन्मदिन दिसंबर में है और इसी महीने तेलंगाना को राज्य का दर्जा मिला था। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर को हुआ था। कई युवाओं ने अलग तेलंगाना के लिए अपनी जान कुर्बान की।

उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश में ज्यादा राजनीतिक नुकसान झेलने के बावजूद उन्होंने तेलंगाना दिलाया। इस कार्यक्रम में सीएम रेड्डी के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया है। उन्होंने कहा कि आज हम तेलंगाना में क्रिसमस का त्योहार मना रहे हैं, इसका कारण सोनिया गांधी का योगदान है।

**'चापलूसी की सारी हदें पार' :** इस टिप्पणी पर राज्य में विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कड़ी आलोचना की है। तेलंगाना बीजेपी ने सोशल मीडिया पर ये वायरल वीडियो शेयर किया और सीएम रेड्डी की टिप्पणी पर उन्हें चापलूस बताया। तेलंगाना बीजेपी ने कहा कि सोनिया गांधी के बलिदान और योगदान की वजह से आज यहां क्रिसमस मनाया जा रहा है। कांग्रेस के सीएम रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना पर राज किया. आगे हमें बताया जाएगा कि गांधी परिवार की वजह से सूरज उगता है। पोस्ट में आगे लिखा कि जब चापलूसी सारी हदें पार कर जाती है तो राजनीतिक चमचागिरी के लिए सब कुछ हाईजैक कर लिया जाता है।

## व्हाट्सएप पर नया 'घोस्टपेयरिंग' स्कैम सक्रिय

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। व्हाट्सएप पर एक नया और खतरनाक साइबर घोटाला सामने आया है, जिसमें ऐप के डिवाइस लिंकिंग फीचर का गलत इस्तेमाल कर लोगों के अकाउंट हैक किए जा रहे हैं। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस नए तरीके को 'घोस्टपेयरिंग' नाम दिया है। इस स्कैम में बिना पासवर्ड, ओटीपी या सिम बदले ही पीड़ित के व्हाट्सएप अकाउंट तक पूरी पहुंच हासिल कर ली जाती है।

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा एजेंसियों की चेतावनी के बाद हैदराबाद पुलिस ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है। पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लोगों को सतर्क करते हुए कहा कि अगर किसी मैसेज में लिखा हो, हे, मुझे अभी आपकी फोटो मिली है और साथ में कोई लिंक हो, तो उस पर क्लिक न करें, भले ही वह संदेश किसी परिचित के नंबर से आया हो।

पुलिस के अनुसार, लिंक पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता एक नकली वेबसाइट पर पहुंच जाता है, जो व्हाट्सएप या फेसबुक के आधिकारिक पेज जैसी दिखती है। वहां पहचान सत्यापित करने के बहाने डिवाइस लिंकिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है, जिससे ठग व्हाट्सएप वेब का एक्सेस हासिल कर लेते हैं। अकाउंट हैक होने के बाद स्कैमर पीड़ित की कॉन्टैक्ट लिस्ट और ग्रुप्स में इसी तरह के लिंक भेजकर ठगी को आगे बढ़ाते हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे नियमित रूप से व्हाट्सएप के 'लिंक्ड डिवाइसेस' सेक्शन की जांच करें और किसी भी संदिग्ध डिवाइस को तुरंत हटाएं। किसी भी बाहरी लिंक, क्यूआर कोड या सत्यापन संदेश से सावधान रहने की सलाह दी गई है।

# आंतरिक शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए ध्यान आवश्यक : उपराष्ट्रपति

## कन्हा शांति वनम में आयोजित विश्व ध्यान दिवस समारोह

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि ध्यान आंतरिक शांति, भावनात्मक संतुलन और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे रविवार को रंगारेड्डी जिले के कन्हा शांति वनम में आयोजित विश्व ध्यान दिवस समारोह में शामिल होकर संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ध्यान एक सार्वभौमिक अभ्यास है, जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे है और मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक स्थिरता तथा आत्मिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने बताया कि 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस घोषित करने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव को भारत द्वारा सह-प्रायोजित किया गया था, जो वैश्विक स्तर पर ध्यान के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने हार्टफुलनेस ध्यान के मार्गदर्शक दाजी (कमलेश डी. पटेल) के योगदान की भी सराहना की। भारत की सभ्यतागत विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान को प्राचीन काल से मन और आत्मा का विज्ञान माना गया है। भगवद्गीता और तमिल ग्रंथ तिरुमंत्रम का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान के माध्यम से मन पर नियंत्रण आत्म-साक्षात्कार और नैतिक जीवन की ओर ले जाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सच्चा विकास केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें भावनात्मक और आध्यात्मिक कल्याण भी शामिल होना चाहिए। उन्होंने 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य को हासिल करने में ध्यान की भूमिका को अहम बताया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, मंत्री डी. श्रीधर बाबू सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बाद में उपराष्ट्रपति विशेष विमान से दिल्ली रवाना हुए।

## सहकारी समितियों के तुरंत चुनाव की मांग

### मनोनीत बोर्ड बनाना अलोकतांत्रिक : निरंजन रेड्डी

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में सहकारी समितियों की प्रबंध समितियों के तत्काल चुनाव कराने की मांग करते हुए बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री एस निरंजन रेड्डी ने रविवार को सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार चुनाव कराने के बजाय सहकारी समितियों में मनोनीत बोर्ड नियुक्त करने पर विचार कर रही है, जो पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। निरंजन रेड्डी ने दावा किया कि कांग्रेस नेतृत्व को आशंका है कि अगर अभी चुनाव कराए गए तो किसानों की नाराजगी सामने आ सकती है। इसी डर से सरकार सहकारी समितियों के चुनाव टाल रही है। उन्होंने कहा कि प्रबंध समितियों की जगह मनोनीत बोर्ड बैठाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है और यदि सरकार ऐसी मंशा रखती है तो उसे तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

पूर्व मंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए ग्राम पंचायत चुनावों के नतीजों से कांग्रेस सरकार को झटका लगा है और उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। इसी कारण सहकारी समितियों के चुनावों को टाला जा रहा है। उन्होंने मांग की कि चुनाव होने तक सहकारी समितियों की देखरेख के लिए विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की जाए और बिना किसी देरी के चुनाव कराए जाएं। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि पीएसीएस और जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों में मौजूदा प्रबंध समितियों को भंग कर प्रभारी समितियां बनाने के किसी भी प्रस्ताव का बीआरएस कड़ा विरोध करेगा।

# विकसित भारत पीपीटी चैलेंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अंतर्गत प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली विकसित भारत पीपीटी चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन इस वर्ष भी भव्य रूप से किया गया। यह प्रतियोगिता देशभर के युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने और उनकी रचनात्मक व बौद्धिक क्षमता को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता तीन चरणों में संपन्न होती है।

पहले चरण में ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाती है, जिसमें उच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को दूसरे चरण में चयनित 10 विषयों पर निबंध प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलता है। अंतिम चरण के रूप में पीपीटी चैलेंज प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसी क्रम में 19 एवं 20 दिसंबर को विद्यानगर स्थित विवेकानंद डिग्री कॉलेज में युवा सेवा विभाग के सहयोग से पीपीटी चैलेंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 529 प्रतिभागियों का चयन 20 शिक्षकों द्वारा किया गया, जिन्होंने निर्णायक मंडल के रूप में पीपीटी प्रस्तुतियों के आधार पर मेधावी छात्रों का चयन किया। चयनित प्रतिभागियों का अंतिम मूल्यांकन युवा कल्याण मंत्रालय के श्री बिसाती भारत द्वारा किया गया। उत्कृष्ट और असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए चुना गया। यह कार्यक्रम तेलंगाना राज्य युवा सेवा विभाग की निदेशक डॉ. सोनिबाला देवी की देखरेख में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विवेकानंद डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.के. प्रभु, युवा सेवा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से युवाओं में देश के विकास में सक्रिय भागीदारी की भावना को बल मिला।

## पारिवारिक और आर्थिक तनाव से दंपति की आत्महत्या

सिद्दिपेट, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक तंगी के चलते सिद्दिपेट जिले के बेज्जंकी में एक दंपति ने आत्महत्या कर ली। इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय तौर पर कपड़े की दुकान चलाने वाले श्री हर्ष और उनकी पत्नी रुक्मिणी रविवार सुबह अपने घर पर बेहोशी की हालत में पाए गए। पड़ोसियों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने रुक्मिणी को मृत घोषित कर दिया, जबकि श्री हर्ष की इलाज के दौरान करीब एक घंटे बाद मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

## पवन कल्याण 3 जनवरी को दीक्षा मंडपम की रख सकते हैं आधारशिला

जगतियाल, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण 3 जनवरी को कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा प्रस्तावित गेस्ट हाउस और दीक्षा मंडपम की आधारशिला रखने जा सकते हैं। टीटीडी कोंडागट्टू में 100 कमरों वाला गेस्ट हाउस और 2,000 लोगों की बैठने की क्षमता वाला दीक्षा मंडपम बनाने की तैयारी कर रहा है। यह प्रस्ताव हाल ही में हुई टीटीडी बोर्ड की बैठक में पारित किया गया था।

शनिवार को टीटीडी के इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारी निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के लिए कोंडागट्टू पहुंचे। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने 29 जून को मंदिर का दौरा किया था और विशेष पूजा-अर्चना की थी। इस दौरान मंदिर अधिकारियों और पुजारियों ने बताया कि पर्याप्त अतिथि गृह सुविधाओं के अभाव में भक्तों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उनके अनुरोध के बाद उपमुख्यमंत्री ने गेस्ट हाउस और दीक्षा मंडपम के निर्माण के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा के साथ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भाग लिया। कार्यक्रम में मंत्रीगण, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## सी-सेक्शन बना गंभीर स्वास्थ्य संकट

### राज्य में करीब 60 प्रतिशत प्रसव सर्जरी से निजी अस्पतालों में स्थिति सबसे ज्यादा चिंताजनक

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सिजेरियन सेक्शन (सी-सेक्शन) अब एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। राज्य में होने वाले लगभग 60 प्रतिशत प्रसव सर्जरी के जरिए हो रहे हैं, जो देश में सबसे अधिक माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा हालात को देखते हुए इस प्रवृत्ति के जल्द थमने के कोई संकेत नहीं हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सी-सेक्शन को कम करने के लिए राज्य सरकार की ओर से कोई बड़ी जागरूकता या सुधारात्मक पहल नहीं की गई है। इसी वजह से तेलंगाना लगातार भारत में सबसे अधिक सी-सेक्शन वाला राज्य बना हुआ है।

दिल्ली स्थित एम्स और पॉपुलेशन काउंसिल द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन में सामने आया है कि दक्षिण भारत में तेलंगाना में 'रोके जा सकने वाले' सी-सेक्शन की दर सबसे अधिक है। अध्ययन के मुताबिक, बड़ी संख्या में सर्जरी चिकित्सा जरूरत के बजाय मां की इच्छा, डॉक्टरों की सुविधा, शुभ मुहूर्त और प्रसव पीड़ा के डर जैसे कारणों से की जा रही हैं। निजी अस्पतालों में स्थिति और भी गंभीर बताई गई है, जहां करीब 81.5 प्रतिशत प्रसव सी-सेक्शन से हो रहे हैं। वहीं, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में राज्य में सर्जिकल प्रसव की दर 56 प्रतिशत से बढ़कर 61 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट में पेद्दापल्ली जैसे जिलों में सी-सेक्शन की दर 80 प्रतिशत तक बताई गई है, जबकि हैदराबाद और रंगारेड्डी में यह 40 से 44 प्रतिशत के बीच है।

## कक्षा 10 के छात्रों के ई-नामांकन डेटा में सुधार के लिए स्कूलों को मिलेगा अतिरिक्त अवसर

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी परीक्षा निदेशालय (डीजीई) ने मार्च 2026 में होने वाली एसएससी (कक्षा 10) सार्वजनिक परीक्षाओं के लिए छात्रों के ई-नामांकन डेटा में सुधार करने के लिए स्कूलों को एक बार का अतिरिक्त अवसर देने की घोषणा की है। स्कूल इस सुविधा का उपयोग 22 से 30 दिसंबर तक वेबसाइट पर कर सकते हैं।

डीजीई ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक और व्यावसायिक रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की गलती को ठीक करना और सही, त्रुटिरहित एसएससी प्रमाण पत्र जारी करना है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि डेटा की सटीकता, प्रामाणिकता और पूर्णता की जिम्मेदारी पूरी तरह से संबंधित स्कूल के प्रमुख की होगी।

डीजीई ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे प्रत्येक छात्र के विवरण को सही और पूरी तरह से सत्यापित करें। निर्धारित समय के बाद किसी भी सुधार का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए स्कूलों को यह सुनिश्चित करना है कि सभी डेटा सही हो, ताकि बाद में कोई समस्या न आए।

## स्व. एन.एल. नरसिंहा राव का प्रथम स्मृति व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर द्वारा स्वर्गीय एन. एल. नरसिंहा राव की स्मृति में प्रथम स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सुरवरम प्रताप रेड्डी तेलुगु विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सम्मेलन हॉल में संपन्न हुआ। स्मृति व्याख्यान का विषय जनसंपर्क में विरासत और नेतृत्व: जन और नीति के बीच सेतु रहा। स्व. एन.एल. नरसिंहा राव का जन्म 20 दिसंबर 1938 को हुआ था तथा उनका निधन 4 अगस्त 2019 को हुआ। उन्होंने संयुक्त आंध्र प्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दीं। वे पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के पांच कार्यकालों तक अध्यक्ष रहे तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) के रूप में भी उन्होंने संगठन को सशक्त किया। कार्यक्रम में यू.एस. शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने स्व. नरसिंहा राव के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को स्मरण करते हुए कहा कि वे हैदराबाद चैप्टर के लिए एक मजबूत स्तंभ थे और उन्होंने संगठन के सदस्यों में नेतृत्व मूल्यों की नींव रखी। उन्होंने स्मृति व्याख्यान आयोजित करने की पहल के लिए चैप्टर सदस्यों की सराहना की। इस अवसर पर कृष्णा बाजी, पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (दक्षिण) ने पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक का संदेश पढ़कर सुनाया और स्व. नरसिंहा राव के साथ हुडा तथा पीआरएसआई में अपने पांच दशकों से अधिक के जुड़ाव को साझा किया। कार्यक्रम में पीआरएसआई के वरिष्ठ सदस्य वाई. बाबजी, लायन गोविंद राज, प्रमोद राव, मोहन राव, सुब्बाराव, वी.वी. भुजंगा राव, सुश्री अपर्णा राजहंस, सुश्री डी. अरुणा, श्याम, श्रीमती इंदुमती सहित स्व. नरसिंहा राव के परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने उनके साथ अपने अनुभव साझा करते हुए पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के लिए उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम की शुरूआत में डॉ. यादगिरी कम्भमपति, अध्यक्ष, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर ने अतिथियों एवं परिवारजनों का स्वागत किया। अंत में राजेश कल्याण, सचिव, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

## इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए पंजीकरण 10 लाख के पार

### रिकॉर्ड संख्या में छात्र होंगे शामिल

हैदराबाद, 21 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इस शैक्षणिक वर्ष में इंटरमीडिएट पब्लिक एग्जामिनेशंस (आईपीई) के लिए पंजीकरण 10 लाख के आंकड़े को पार कर गया है। बोर्ड के अनुसार, प्रथम और द्वितीय वर्ष के कुल 9,91,488 नियमित छात्र और लगभग 10,000 निजी एक बार असफल हुए उम्मीदवार इन परीक्षाओं में शामिल होंगे, जो 25 फरवरी, 2026 से शुरू होंगी। इस वर्ष सरकारी, सरकारी-रेक्टर और निजी जूनियर कॉलेजों में कुल 10,44,133 छात्रों ने प्रवेश लिया।

राज्य सरकार द्वारा हाल ही में आवासीय और व्यावसायिक भवनों में संचालित 13 मिश्रित उपयोग वाले कॉलेजों को अनुमति देने से पंजीकरण में और वृद्धि हुई है। इनमें 10,000 से अधिक छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। पिछले साल मार्च 2025 में कुल 9,96,971 छात्रों ने परीक्षा शुल्क का भुगतान किया था। हालांकि, पंजीकरण के बावजूद, लगभग 4 से 5 प्रतिशत छात्र विभिन्न कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं होते हैं।

इस वर्ष परीक्षा केंद्रों की संख्या घटाकर 1,488 कर दी गई है, जबकि पिछले साल 1,533 केंद्र स्थापित किए गए थे। मिश्रित उपयोग की समस्या अब हल हो चुकी है, इसलिए स्कूलों में केंद्र आवंटित नहीं किए गए हैं। बोर्ड ने सभी जूनियर कॉलेजों से निर्देश दिया है कि प्रवेश लेने वाले छात्रों का पंजीकरण पूरी तरह सुनिश्चित किया जाए और नामांकन सूची में किसी भी त्रुटि को तुरंत सुधारकर बोर्ड को भेजा जाए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.